राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय

11 वाँ वार्षिक प्रतिवेदन

2019-20

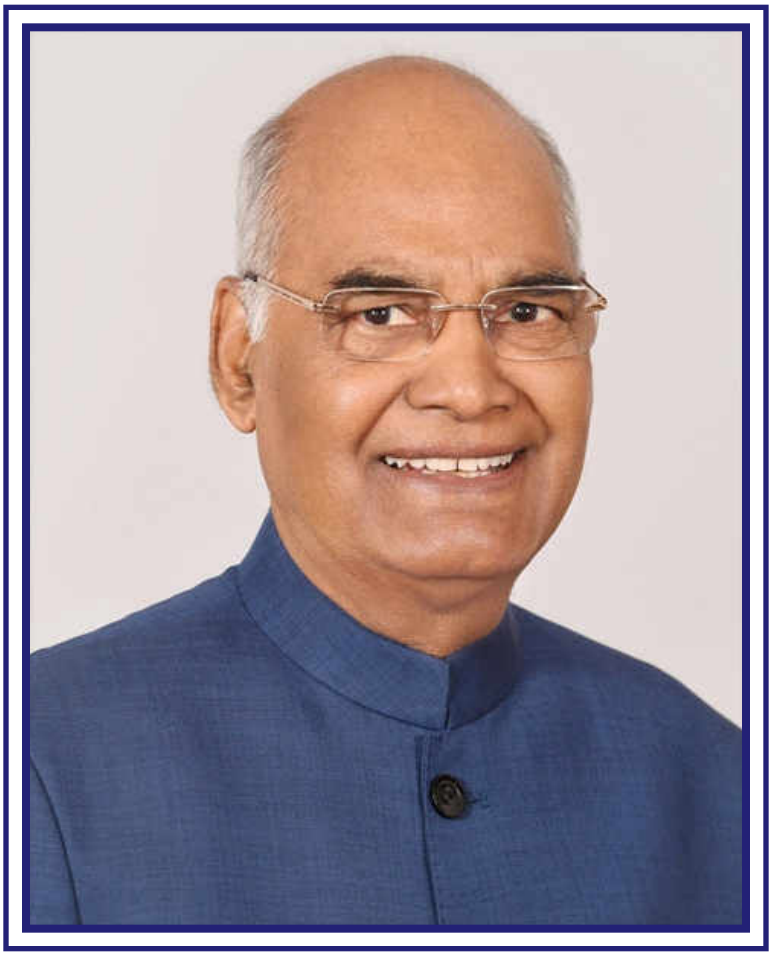

कुलाध्यक्ष

भारत के राष्ट्रपति

माननीय श्री राम नाथ कोविंद

कुलाधिपति
डॉ. के. कस्तूरीरंगन

कुलपति

प्रो. अरुण कुमार पुजारी

विषय-सूची

क्रम सं.	नाम	पृष्ठ सं.
	कुलपति की कलम से	9-10
1	दृष्टिकोण, मिशन, लक्ष्य, उद्देश्य एवं गुणवत्ता वक्तव्य	11-12
2	विश्वविद्यालय एक नज़र में	13-20
3	अकादमिक सूचना	21-32
4	अवसंरचनात्मक सुविधाएँ	33-41
5	विद्यार्थी सहायता प्रणाली	42-45
6	कार्यक्रम	46-56
7	विस्तार गतिविधियाँ	57-63
8	वास्तुकला स्कूल	64-128
9	संकाय अकादमिक उपलब्धियाँ	129-168
10	संकाय सदस्यों के प्रकाशन	169-210
11	बाह्य निधि परियोजनाएँ	211-221
12	शोध प्रबंध एवं शोध निबंध	222-245
13	छात्र नियोजन	246-252
14	लैंगिक लेखा परीक्षा	253-267
15	विश्वविद्यालय के प्राधिकारी	268-271
16	संकाय / अधिकारियों / कर्मचारियों की सूची	272-280
17	परिसर छात्रों की दृष्टि में	281-282

कुलपति की कलम से

प्रो. अरूण कुमारी पुजारी

वर्ष 2019-20 के दौरान कोविड-19 जैसे महामारी के दुष्प्रभाव के बावजूद भी विश्वविद्यालय के बेहतर प्रदर्शन से मैं काफी संतुष्टि का अनुभव करता हूँ। जब संक्रमण के कारण पूरी कार्य प्रणाली को अशक्त करने वाली विवशता उत्पन्न हुई तो विश्वविद्यालय ने तकनीकी आधारित कार्यप्रणाली को अपनाया और सर्वोत्कृष्ट सेवा प्रदान की। मुझे ग्यारहवीं वार्षिक प्रतिवेदन में प्रतिबद्धता की इस उपलब्धि को दर्ज करने में खुशी हो रही है, जो सभी के सामूहिक प्रयासों के प्रमाण हैं। यह राजस्थान के केंद्रीय स्थल पर उच्च शिक्षा के सर्वोत्कृष्ट संस्थान के रूप में भी हमारी स्थिति को सुदृढ़ करेगा।

प्रतिवेदित वर्ष 2019-20 में विश्वविद्यालय का प्रगतिशील विकास स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। शिक्षकों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाएं इसके प्रमुख संकेतकों में से एक हैं। ये परियोजनाएँ 100 करोड़ रुपये से अधिक के हैं। इसका एक और प्रतिबिंब नियमित भर्ती है जो बड़े पैमाने पर समाज के लिए प्रतिबद्धता के साथ उत्कृष्टता हेतु हमारे कठिन प्रयास की पुष्टि करती है। ऐसा करने के लिए, हमने न केवल सतत विकास बल्कि प्रगति की समानता के लिए ज्ञान के वैश्विक और स्थानीय आयामों के बेहतरीन संतुलन को भी ध्यान में रखा है। इसे ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार के दिशानिर्देशानुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को भर्ती और प्रवेश दोनों में आरक्षण प्रदान करने की नीति लागू की गई है।

इसके अलावा, विषयों की विविधता तथा ज्ञान के प्रवाह द्वारा अच्छी तरह से रचित शैक्षणिक माहौल को शामिल करना काफी महत्वपूर्ण है। संकाय सदस्यों द्वारा उच्च-प्रभाव वाले अंतर्राष्ट्रीय शोध प्रकाशन, वर्ष में आयोजित सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं की एक समृद्ध श्रृंखला, एनपीटीईएल और स्वयम के माध्यम से ऑन-लाइन पाठ्यक्रमों का संचालन, सक्रिय नवाचार प्रकोष्ठ, पीएमसीएमएनएमटीटी के अंतर्गत टीएलसी, सभी मिलकर विश्वविद्यालय में ज्ञान-विज्ञान के विकास के लिए एक प्रस्तावना तैयार करते हैं।

यद्यपि यह ज्ञातव्य है कि छात्र किसी भी शैक्षणिक संस्थान के प्राण-शक्ति होते हैं, वर्ष 2019-20 के उत्तरार्द्ध में इसे काफी गंभीरता से महसूस किया गया। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन ने सभी छात्रों को घर जाने के लिए विवश किया, लेकिन उन्हें जल्द ही ऑन-लाइन शिक्षण प्रणाली से जोड़ दिया गया। इसके लिए युद्धस्तर पर डिजिटल शिक्षण तकनीकी सहायता केंद्र (डीएलटीसीएस) की स्थापना की गई। इससे पूर्व, विश्वविद्यालय में क्लबों की गतिविधियों, प्रतिस्पर्द्धाओं तथा प्रतियोगिताओं का दौर शुरू हो गया। मातृभाषा दिवस, स्थापना दिवस, हिंदी पखवाड़ा तथा अन्य अवसरों पर, क्षेत्रीय विविधता के साथ राष्ट्रीय अखंडता का संदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय की एनएसएस टीम ने रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान और इस तरह के अन्य सामुदायिक-सेवा संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया।

शैक्षणिक मोर्चे पर, विश्वविद्यालय के छात्रों ने उपलब्धि के उच्च मानकों को बनाए रखा है। बड़ी संख्या में नेट परीक्षा उत्तीर्ण, जेआरएफ प्राप्त छात्र और अच्छा रोजगार प्राप्त पूर्व छात्र, प्रयासों के प्रति ईमानदारी के जीवंत प्रतीक हैं। हालांकि, कोविड-19 की वजह से कुछ परीक्षाओं के आयोजन नहीं होने कारण उनकी वास्तविक प्रतिभा उजागर नहीं हो सकी। लेकिन, इस संबंध में हम आशावादी हो सकते हैं क्योंकि अब स्थिति फिर से सामान्य होती जा रही है।

जनसांख्यिकीय विविधता विश्वविद्यालय की वास्तविक शक्ति है। छात्र अखिल भारतीय सीयूसीईटी के माध्यम से प्रवेश प्राप्त करते हैं और वे एकता के साथ विविधता का एक समृद्ध मिश्रण बनाते हैं। एक जगह एकत्रित होकर, वे हमारे परिसर जीवन को जीवन शक्ति और उत्साह प्रदान करते हैं। इस जनसांख्यिकी में एक लकीर के रूप में दर्शित विदेशी छात्रों की उपस्थिति हमारे वैश्विक पहुँच को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। वर्ष 2019-20 ने बहुरंगी एकता की इस प्रवृत्ति का साक्ष्य प्रस्तुत किया है।

भेदभाव-मुक्त परिसर के लिए, विश्वविद्यालय में स्पर्श, समान अवसर प्रकोष्ठ, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ, जैसे तंत्र बनाये गये हैं और ये सभी पूरे वर्ष प्रभावी रूप से संचालित होते हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि विश्वविद्यालय की पवित्र परिसीमा में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए।

अंत में, मैं विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों और छात्रों को उनके प्रगतिशील प्रयासों के लिए धन्यवाद देता हूँ, जिनसे इस प्रतिवेदन को सराहना प्राप्त हुई है। मैं मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) और यूजीसी का उनके सतत समर्थन के लिए आभारी हूँ। मैं संपादकीय समूह की भी उनकी त्रुटिरहित कार्य के लिए सराहना करता हूँ साथ ही विश्वविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्यों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

प्रो. अरूण कुमारी पुजारी

दृष्टिकोण, मिशन, लक्ष्य, उद्देश्य एवं गुणवत्ता वक्तव्य

दृष्टिकोण

"राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय भारत के सबसे प्रगतिशील विश्वविद्यालयों में शामिल होने, वैश्विक परिवर्तन के दायित्व के निर्वहन तथा शिक्षार्थी समुदाय, विशेषकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के इच्छुक समाज के निम्न सामाजिक आर्थिक वर्ग के शिक्षार्थियों के लिए उत्कृष्ट शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने का आकांक्षी है। विश्वविद्यालय प्रगतिशील परा-स्नातक एवं स्नातक शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ ही चयनित क्षेत्रों में व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक संवर्धन हेतु प्रयत्नशील है जिससे कि नवीनीकरण, साझाकरण एवं ज्ञान के प्रयोग तथा विचारशील, रचनात्मक, संवेदनशील एवं दायित्वपूर्ण नागरिकों को विकास की सुविधा प्रदान कर एक शिक्षित समाज का निर्माण हो सके।"

मिशन

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय का मिशन स्नातक, स्नात्तकोतर, व्यावसायिक तथा डॉक्टरेट की उपाधि हेतु एक उत्कृष्ट एवं उदार शिक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम प्रदान कर व्यापक पैमाने पर क्षेत्र तथा पूरे देश में शैक्षणिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, पर्यावरण, स्वास्थ्य तथा सामाजिक उन्नति की प्रतिबद्धता को पूरा करने में सहयोग प्रदान करना है।

लक्ष्य

- सुगम तथा वहनीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ताकि छात्रों में व्यावसायिक कौशलों, नैतिक सिद्धांतों तथा वैश्विक दृष्टिकोणों का विकास हो सके।
- मूलभूत तथा क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान कर संकायो तथा छात्रों को शोध की सुविधा प्रदान करना।
- शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार तथा परामर्श के हमारे चार मूलभूत मिशनों के लिए राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण को अपनाना।
- प्रमुख अनुसंधान विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने के लिए संधारणीय विकास हेतु अनिवार्य अंतर्विषयक शैक्षणिक संसाधनो के निर्माण हेतु ज्ञान तथा विवेक का अन्वेषण करना तथा सामुदायिक क्षमता को सशक्त एवं उन्नत करने के लिए समाज को ज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के हस्तान्तरण में शामिल करना और वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिस्पर्धा में वृद्धि करना।
- विश्वविद्यालय प्रशासन के सक्रिय प्रबंधन की रणनीति तैयार करना तथा निपुणता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही पर आधारित उच्च गुणवत्तायुक्त शासन के संवेदनशील संरचना में प्रणाली का प्रवर्तन करना।
- मूल्य-केन्द्रित शिक्षा के माध्यम से वैश्विक समुदाय के एक जवाबदेह नागरिक के रूप में कार्य करते हुये एक उन्नत अंतरराष्ट्रीय तथा प्रतिस्पर्धात्मक नियोजन बाजार का विकास करने तथा बौद्धिक कौशल एवं सकारात्मक मानसिकता प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय को विश्व के सर्वोत्कृष्ट स्थानो में से एक बनाना।

उद्देश्य

- चरित्र मूल्यों का निर्माण और साथ ही विश्लेषणात्मक सोच, व्यक्तिगत पहल और दायित्व विकास के द्वारा छात्रों के कैरियर निर्माण का प्रयास।
- क्षेत्रीय जरूरतों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए उत्तरदायी लचीली, नवीन, शैक्षणिक और अनुसन्धान कार्यक्रमों और संरचनाओं को समर्थन प्रदान करना।
- स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध कार्यक्रमों में संलग्न शिक्षार्थियों के लिए शिक्षा के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला की सुविधा प्रदान करना।
- स्थानीय, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर विचारशील और जवाबदेह संकायों और छात्रों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करना।
- एक विशेष दायित्व को स्वीकार करते हुए अल्पसंख्यकों और समाज के निचले सामाजिक – आर्थिक तबके से आने वाले छात्रों को शिक्षित करना।
- अपनी विशेषज्ञता से अनुसंधान एवं परामर्श द्वारा क्षेत्र की चुनौतियों एवं समस्याओं का समाधान कर समाज को लाभ पहुंचाना।
- शैक्षणिक कार्यक्रमों, परिसर की गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व और सेवा के लिए क्षमता निर्माण हेतु साधन उपलब्ध कराना और सामुदायिक भागीदारी के लिए अवसर उपलब्ध करना।

गुणवत्ता वक्तव्य

ज्ञान के युग की चुनौतियों को पूरा करने तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ज्ञान की गति को बनाए रखने के लिए राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के सभी आयामों, जैसे शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार एवं शासन की गुणवत्ता को वैश्विक तथा क्षेत्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति के अनुसार बनाये रखने हेतु प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय एक नजर में

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय वर्ष 2009 में प्रारंभ से लेकर अब तक 10 वर्षों की यात्रा पूरी की है तथा राजस्थान में उच्चतर शिक्षा के सबसे तीव्र गति से प्रगतिशील संस्थान के रूप में उभरा है। व्यापक रूप से खुला, हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त परिसर खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षाविद, अनुसंधान और समग्र विकास के पोषण और अनुकूलन के लिए एक सौंदर्यपूर्ण और समृद्ध वातावरण प्रदान करता है, जो अच्छे स्वास्थ्य और क्षमता के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रो. अरुण कुमार पुजारी, कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने वर्ष 2019-20 अनेक नई उपलब्धि हासिल की है।

अकादमिक विकास

अपनी शुरूआत से 10 वर्षों में अब तक राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 12 स्कूलों के अंतर्गत 32 विभाग बनाये गये हैं। स्कूलों एवं विभागों में पीएच.डी., स्नातकोत्तर तथा इंटीग्रेटड कार्यक्रमों के अनेक पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं। विश्वविद्यालय ने छात्रों को उनकी रुचि के विभिन्न पाठ्यक्रमों को सीखने और पर्याप्त ज्ञान और कौशल हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) को अपनाया है। सभी छात्रों को शिक्षा के क्षितिज का विस्तार करने के लिए एन.पी. टी.ई.एल. और स्वयम के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने हेतु भी प्रोत्साहित किया जाता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कार्यक्रम उच्च मानकीकृत हैं और ज्ञान और कौशल के उपयुक्त मिश्रण के साथ उच्च रोजगार देने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, और विचारशील, संवेदनशील व जिम्मेदार नागरिक विकसित करने के विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण के अनुरूप कार्यक्रमों को सतत विकास पर केंद्रित किया गया है। उभरते वैश्विक रुझानों के अनुरूप अनेक कार्यक्रमों जैसे योग विज्ञान, खेल विज्ञान, डिजिटल सोसाइटी, बिग डेटा एनालिटिक्स, सांस्कृतिक सूचना विज्ञान, वायुमंडलीय विज्ञान आदि को उभरते वैश्विक रुझानों के अनुरूप तैयार किया गया है। इसी तरह, संबंधित विषयों में ज्ञान की वृद्धि के लिए समय-समय पर शैक्षणिक विचार-विमर्श की प्रक्रिया के माध्यम से अन्य पाठ्यक्रमों को भी संशोधित तथा अद्यतित किया जाता है। इसके साथ ही, अपेक्षाकृत कम प्रसिद्ध कार्यक्रमों जैसे बी.वॉक इंटीरियर डिजाइन और डीडीयू कौशल विकास केंद्र भी समान रूप से संचालित किए जाते हैं। अकादमिक वर्ष 2018-19 में युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से खेल विज्ञान स्कूल के अंतर्गत खेल जैव-विज्ञान, खेल यांत्रिकी, खेल-मनोविज्ञान नामक तीन विभागों की शुरूआत से प्रमुख प्रगति हुई। इन सभी विभागों ने अपनी प्रयोगशालाएँ बनाई, पाठ्यक्रम डिजाइन किए और अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ प्रारंभ की। खेल मनोविज्ञान विभाग में आगामी सत्र 2020-21 से छात्रों को

प्रवेश प्राप्त होगा, जबकि अन्य दो विभागों ने स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम शुरू कर दिया है। अन्य सभी नए प्रारंभ विभागों तथा पाठ्क्रमों यथा योग विज्ञान, बिग डेटा विश्लेषण, डिजिटल सोसाइटी में एम.ए., सांस्कृतिक सूचना विज्ञान, में सफलतापूर्वक शैक्षिक प्रगति हो रही है।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सरकारी ज्ञापन और यूजीसी के निर्देशों के अनुपालन में, आंतरिक समिति गठित की तथा शैक्षणिक सत्र 2019-20 में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (EWS) के छात्रों और शोध-छात्रों को समायोजित करने लिए विभिन्न कार्यक्रमों में स्थानों में वृद्धि की। विश्वविद्यालय शिक्षण और शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है, और सभी कार्यक्रमों को बौद्धिक कौशल को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो एक समावेशी, समान और न्यायपूर्ण समाज बनाने की दिशा में क्षेत्रीय और वैश्विक आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा कर सकता है।

किसी विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह वास्तव में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। दीक्षांत समारोह अकादमिक जीवन व्यतीत करने का एक संस्कार है जिसकी प्रतीक्षा प्रत्येक विद्यार्थी को होती है क्योंकि वे अकादमिक उपाधि प्राप्त करने के साथ ही विश्वविद्यालय जीवन की एक सुंदर यात्रा पूरी करते हैं। विश्वविद्यालय का छठा दीक्षांत समारोह 3 दिसंबर, 2019 को आयोजित किया गया, जहां विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक प्रयासों के प्रशंसापत्र के रूप में उपाधि और स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. के. कस्तूरीरंगन ने अकादमिक जगत के अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों के साथ विचार-विमर्श किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। वर्तमान में वह सबसे प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिकों में से एक हैं और भारत के मिशन "चन्द्रयान -2" के पीछे मुख्य वास्तुकार हैं, जो अंतरिक्ष अनुसंधान के इतिहास में एक मील का पत्थर है। डॉ. सिवन ने विद्यार्थियों को चुनौतियों पर काम करने और जीवन यात्रा के हर कदम से सीखने हेतु बहुत ही प्रेरक भाषण दिया। इस अवसर पर, 44 शोध-छात्रों ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की और कुल 583 छात्रों ने उपाधियाँ प्राप्त कीं। इस दीक्षांत समारोह में 40 छात्रों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया गया। युवा संकाय सदस्यों में शैक्षणिक भावना को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2018 से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा कुलाधिपति का सर्वश्रेष्ठ संकाय पुरस्कार की शुरुआत की गई। चयन की एक कठिन प्रक्रिया के बाद, कुलाधिपति का द्वितीय सर्वश्रेष्ठ संकाय पुरस्कार राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीन संकाय सदस्यों डॉ. ज्ञान रंजन पांडा, डॉ. निधि पारीक तथा डॉ. विश्वनाथ तिवारी को प्रदान किया गया।

अवसंरचनात्मक सुविधाएं

शिक्षाविदों का प्रासाद इसके बुनियादी ढांचे के आधार पर विकसित होता है। विश्वविद्यालय में आवास, कक्षा में शिक्षण, प्रयोगशाला कार्य, पुस्तकालय कार्य, मनोरंजन, शारीरिक अनुकूलता और खेल-कूद के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के लिए 07 भली-भांति सुसज्जित छात्रावास हैं, फुटबॉल और क्रिकेट के हरे-भरे मैदान, वॉलीबॉल का मैदान और आउटडोर टेनिस कोर्ट हैं जबकि इन्डोर खेलों में बैडमिंटन और टेबल-टेनिस के कोर्ट हैं। इनके अतिरिक्त, एक बड़ा भोजनालय (मेगा-मेस) (एक बार में लगभग 500 लोगों के भोजन की क्षमता वाला), लॉंड्री (06 ऑपरेटरों के साथ), परिसर में बैंक, डाकघर, डे केयर सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, इत्यादि जैसी अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। छात्रावास में स्वस्थ वातावरण एवं अन्य सुविधाएं जैसे वेंडिंग मशीन एवं इनसिनरेटर, अध्ययन कक्ष तथा कॉमन लाउंज उपलब्ध हैं। छात्रावास भवन के पास स्थित विश्वविद्यालय का सभागार विभिन्न सायंकालीन कार्यक्रमों और सांस्कृतिक गतिविधियों का स्थान है। छात्रावासों के सामने खुले मैदान को खुली चर्चा, रचनात्मक सोच और सहकर्मी से सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय नवीनतम तकनीक से युक्त है चाहे प्रयोगशालाएँ हों या पुस्तकालय (इन्फ्लिबनेट और अन्य ई-संसाधन) या कक्षाएँ (प्रोजेक्टर और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा के साथ)। विश्वविद्यालय के आईसीटी सेल द्वारा एनएमईआईसीटी के तहत इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी भी उपलब्ध है। अब रेलटेल के माध्यम से ओपेक्स का उपयोग कर वाई-फाई उपलब्ध कराया जा रहा है। लगभग 1200 लैन प्वाइंट पहले से उपलब्ध हैं। छात्रों और छात्राओं के लिए अलग-अलग व्यायामशाला के अलावा इनडोर और आउटडोर खेलों की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। एक अन्य छात्रावास भवन निर्माणाधीन है, और अन्य आवासीय इकाइयों और शैक्षणिक ब्लॉकों के निर्माण की योजना भी शुरू की गई है।

विश्वविद्यालय का अतिथि गृह हमारे बुनियादी ढांचे का शानदार गौरव है। अपनी बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के सतत विकास करने के लिए विश्वविद्यालय ने विभिन्न प्रणालियों को लागू किया है। सौर पैनल लगाया गया है तथा वर्षा जल भंडारण और कटाई प्रणाली भी उपलब्ध है। हरित क्षेत्र

को बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है और स्वस्थ व स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अपशिष्ट निपटान प्रणालियों को अच्छी तरह से लगाया गया है। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक विभागों एवं प्रशासनिक कार्य के लिए विशाल भवनों के अलावा कर्मचारियों के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किया गया आवास है। कर्मचारियों के बच्चों तथा आस-पास के समाज के बच्चों की शिक्षा के लिए परिसर में केंद्रीय विद्यालय तथा प्री-स्कूल भी हैं।

शिक्षार्थी अनुकूल संरचना

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र हितैषी दृष्टिकोण में निरंतर शिक्षण की संपूर्णता उजागर होता है। विद्यार्थियों को उनकी क्षमताओं का पता लगाने, नए कौशल सीखने और स्वयं को एक सफल पेशेवर के रूप में ढ़ालने के लिए हमेशा पर्याप्त अवसर दिए जाते हैं। प्रवेश, परीक्षा, ग्रेडिंग और अन्य अकादमिक प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी है, क्योंकि विद्यार्थी सहयोगात्मक वातावरण में सुझाव का आदान-प्रदान कर सकते हैं। शिक्षा प्राप्त करने के लिए संपूर्ण भारत तथा विदेशी छात्रों का यहाँ होना वास्तव में विविधता में एकता और राष्ट्रीय एकता की भावना उत्पन्न करता है। अखिल भारतीय परीक्षा (सी.यू.सी.ई.टी.) के माध्यम से छात्रों का प्रवेश बिल्कुल सामाजिक समावेश के दृष्टिकोण के अनुरूप है। चयन-आधारित क्रेडिट प्रणाली, ऑडिट पाठ्यक्रम और ओपन इलेक्टिव्स तथा स्वयं एवं एन.पी.टी.ई.एल. द्वारा मूक (MOOC) पाठ्यक्रम की सुविधा सहित अकादमिक संरचना पूर्णत: छात्रों के अनुकूल है। अच्छे पुस्तकों से युक्त एक केंद्रीय पुस्तकालय है तथा पूरी दुनिया से ज्ञान की खोज हेतु ऑनलाइन संसाधन उपलब्ध हैं। केंद्र तथा राज्य सरकार की एजेंसियों की विभिन्न अध्येतावृत्ति योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

अवसर प्रदान करना छात्र के आंतरिक क्षमता के पोषण के लिए सबसे महत्वपूर्ण है जो अच्छे स्वास्थ्य और सेहत बनाए रखने के लिएभौतिक और मानसिक संतुलन के साथ समग्र विकास की सुविधा प्रदान करता है।इसलिए, शैक्षिक, खेल, संस्कृति, सामाजिक स्वैच्छिक जुड़ाव और अन्य गतिविधियों के उपयुक्त मिश्रण और संतुलन लाने के लिए अनेक पाठ्येतर गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा को बढ़ाने और प्रदर्शितकरने हेतु, विश्वविद्यालय ने सांस्कृतिक समिति, खेल समिति का गठन किया है, और शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न गतिविधियों के अलावा एनएसएस इकाई भी सक्रिय है। सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत पांच क्लब, जैसे - लिटरेरी क्लब (अभिव्यक्ति), ड्रामा क्लब (अभिनय), डांस क्लब (नृत्यदा), संगीत क्लब (सरगम), आर्ट क्लब (कला-कृति) हैं।

इनमें से प्रत्येक क्लब द्वारा वार्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और परिसर के जीवन में रंग, उत्साह और आनंद का समावेश किया।विद्यार्थियों नेसक्रिय रूप से 'सीमा रहित भाषा' विषय पर मातृभाषा दिवस– 2020 मनाया, जो विश्वविद्यालय के भीतर सांस्कृतिक और भाषाई विविधता का प्रतिनिधित्व किया। हिंदी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। 'ईमानदारी एक जीवन शैली' विषय पर आयोजित सतर्कता सप्ताह के अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों यथा वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, तथा नुक्कड़ नाटकका आयोजन किया गया। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलनों और विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यशालाओं के विभिन्न अन्य अवसरों पर सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन किया गया।खेल समिति द्वारा छात्रों और छात्राओं दोनों के लिए खेल, फुटबॉल, क्रिकेट, वॉली बॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल टूर्नामेंट तथा अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्रों की सक्रिय खेल भावना और स्वस्थ शरीर हेतु इस तरह की गतिविधियाँ सबसे महत्वपूर्ण थीं। इन वार्षिक आयोजनों के अतिरिक्त विद्यार्थी अपने छात्रावासों तथा क्लबों में विभिन्न खेलों, संगीत, नाटक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। क्लब एवं कार्यक्रम स्कूलों में विद्यार्थियों के विभिन्न बैचों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करने हेतु बहुत प्रभावी माध्यम हैं। वर्षों से अन्य गतिविधियों जैसे रक्तदान शिविर, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, सफाई अभियान, परिसर में वृक्षारोपण इत्यादि का आयोजन किया जाता है। विश्वविद्यालय के सभागार में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए अनेक स्पिक मैके कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विश्वविद्यालय का 12वां स्थापना दिवस 03 मार्च, 2020 को मनाया गया। इस अवसर पर राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने व्याख्यान में उन्होंने विद्यार्थियों को ऐसे नये ज्ञान एवं कौशल के खोज की प्रेरणा दी जो लोगों के जीवन को उन्नत

करने के लिए महत्वपूर्ण हों। इस अवसर पर राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालयके सभी सेवानिवृत्त संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों को आदर एवं कृतज्ञता सहित सम्मानित किया गया। एक-दूसरे की संस्कृति एवं विविधता का सम्मान तथा संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

एन.एस.एस. के संकाय समन्वयक और छात्र स्वयंसेवकों ने पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया। वर्ष 2019-20 में, जागरुकता अभियान, स्वच्छता अभियान, नुक्कड़ नाटक,रक्तदान शिविर, स्थानीय गाँवों की यात्रा जैसीगतिविधियों की मेजबानी की गई। विश्वविद्यालय के छात्रों ने "एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)", "स्वच्छ भारत" और "उन्नत भारत" कार्यक्रमों के तहत विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। राजस्थान राज्य को असम के साथ जोड़ा जाता है, इस प्रकार, ईबीएसबी क्लब ने प्रत्येक राज्य की विशिष्टता और समृद्ध सांस्कृतिकविरासत, परंपराओं, प्रथाओं, प्राकृतिक संसाधनों को चित्रित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों जैसे क्विज प्रतियोगिता, फिल्म स्क्रीनिंग, अनुशीर्षकलेखन प्रतियोगिता और सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया।।

विश्वविद्यालय प्रणाली के लिए विद्यार्थी महत्वपूर्ण होते हैं, और उनकी उपलब्धियों ने हमेशा विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। विश्वविद्यालय को उपलब्धि प्राप्त करने वाले अपने पूर्व छात्रों और विश्वविद्यालय में अपने पाठ्यक्रमों को जारी रखने वाले विद्यार्थियों की उच्च संख्या पर गर्व है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विभिन्न विषयों के छात्रों ने यूजीसी, आईसीएसएसआर और सीएसआईआर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर कई खेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाई है। पीएच.डी. शोध-छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अनेक प्रस्तुतियां दी हैं। कुछ पीएच.डी. शोध-छात्रों को विदेशों में छात्रवृत्ति तथा पोस्ट-डॉक्टोरल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार, विभिन्न विभागों के अनेक छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी जगह बनाई है।

चयनित छात्रों ने गुजरात में दिनांक 27-31 दिसंबर, 2019 के दौरान गुजरात में आयोजित 35 वें पश्चिम-क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और सुश्री कनिका गुप्ता ने ओपन इवेंट, गरबा-डांडिया नाइट में पुरस्कार जीता। इस वर्ष छात्रों ने भारतीय विश्वविद्यालयों संघ (एआईयू) के द्वारा विभिन्न स्थानों पर आयोजित पश्चिम क्षेत्र तथा अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

संकाय प्रोफाइल

विश्वविद्यालय की अकादमिक सफलता के लिए शिक्षक एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उच्च शिक्षा केंद्रों को उनके पास मौजूद शिक्षकों की गुणवत्ता से जाना जाता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को अपने अति युवा और ऊर्जावान शिक्षकों पर गर्व है जिन्होंने देश के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईटी, आईआईएम, एम्स, जेएनयू, एचसीयू, डीयू, आईसीजीईबी, एनसीएल सीडीएफडी, सीडीआरआई, एनआईएमएचएएनएस तथा अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों एवं उत्कृष्टता केंद्रों से शिक्षा तथा शोध अनुभव प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, अनेक संकाय सदस्यों नेविदेशी संस्थानों यूएसए (वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, शिकागो यूनिवर्सिटी, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, द रॉकफेलर यूनिवर्सिटी, स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, रटगर्स यूनिवर्सिटी, दक्षिण अलबामा यूनिवर्सिटी, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, रोचेस्टर यूनिवर्सिटी, टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, इंडियाना यूनिवर्सिटी, केंटकी यूनिवर्सिटी), कनाडा (अल्बर्टा यूनिवर्सिटी, पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और अनुसंधान ब्यूरो), जर्मनी (म्यूनिस्टर यूनिवर्सिटी, म्यूनिख यूनिवर्सिटी, मैक्स-प्लैंक रिसर्च यूनिट), ऑस्ट्रेलिया (क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी), जापान (ओकायामा यूनिवर्सिटी, क्योटो यूनिवर्सिटी, टोक्यो), इटली (बोलोग्ना यूनिवर्सिटी), इज़राइल (तेल अवीव यूनिवर्सिटी), सिंगापुर (नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर) इत्यादि से शोध अनुभव प्राप्त किया है।

इस प्रकार, शिक्षार्थियों के समुचित मार्गदर्शन और विकास के लिए अति योग्य शिक्षकों की विशेषज्ञता सुनिश्चित की गई है। प्रतिवेदन वर्ष में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने डी.एस.टी., डी.बी.टी., आई.सी.सी.एस.आर., एस.ए.सी., एस.ई.आर.बी., एनसीडब्ल्यू, एनएचआरसी तथा यू.जी.सी. जैसी वित्तपोषण एजेंसियों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की 110 शोध परियोजनाएं प्राप्त की हैं।

रोजगार संबंधी पहल

समय की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार उच्च कुशल जिम्मेदार पेशेवर उत्पन्न करना उच्च शिक्षा संस्थान की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। अत: पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने तथा छात्रों के लिए विभिन्न प्रायोगिक कार्य क्षेत्र तैयार करने के समय रोजगार क्षेत्र की जरूरतों तथा उपयुक्त मानव संसाधनों की औद्योगिक मांगों को पूरा करने को हमेशा सबसे आगे रखा जाता है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य न केवल छात्रों को शिक्षित करना है, बल्कि उन्हें रोजगारपरक बनाना है ताकि वे राष्ट्र की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों को न केवल शिक्षित करना है बल्कि उन्हें रोजगार योग्य अथवा व्यवसायी बनाना है ताकि वे राष्ट्र की उन्नति में दायित्वपूर्ण योगदान दे सकें। देश के सामाजिक-आर्थिक प्रतिमान को बदलने के लिए युवा भारत की सक्षमता तथा सामर्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय का नियोजन प्रकोष्ठ न केवल संबंधित संगठनों में छात्रों के नियोजन में सहायता प्रदान करता है, बल्कि विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके कैरियर की योजना बनाने, चयन परीक्षा, ग्रीष्मकालीन नियोजन, प्रशिक्षुता और अंतिम नियोजन की तैयारी में भी मदद करता है। नियोजन प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के साथ उद्योग संबंध के विकास के लिए प्रतिष्ठित संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संपर्क बनाने पर काम कर रहा है। नियोजन प्रकोष्ठ इन उद्योगों और संगठनों की आवश्यकताओं के साथ छात्रों के कैरियर की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है।

विभिन्न उद्योगों की मांग और वरीयता को ध्यान में रखते हुए, प्रकोष्ठ छात्रों के सर्वांगीण विकास की भी तलाश कर रहा है। इस दिशा में नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों जैसे अभिक्षमता परीक्षा, समूह चर्चा, अतिथि व्याख्यान और निगम के व्यक्तित्वों के साथ प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक विभाग ने नियोजन प्रक्रिया में शामिल होने के इच्छुक छात्रों के मूल विवरण के साथ अपनी नियोजन विवरणिका को विकसित किया और बाद में, अनेक संभावित कंपनियों, एजेंसियों को विवरणिका भेजी गई। फरवरी और मार्च के दौरान कुछ कंपनियों ने परिसर का दौरा किया। लेकिन कोविड-19 की स्थिति और परिसर में छात्रों की अनुपलब्धता के कारण, कंपनियां परिसर में नहीं आ सकीं और भर्ती प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ा सकीं। फिर भी, कुछ कंपनियों ने अपनी भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से की और लगभग 20% छात्रों को नियोजनका अवसर मिला। जिन कंपनियों ने नौकरी की पेशकश की उनमें से कुछ हैं जयपुर रग्स, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, पिनक्लिक, ज़ेन आइडिया लैब, यारो फाउंडेशन, आदि।

समझौता ज्ञापन एवं साझेदारी

आज अद्यतित रहने का सबसे अच्छा तरीका संपर्क में रहना है। इस भावना को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय ने शैक्षिक और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न संस्थानों के साथ गठजोड़ (करार) किया है। उनमें से कुछ संस्थान हैंरू कैस्टिला-ला मांचा विश्वविद्यालय (यूसीएलएम), स्पेन, गोर्नो-अल्टाइस्क स्टेट यूनिवर्सिटी (जीएएसयू), रूस, मोनाश विश्वविद्यालय, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया, कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सैन बर्नार्डिनो, अमेरिका, सेंट्रल क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ रॉकम्पटन, (सी.क्यू. विश्वविद्यालय), क्वींसलैंड राज्य, ऑस्ट्रेलिया, इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन, एंटवर्प, बेल्जियम, थुएलोइ विश्वविद्यालय, हनोई, वियतनाम, यूनिवर्सिडैड ऑटोनोमा डे न्यूवो लेओन, मैक्सिको। अपने देश मेंजिन संस्थानों से करार है, वे हैंरू जेनपैक्ट इंडिया, नई दिल्ली, ए-3 लॉजिक्स, जयपुर, विश्वविद्यालय के बैंकर के रूप में बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया प्रोफेसर चेयर, एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, मुंबई, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, हैदराबाद, सेंटर फॉर बजट एंड पॉलिसी स्टडीज, बंगलुरु, हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज (आई.ई.एस.सी.), बंगलुरु, इन्फ्लीबनेट केन्द्र, अहमदाबाद में स्थित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक आईयूसी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली। इसके अतिरिक्त, सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन, सामुदायिक महाविद्यालय और सामुदायिक रेडियो आदि अन्य उल्लेखनीय उपक्रम हैं। हाल ही में राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय-आर्मस्ट्रांग सहयोग, एनआईपीएएम (राष्ट्रीय लोक प्रशासन और प्रबंधन संस्थान) नामीबिया के बीच समझौता हुआ है।

विश्वविद्यालय सामुदायिक भागीदारी

विश्वविद्यालय ने भारत सरकार की नीतिगत आवश्यकताओं के अनुपालन हेतु एक सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ विकसित किया है। यह प्रकोष्ठ निकटवर्ती समुदायों के साथ विश्वविद्यालय के अंतःसंबंध स्थापित करने के उद्देश्य से अप्रैल 2015 से क्रियाशील है। प्रकोष्ठ ने अपने आस-पड़ोस के पांच गांवों को अपनाया है, जिनके नाम हैं- सिरोही, मुंडोती, खेड़ा, बांदरसिंदरी और नोहरिया। ग्रामीणों के लाभ के लिए ड्रग जागरूकता शिविर, स्वच्छता

अभियान, युवाओं को नेतृत्व कौशल का प्रशिक्षण और समुदाय के कल्याण के लिए कई अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गांवों में विभिन्न पहल किए गए जिनमें वृक्षारोपण, सोखता गड्ढा, स्वास्थ्य स्वच्छता गतिविधियों, जीवन कौशल सत्र, और किशोर लड़कियों के साथ व्यक्तिगत स्वच्छता सत्रों के आयोजन शामिल हैं। फरवरी में सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ का पुनर्गठन किया गया और प्रकोष्ठ ने कृषि परिवारों और समुदायों के विकास को सुनिश्चित करने के लिए एजोला कृषि और वर्मीकम्पोस्ट की योजना विकसित की है।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय किशनगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की खोज और जीर्णोद्धार के लिए भी उत्सुक है, जिसमें विभिन्न पत्थरों की नक्काशी, अनूठी चित्रकला शैली, संगीत, नृत्य और कला के अन्य रचनात्मक रूप शामिल हैं। एक स्थानीय चित्रकार को आमंत्रित किया गया और महत्वपूर्ण भवनों की प्रमुख दीवारों पर और 4 रंगीन चित्र बनाए गए हैं जो किशनगढ़ कला का प्रतिनिधित्व करते हैं। विशेष रूप से राजस्थान और किशनगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न अवसरों पर स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को चित्रित किया जा रहा है।

उज्ज्वल भविष्य हेतु दायित्व का निर्वहन

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय हमेशा अपने मानकों में सुधार करने के लिए सर्वाधिक प्रयास कर रहा है और समय के साथ सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए, विश्वविद्यालय दृष्टिकोण विकसित करने और समग्र रूप से विश्वविद्यालय समुदाय के लिए एक बेहतर दुनिया और उज्जवल भविष्य के लिए दायित्व के निर्वहन हेतु पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस प्रतिबद्धता की दिशा में विभागों, स्कूलों और विश्वविद्यालय स्तरों पर नियमित रूप से अनेक शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। सत्र 2019-20 के दौरान, कई विशेषज्ञ व्याख्यान, सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इसके अलावा, कई शोध परियोजनाएं चल रही हैं। विश्वविद्यालय में आई.एन.एस.ए.के युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, और इसी तरह के प्रतिष्ठित सम्मानोंके प्राप्तकर्ता हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने जीआईएएन (ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ अकादमिक नेटवर्क) के तहत शानदार शिक्षाविदों की मेजबानी की है।

इसी प्रकार, विश्वविद्यालय एक विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला की मेजबानी करता है, जिसके तहत उच्च क्षमता वाले विभिन्न विद्वानों ने छात्रों तथासंकाय सदस्यों को मानव अनुभव के विभिन्न क्षेत्रों में प्रबुद्ध किया। शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के दौरान, विश्वविद्यालय मेंचार विशिष्ट व्याख्यान, तीन नोबेल श्रृंखला व्याख्यान और विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एक प्रसिद्ध व्याख्यान की मेजबानी की जिसमें डॉ.श्री अचल मल्होत्रा, आर्मेनिया और जॉर्जिया में भारत के पूर्व राजदूत व्याख्यान प्रस्तुत किया। विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला का उद्देश्य सामान्य हित के उनशीर्षकों और विषयों के संबंध में प्रेरित करना, चर्चा करना और बहस करना है, जोसमय के अनुसार सबसे अधिक प्रासंगिक हैं। इन प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला में भारतीय शास्त्रीय नृत्य, आध्यात्मिक उपदेश, नवीकरणीय संसाधनों और सोचने की शक्ति में सुधार के तरीकों को शामिल किया गया। विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण समझ पर ध्यान केंद्रित किया और सत्र से कुछ सीखने के लिए दर्शकों को जोड़े रखा। इसी तरह, नोबेल व्याख्यान श्रृंखला में सभ्यता और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए नोबेल विजेता विषयों और उनके विशिष्ट निहितार्थ पर चर्चा की गई।

छात्रों मेंवैज्ञानिक अभिवृत्ति और दृष्टिकोण विकसित करने के लिए, 28 फरवरी,2020 को विश्वविद्यालय के सभागार में "विज्ञान में महिलाएँ" विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (NSD-2020) मनाया गया। इस अवसर पर डॉ.शीला के. रामसेशा, प्रधान वैज्ञानिक, राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान, बैंगलोर द्वारा "भारत में विद्युत परिदृश्य : नवीकरणीय संसाधनों की भूमिका" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पोस्टर प्रदर्शनों, विज्ञान मॉडल प्रदर्शनियों और मंच पर प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों और शोध-छात्रों के अभिनव विज्ञान कौशल का प्रदर्शन करना था, जिससे उनके अभिनव विज्ञान मॉडल और विचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्राप्त हो सके। संक्षेप में, 26 विज्ञान मॉडल, विज्ञान और नवाचार पर 52 पोस्टर, पीएचडी छात्रों द्वारा 15 रैपिड रिसर्च प्रस्तुतियाँ, एवं विभागीय अनुसंधानपर 13 पोस्टर प्रस्तुत किए गए और विज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। स्नातक छात्र, शोध-छात्र, और संकाय सदस्य एक दिवसीय कार्यक्रम में शामिल हुए और विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर औपचारिक और अनौपचारिक चर्चाएँ कीं। आस-पास के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों जैसे - केंद्रीय विद्यालय, रा.के.वि.वि., प्रेसीडेंसी (गीगल-अजमेर),सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बांदरसिंदरी और मुंडौती के छात्रों को आमंत्रित किया गया और वे इस कार्यक्रम में शामिल हुए, विज्ञान मॉडल प्रदर्शित किए और प्रश्नोत्तरी तथा अन्य प्रस्तुतियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

विश्वविद्यालय का नवाचार परिषद

समकालीन या उभरती हुई चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुसंधान आधारित नवाचार आवश्यक है। नवाचार लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान खोजने या मानव जीवन और प्रकृति के अप्रत्याशित मामलों को हल करने के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए, एक अलग सोच को प्रोत्साहित करने और अभिनव समाधान से तकनीकी रूप से विश्वविद्यालय समाज तथा अन्य को सशक्त बनाने के उद्देश्यों के साथ नवाचार क्लब प्रारंभ से ही राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का हिस्सा रहा है। इसके बाद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देश पर विचार करते हुए, वर्ष 2019 में संस्थान की नवाचार परिषद (आई.आई.सी.) का पुनर्गठन किया गया। संस्थान के नवाचार परिषद में नवाचार तथा अभिनव प्रक्रियाओं के विकास से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक बाह्य विशेषज्ञ भी शामिल हैं। इसमें निकटवर्ती इनक्यूबेशन सेंटर के एक प्रतिनिधि, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) / पेटेंट के विशेषज्ञ, केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, छात्र प्रतिनिधि और अन्य सदस्य शामिल हैं। संस्थान नवाचार परिषद का प्रमुख केन्द्रबिंदु एक जीवंत स्थानीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाना और सभी सदस्यों के बीच नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना है। इस संबंध में, संस्थान नवाचार परिषद ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विभिन्न आंतरिक गतिविधियों के साथ-साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय की कुछ गतिविधियों का भी आयोजन किया।

दिनांक 16 दिसंबर 2019 को "नवाचार : समय की आवश्यकता" शीर्षक से पहला 'इनोटॉक' व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य परिसर में नवाचार युक्त वातावरण को विकसित करना था। दिनांक 16 -17 जनवरी, 2020 के दौरान लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित "इनोवेशन एम्बेसडर ट्रेनिंग मीट" में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के एक संकाय नवाचार प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए। वहाँ से वापस आने पर संकाय ने दूसरी 'इनोटॉक' प्रस्तुत किया और 'संधारणीय उद्यमिता' के दीर्घकालिक लक्ष्य पर जारी नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। आईआईसी छात्रों को सर्वोत्तम नवाचारों के लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने के लिए छात्रों का पोषण, मार्गदर्शन और प्रोत्साहित करने का पूरा प्रयास कर रहा है, जिससे उनके प्रयासों से ऐसे उत्पादों और प्रक्रियाओं का विकास हो सके जो आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक रूप से व्यवहार्य और संधारणीय हो। इसके अलावा, संकाय सदस्यों और छात्रों ने वर्ष भर नवाचार, आईपीआर, और स्टार्ट-अप / उद्यमिता के क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित वेबिनार और विशेषज्ञों के ऑनलाइन सत्र में भाग लिया।

कोविड-19 महामारी से निपटने हेतु विशेष प्रयास :

विश्वविद्यालय ने एमएचआरडी, यूजीसी और अन्य सक्षम प्राधिकारियों द्वारा जारीविभिन्न निर्देशों और प्रोटोकॉल का अनुपालन किया है ताकि महामारी की स्थिति का सर्वोत्तम संभव प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। छात्र अपने घर के लिए प्रस्थान कर गये और अपने-अपने गंतव्य पर पहुंच गए। इसके बाद, विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक तनाव को कम करने और छात्रों के साथ एक शिक्षाप्रद-शिक्षण संपर्क स्थापित करने के उद्देश्य से तथा शैक्षणिक प्रक्रिया में उन्हें फिर से संलग्न करने के लिए सभी छात्रों के साथ ऑनलाइन संपर्क स्थापित किया। प्रत्येक विभाग और विषय के शिक्षक धीरे-धीरे अपनी कक्षाओं में संलग्न हैं जिससे छात्रों को इस तरह के नए उभरते संदर्भ में शैक्षिक बाधाएं महसूस नहीं होती हैं। 'मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण समिति' का पुनर्गठन किया गया और अकादमिक मानकों, परीक्षाओं तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु कुछ अन्य समितियों का गठन किया गया।स्वच्छता के पर्याप्त उपाय किए गए और परिसरके भीतर और बाहर से आवाजाही पर पूरी तरह से निगरानी रखी गई, तथा संगरोध की नीतियों को अपनाया गया। विश्वविद्यालय ने डिजिटल शिक्षण अध्ययन कौशल और तकनीकों के साथ संकाय सदस्यों को जोड़ने के लिए एक 'डिजिटल लर्निंग टेक्नोलॉजी सपोर्ट सेंटर' की भी स्थापना की गई। संकाय सदस्यों ने स्विव्ल में व्याख्यान रिकार्ड किया,विभिन्न शैक्षणिक स्रोतों के लिंक साझा किए,छात्रों को 'कॉर्सेरा' में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि तनाव को कम करके शैक्षणिक प्रतिबद्धताओं को पूरा किया जा सके। इसके अलावा, सभी छात्र द्वितीय आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा मेंऑनलाइन शामिल हुएऔर अंतिम वर्ष के छात्र ऑनलाइन प्रणाली (घर से परीक्षा) के माध्यम से सत्रांतपरीक्षा में शामिल हुए। संकाय सदस्यों ने विभिन्न एजेंसियों को अनेक शोध परियोजनाएँ प्रस्तुत कींऔर अकादमिक गतिविधियों जैसे कि वेबिनार के माध्यम से व्याख्यान देना, कोविड-19 पर शोध-पत्र प्रकाशित करना आदि में शामिल हुए। कुल मिलाकर, विश्वविद्यालय ने महामारी की चुनौतियों को प्रौद्योगिकी आधारित अध्यापन ग्रहण करने के अवसर अवसर के रूप में माना और उसे विश्वविद्यालय प्रणाली का हिस्सा बनाया।

परिदृश्य और संभावनाएँ

पिछले दशक की यात्रा के मार्ग को देखते हुए यह बहुत अच्छी तरह से पुष्ट है कि विश्वविद्यालय ने अकादमिक जगत और समाज के लिए अपने आकार, मानक और योगदान में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। पूर्व छात्र देश के विभिन्न कोनों और यहां तक कि विदेश तक पहुंच चुके हैं, विविध पेशेवर क्षेत्रों में सफल हुए हैं, साथ ही विश्वविद्यालय का अकादमिक बंधुत्व प्रासंगिक ज्ञान और कौशल के अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अपनी सभी प्रतिबद्धताओं और शक्ति के साथ, विश्वविद्यालय पूरी तरह से शिक्षा के ऐसे केंद्र के रूप में विकसित होने के दृष्टिकोण के प्रति समर्पित है, जहां एक बेहतर, न्यायसंगत और दूरदर्शी राष्ट्र के लिए विचारशील, रचनात्मक, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिकों का विकास किया जाता हो। भविष्य के प्रत्येक प्रयास इस दिशा में एक कदम होगें। राष्ट्र को धरोहर-संपन्न (प्राकृतिक और सांस्कृतिक रूप से) बने रहने और सदाचार युक्त तथा ज्ञान-पोषित समाज के निर्माण में सहायता करना है। इन प्रयासों के साथ राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का एक ऐसा स्थान बनने के लिए प्रयासरत है, जहाँ स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए शिक्षण, अध्ययन, अनुसंधान और विस्तार के उत्कृष्ट अवसर के साथ मानव क्षमता का विकास हो।

अकादमिक सूचना

इस अध्याय में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अकादमिक स्थिति का संख्यात्मक विवरण दिया गया है। सारणी तथा चित्र अकादमिक वर्ष 2019-20 की संपूर्ण स्थिति को दर्शाती है। पहली सारणी (सारणी संख्या -1) आरक्षित और अनारक्षित श्रेणी में 50 इंटीग्रेटेड तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश का विवरण दर्शाती है। दूसरी सारणी (सारणी संख्या -2) में 20 पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश को दर्शाया गया है। तीसरी सारणी (सारणी संख्या -3) में विभिन्न कार्यक्रमों मे 29 राज्यों तथा विदेशी विद्यार्थियों के लिंगानुपात को दर्शाया गया है। अगली सारणी (सारणी संख्या-4) में 03 दिसम्बर, 2019 को आयोजित छठे दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में 42 स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता का विवरण दिया गया है। सारणी संख्या 5 में दीक्षांत समारोहों के अनुसार उपाधि प्राप्तकर्ताओं का विवरण दिया गया है। इस दीक्षांत समारोह में कुल 583 उपाधि प्रदान की गई जिनमें 44 पीएच.डी. की उपाधि शामिल हैं। सारणी-6 में वर्ष 2019 में विभिन्न कार्यक्रमों में उत्तीर्ण होकर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या का विवरण दिया गया है।

सारणी सं. 1 : अकादमिक वर्ष 2019-20 में प्रवेश संबंधी सूचना

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	विषय	मूल प्रवेश					सीयूसीईटी- 2019 में विज्ञापित प्रवेश						प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी						अनारक्षित वर्ग में प्रवेश			
			अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई.डब्ल्यू.एस.	कुल	अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई.डब्ल्यू.एस.	कुल	अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई.डब्ल्यू.एस.	कुल	अपिव	अजा	अजजा	कुल
1	बी.टेक.	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	4	5	1	1	2	13	1	0	0	1
2	बी.टेक.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	2	3	0	1	1	7	0	0	0	0
3	इंटी.एम.एससी	जैव रसायन विज्ञान	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	9	12	2	1	1	25	4	0	0	4
4	इंटी.एम.एससी	जैव प्रौद्योगिकी	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	10	12	4	3	3	32	3	0	0	3
5	इंटी.एम.एससी	रसायन विज्ञान	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	9	12	4	2	0	27	4	0	0	4
6	इंटी.एम.एससी	कंप्यूटर विज्ञान	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	10	11	5	2	3	31	3	1	0	4
7	इंटी.एम.एससी	अर्थशास्त्र	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	7	12	4	2	3	28	4	0	1	5
8	इंटी.एम.एससी	पर्यावरण विज्ञान	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	6	15	2	2	1	26	7	0	0	7
9	इंटी.एम.एससी	गणित	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	1	18	3	2	3	27	12	0	0	12
10	इंटी.एम.एससी	सूक्ष्म जीवविज्ञान	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	8	14	3	2	1	28	6	0	0	6
11	इंटी.एम.एससी	भौतिकी	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	8	13	4	2	3	30	4	0	0	4
12	इंटी.एम.एससी	सांख्यिकी	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	5	15	4	2	3	29	7	0	0	7
13	इंटी.एम.एससी	भाषा विज्ञान	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	5	12	2	2	0	21	5	0	2	7
14	एम.आर्क.	वास्तुकला	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	8	6	2	0	0	16	2	0	0	2
15	एम. एससी.	जैव रसायन विज्ञान	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	9	7	3	0	1	20	1	0	0	1
16	एम. एससी.	जैव प्रौद्योगिकी	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	8	4	3	2	1	18	0	0	0	0
17	एम. एससी.	रसायन विज्ञान	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	8	8	3	1	2	22	2	0	0	2
18	एम.कॉम.	वाणिज्य	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	5	10	3	0	1	19	4	1	0	5
19	एम. एससी.	कंप्यूटर विज्ञान	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	5	5	0	0	1	11	2	0	0	2
20	एम.टेक.	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	8	2	1	0	0	11	0	0	0	0
21	एम.टेक.	साइबर फिजिकल सिस्टम	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	3	2	1	0	0	6	2	0	0	2

22	एम.ए.	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	7	4	1	0	2	14	1	1	0	2
23	एम.ए.	अर्थशास्त्र	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	8	7	2	1	1	19	2	0	0	2
24	एम.ए.	अंग्रेजी	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	8	8	1	1	0	18	3	0	0	3
25	एम.ए.	सांस्कृतिक सूचना विज्ञान	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0
26	एम. एससी.	पर्यावरण विज्ञान	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	10	7	2	0	2	21	1	0	0	1
27	एम.ए.	हिंदी	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	3	11	2	1	1	18	8	1	1	10
28	एमबीए	प्रबंधन	15	9	5	3	3	35	15	9	5	3	3	35	14	9	5	0	3	31	0	1	0	1
29	एम. एससी.	गणित	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	6	8	3	1	1	19	3	0	0	3
30	एम. एससी.	सूक्ष्म जीवविज्ञान	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	7	8	3	0	2	20	2	0	0	2
31	एम.फॉर्म	फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान	9	5	3	1	2	20	9	5	3	1	2	20	4	4	0	0	0	8	0	0	0	0
32	एम.फॉर्म	फार्मास्युटिक्स	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	4	8	2	1	1	16	4	0	0	4
33	एम. एससी.	भौतिकी	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	8	7	3	2	2	22	0	0	0	0
34	एम.ए.	लोक नीति, विधि और शासन	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	7	1	3	2	0	13	0	1	0	1
35	एम.ए.	सामाजिक कार्य	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	6	7	0	1	2	16	3	0	0	3
36	एम. एससी.	सांख्यिकी	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	2	10	2	0	2	16	6	0	0	6
37	एम. एससी.	वायुमंडलीय	9	5	3	1	2	20	9	5	3	1	2	20	7	5	0	0	1	13	2	0	0	2
38	एम. एससी.	कंप्यूटर विज्ञान (बिग डाटा विश्लेषण)	21	13	7	4	5	50	21	13	7	4	5	50	14	15	3	0	2	34	6	1	0	7
39	एम. एससी.	योग थेरेपी	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	7	4	0	0	0	11	0	0	0	0
40	पी.जी. डिप्लोमा	मीडिया लेखन एवं डिजिटल संचार	9	5	3	1	2	20	9	5	3	1	2	20	3	3	1	0	0	7	3	1	0	4
41	एम. एससी.	खेल जैव रसायन विज्ञान	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
42	एम. एससी.	खेल पोषाहार	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	5	3	0	0	0	8	3	0	0	3
43	एम. एससी.	खेल शरीरक्रिया विज्ञान	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
44	एम. एससी.	खेल मनोविज्ञान	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
45	एम. एससी.	खेल जैव यांत्रिकी	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	1	1	0	0	0	2	1	0	0	1
46	एम. एससी.	डिजिटल सोसाइटी	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	4	4	0	0	0	8	3	0	0	3
47	इंटी.एम.एस्सी	बी.एड.(भौतिकी)	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	8	11	3	2	3	27	4	0	0	4
48	इंटी.एम.एस्सी	बी.एड.(रसायन विज्ञान)	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	11	11	4	2	3	31	3	0	0	3
49	इंटी.एम.एस्सी	बी.एड. (गणित)	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	7	13	4	2	3	29	6	0	0	6
50	इंटी.एम.एस्सी	बी.एड. (अर्थशास्त्र)	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	9	7	0	1	1	18	3	0	0	3
	कुल		531	319	162	89	110	1211	531	319	162	89	110	1211	309	374	98	44	62	887	140	8	4	152

ऊपर सारणी -1 में दर्शाया गया है कि शैक्षणिक सत्र 2019-20 में कुल 887 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया। इसमें से 374 विद्यार्थी (42.16%) अ.पि.व. श्रेणी के हैं, 309 विद्यार्थी (34.84%) सामान्य श्रेणी के हैं, 98 विद्यार्थी (11.04%) अनुसूचित जाति वर्ग से, 44 विद्यार्थी (4.97%) अनुसूचित जनजाति वर्ग से और शेष 62 विद्यार्थी (6.99%) ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग से हैं। सारणी में यह भी दर्शाया गया है कि आरक्षित श्रेणी के 152 विद्यार्थियों ने अनारक्षित सीटों पर प्रवेश प्राप्त किया। इसके बाद, चित्र -1 में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2019-20 में विभिन्न श्रेणियों में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के वितरण को दर्शाया गया है। चित्र -2, में विभिन्न कार्यक्रमों में मेधा सूची के अनुसार अनारक्षित सीटों को सुरक्षित करने में विभिन्न वर्गों के सक्षम विद्यार्थियों की सख्या को दर्शाया गया है।

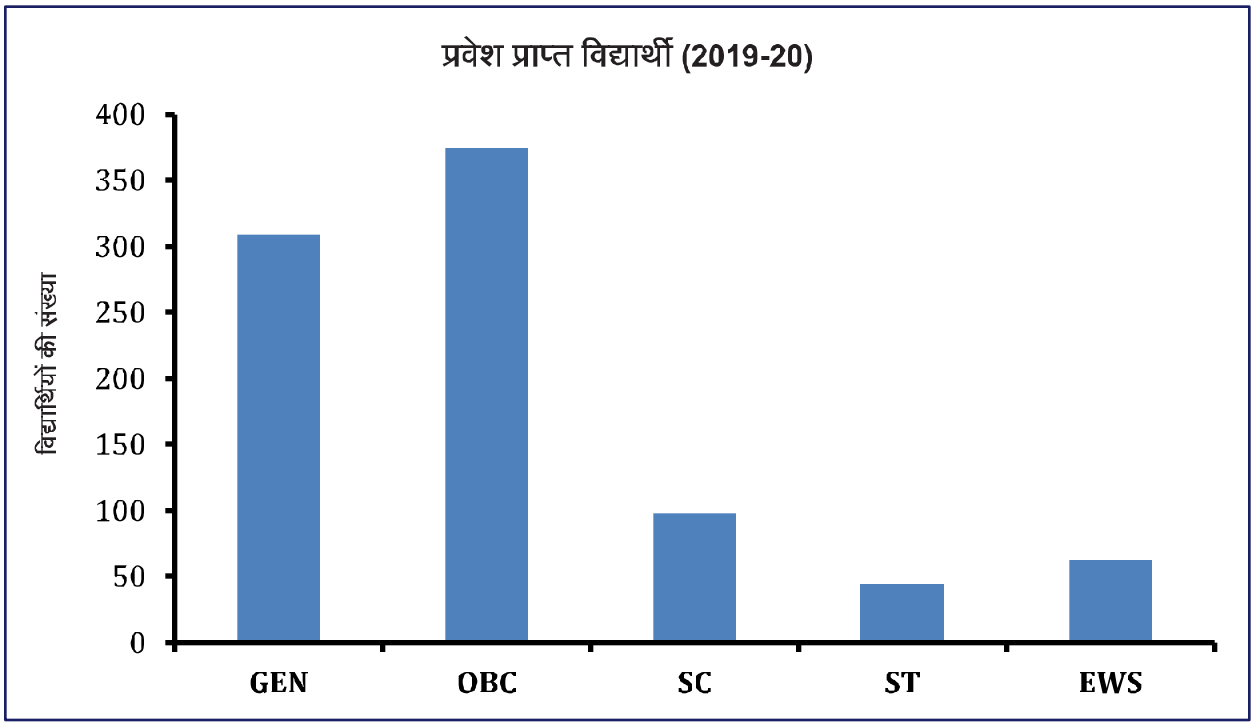

चित्र 1: अकादमिक वर्ष 2019-20 में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या

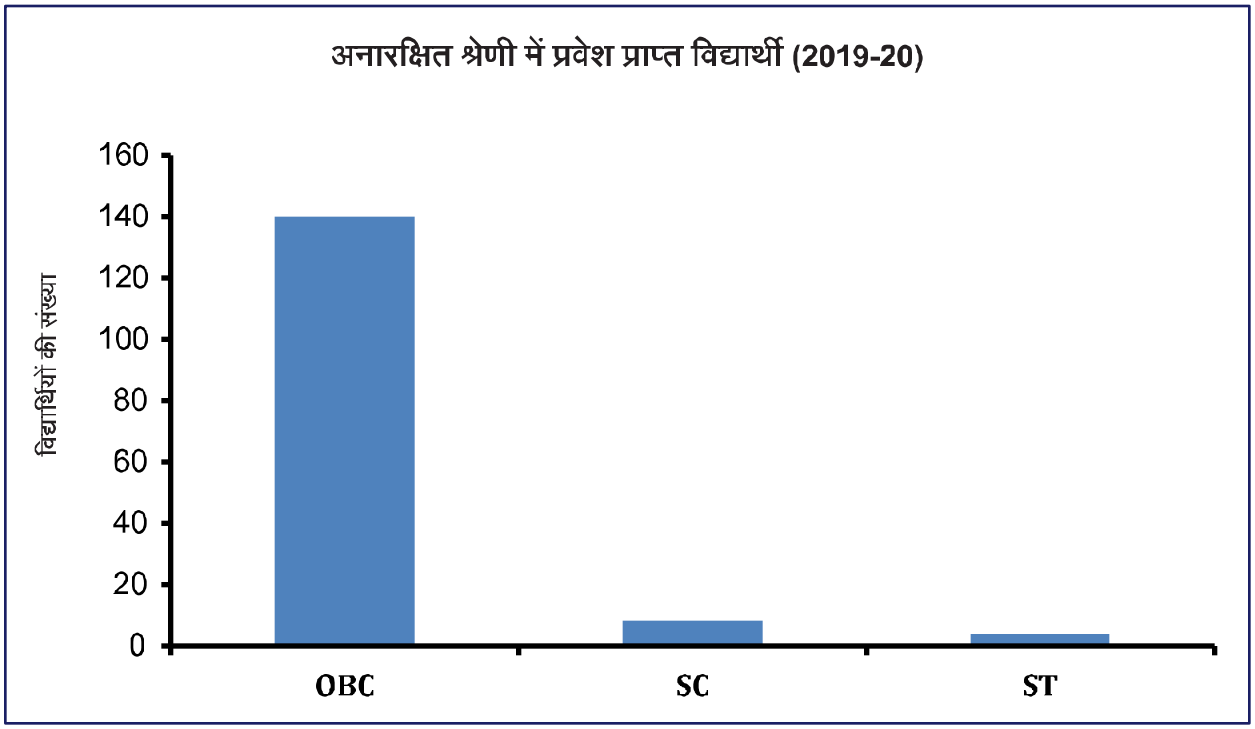

चित्र 2 : अकादमिक वर्ष 2019-20 में अनारक्षित श्रेणी में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या

सारणी सं. 2 : अकादमिक सत्र 2019-20 में पीएच.डी. कार्यक्रम में नामांकन संबंधी सूचना

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	कुल स्थान	प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी						
			अनारक्षित	अपिजा	अजा	अजजा	ई.डब्ल्यू. एस.	विदेशी	कुल
1	पीएच.डी. वायुमंडलीय विज्ञान	3	2	1	0	0	0	0	3
2	पीएच.डी. जैव रसायन विज्ञान	9	4	1	1	1	1	0	8
3	पीएच.डी. जैव प्रौद्योगिकी	13	5	4	2	0	1	0	12
4	पीएच.डी. सूक्ष्म जीवविज्ञान	14	6	4	1	0	1	1	13
5	पीएच.डी. रसायन विज्ञान	6	2	1	0	0	0	0	3
6	पीएच.डी. वाणिज्य	5	3	1	1	0	0	0	5
7	पीएच.डी. कंप्यूटर विज्ञान	6	1	2	0	0	1	0	4
8	पीएच.डी. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	2	0	0	0	0	0	0	0
9	पीएच.डी. संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	4	2	0	0	0	0	0	2
10	पीएच.डी. अर्थशास्त्र	5	3	1	0	0	0	0	4
11	पीएच.डी. अंग्रेजी	5	3	1	1	0	0	0	5
12	पीएच.डी. पर्यावरण विज्ञान	7	3	2	1	0	0	0	6
13	पीएच.डी. हिन्दी	5	2	1	0	0	0	0	3
14	पीएच.डी. प्रबंधन	8	3	2	1	1	0	0	7
15	पीएच.डी. गणित	12	5	3	2	0	1	0	11
16	पीएच.डी. भौतिकी	15	5	3	1	1	1	0	11
17	पीएच.डी. फार्मेसी	10	3	1	1	0	1	0	6
18	पीएच.डी. लोक नीति, विधि एवं शासन	8	3	1	1	0	0	0	5
19	पीएच.डी. सामाजिक कार्य	6	2	0	1	0	1	0	4
20	पीएच.डी. सांख्यिकी	10	4	3	0	1	1	0	9
	कुल	**153**	**61**	**32**	**14**	**4**	**9**	**1**	**121**

सारणी - 2 के अनुसार सत्र 2019-20 में 20 विभिन्न कार्यक्रमों में 153 स्थानों के एवज में 121 विद्यार्थियों ने पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किया। चयन की सभी प्रक्रिया सीयूसीईटी 2019 के माध्यम से किया गया। चित्र-3 की आकृति में विभिन्न कोटि में पीएच.डी. शोधार्थियों के विभाजन को दर्शाया गया है। चित्र-4 में विभिन्न विभागों में पीएच.डी. शोधार्थियों के विभाजन को दर्शाया गया है।

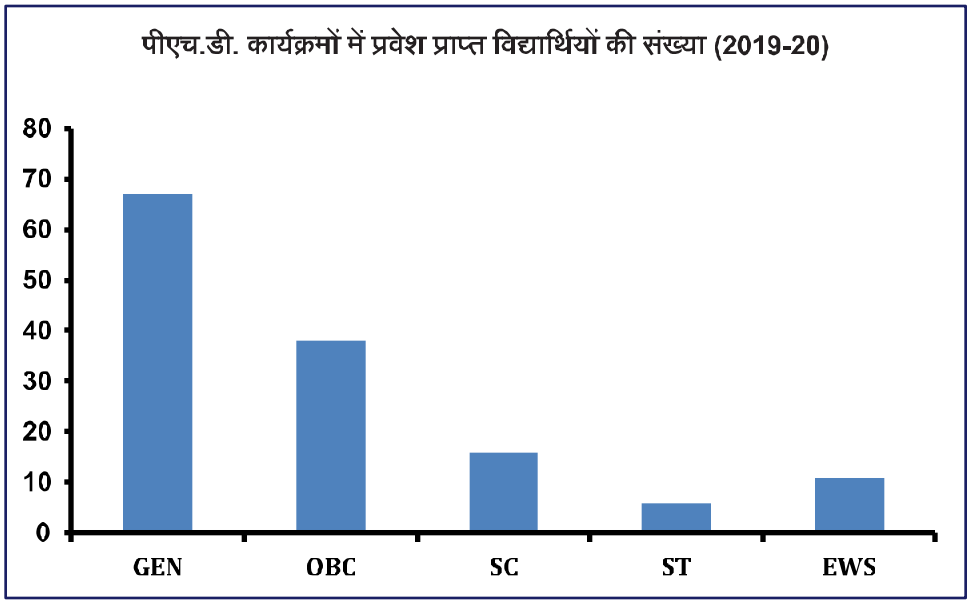

चित्र 3 : अकादमिक वर्ष 2019-20 में पीएच.डी. में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या

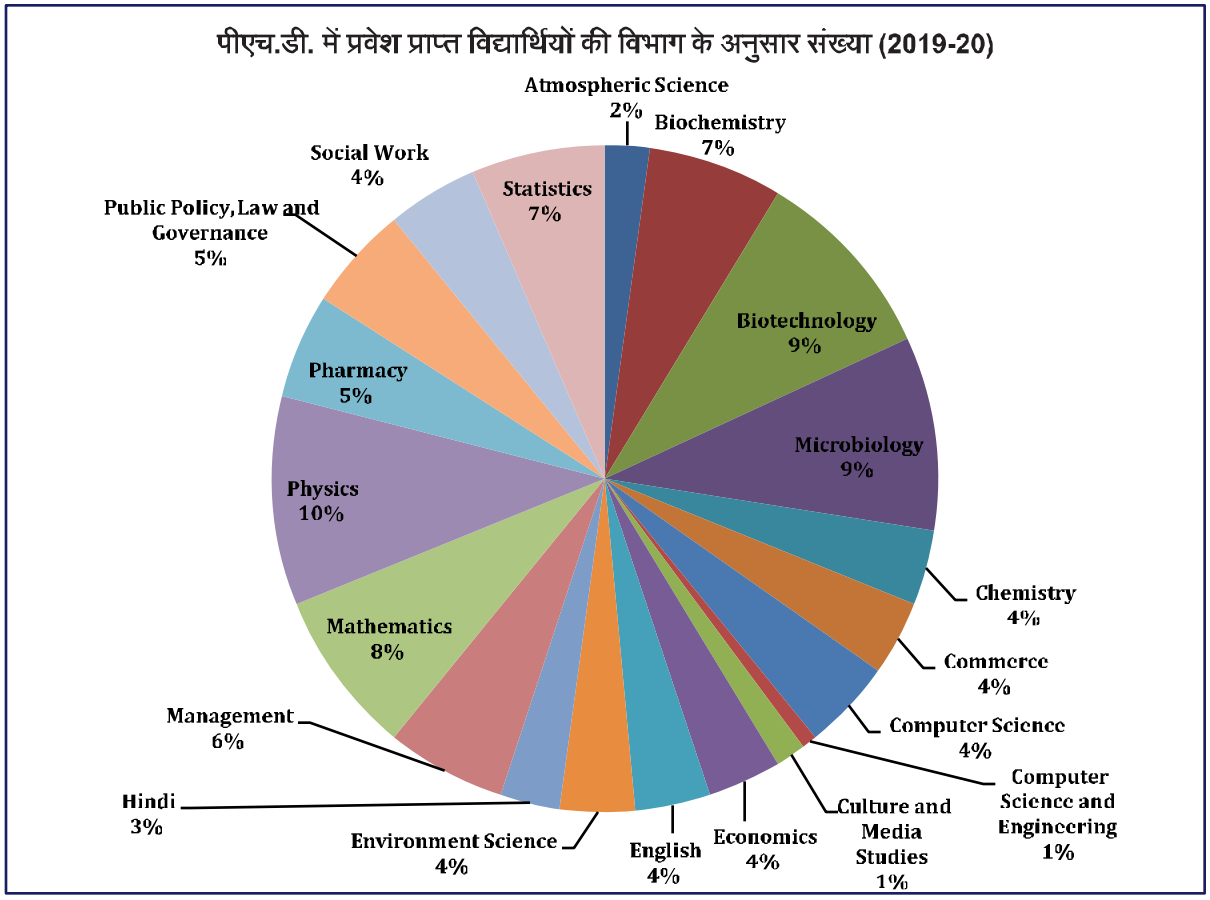

चित्र 4 : अकादमिक वर्ष 2019-20 में पीएच.डी. में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों की विभाग के अनुसार संख्या

सारणी क्रमांक 3: सत्र 2019-20 तक राज्यवार सभी कार्यक्रमों में लिंगानुसार विद्यार्थियों का विभाजन

2019-20 तक विद्यार्थी (31.03.2020) के अनुसार																				
	राज्य	बी.यॉक		इंटीग्रेटेड एम.एससी. 5 वर्षीय		एम.ए./ एम. एससी.		इंटीग्रेटेड एम. एससी. बी.एड. 3 वर्षीय		एम.टेक / एम.आर्क		एमबीए		नए		पूर्ववर्ती		कुल		कुल	प्रतिशतता
		पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.		
1	अरुणाचल प्रदेश	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	1	0.06
2	आंध्रप्रदेश	0	0	4	1	1	1	1	0	0	0	0	0	9	1	6	2	15	3	18	1.11
3	असम	0	0	0	0	2	2	0	0	0	0	1	0	4	4	3	2	7	6	13	0.80
4	बिहार	2	5	25	3	15	6	3	1	0	0	2	1	64	38	47	16	111	54	165	10.22
5	छत्तीसगढ़	0	0	2	0	0	1	0	0	0	0	0	0	2	3	2	1	4	4	8	0.50
6	दिल्ली	0	0	2	1	7	3	0	0	2	0	1	0	11	6	12	4	23	10	33	2.04
7	गुजरात	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	2	0	1	1	3	4	0.25
8	हरियाणा	0	0	8	12	3	6	1	2	1	0	2	0	22	23	15	20	37	43	80	4.95
9	हिमाचल प्रदेश	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	3	2	1	3	4	7	0.43
10	झारखण्ड	3	3	4	3	0	0	1	0	0	0	0	0	10	6	8	6	18	12	30	1.86
11	जम्मू कश्मीर	0	0	2	0	0	1	0	0	0	0	1	0	3	5	3	1	6	6	12	0.74
12	केरल	1	0	9	9	6	3	0	0	0	2	0	0	28	22	16	14	44	36	80	4.95
13	मेघालय	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	0.06
14	मणिपुर	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	1	0.06
15	मध्य प्रदेश	0	1	3	1	2	4	0	0	0	0	0	0	12	4	5	6	17	10	27	1.67
16	महाराष्ट्र	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	1	3	2	1	3	4	7	0.43
17	मिजोरम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	0.06
18	नागालैंड	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	2	0	2	0.12
19	उड़ीसा	0	0	6	3	6	4	1	0	0	0	0	0	15	7	13	7	28	14	42	2.60
20	पंजाब	0	0	2	5	3	0	0	0	0	0	0	0	1	2	5	5	6	7	13	0.80
21	राजस्थान	20	16	178	117	43	30	45	16	0	5	6	3	240	160	292	187	532	347	879	54.43
22	सिक्किम	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	1	0.06
23	तमिलनाडु	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	3	2	1	3	4	7	0.43
24	तेलंगाना	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	11	3	2	0	13	3	16	0.99
25	उत्तराखंड	0	0	0	0	4	3	0	1	0	0	0	0	2	3	4	4	6	7	13	0.80
26	उत्तर प्रदेश	0	0	11	7	5	10	0	0	0	4	4	1	43	23	20	22	63	45	108	6.69
27	पश्चिम बंगाल	0	0	2	3	10	3	1	2	2	0	0	0	12	10	15	8	27	18	45	2.79
28	विदेशी नागरिक	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	1	0.06
	कुल	27	26	262	167	110	79	53	23	6	12	18	5	495	332	476	312	971	644	1615	100.00

सारणी सं.- 3 तथा चित्र – 5 में लिंगानुपात विभाजन दर्शाता है कि सत्र 2019-20 में 40% विद्यार्थी महिला हैं जबकि शेष 60% विद्यार्थी पुरुष हैं. चित्र-6 दर्शाती है कि 54% विद्यार्थी राजस्थान के हैं जबकि 46% विद्यार्थी अन्य राज्यों के हैं। सारणी-3 में यह भी दर्शाया गया है कि भारत के 27 अलग-अलग राज्यों के विद्यार्थी के साथ ही अन्य विदेशी विद्यार्थी भी राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं जो अखिल भारतीय विशिष्टता एवं महानगरीय संस्कृति का द्योतक है।

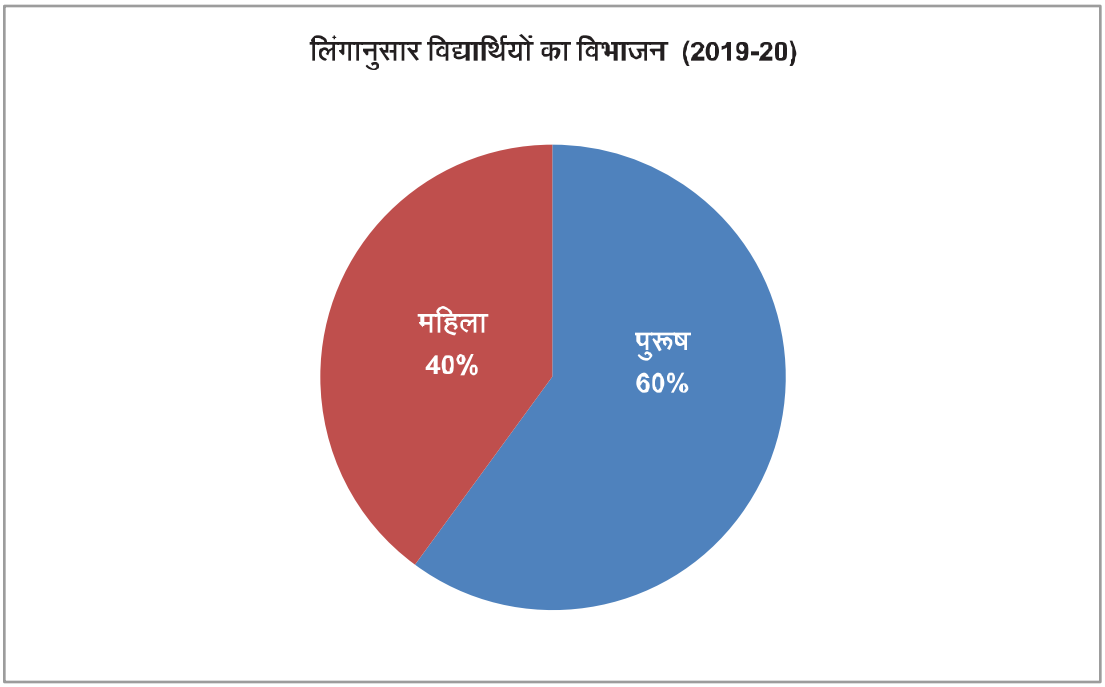

चित्र 5 : अकादमिक वर्ष 2019-20 तक प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों का लिंगानुसार विभाजन

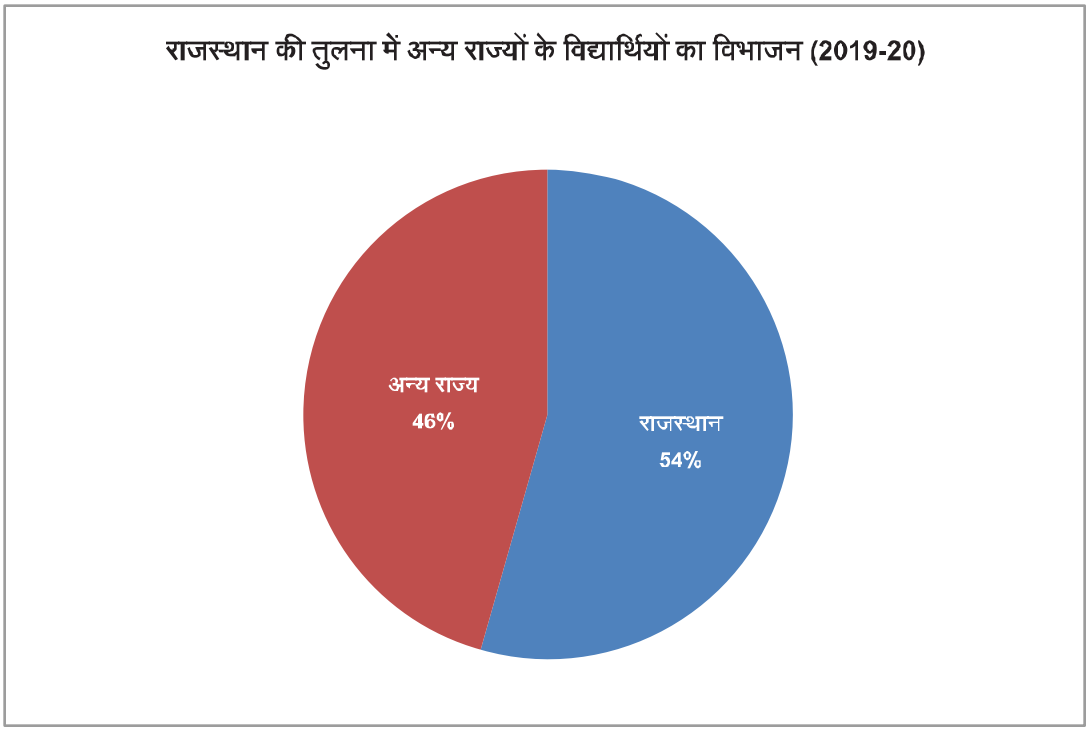

चित्र 6 : अकादमिक वर्ष 2019-20 तक प्रवेश प्राप्त अन्य राज्यों के विद्यार्थियों तथा राजस्थान के विद्यार्थियों की प्रतिशतता

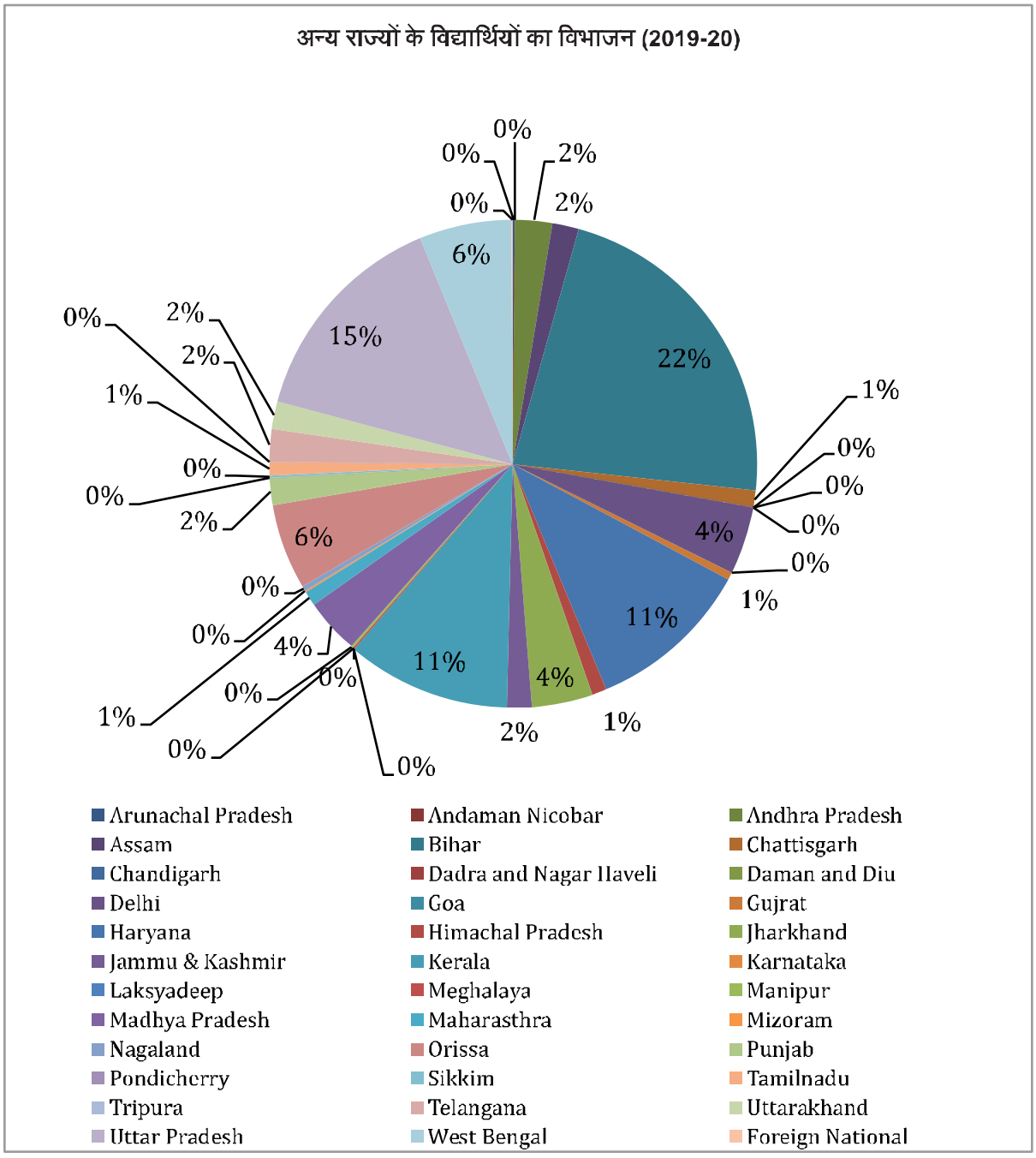

चित्र 7 : अकादमिक वर्ष 2019-20 तक अन्य राज्यों के विद्यार्थियों की प्रतिशतता

नीचे की सारणी (सं.4) में छठे दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ताओं का नाम दर्शाया गया है। विभिन्न विषयों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले कुल 42 विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। पश्चातवर्ती पाई-आकृति (चित्र-8) विभिन्न विभागों के स्वर्ण पदक विजेताओं को दर्शाती है। यह विभिन्न विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों की संख्या पर आधारित है।

सारणी संख्या – 4 : छठे दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रम सं.	नाम	उत्तीर्ण होने का वर्ष	कार्यक्रम	विभाग
1	ग्रेसी एच. डेविड	2019	एम. आर्क (संधारणीय वास्तुकला)	वास्तुकला
2	पल्लवी शर्मा	2019	एम.एससी. जैव रसायन विज्ञान	जैव रसायन विज्ञान
3	शिवम सिंह	2019	एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	जैव प्रौद्योगिकी
4	दीप्शी भारद्वाज	2019	एम.एससी. रसायन विज्ञान	रसायन विज्ञान
5	रेखा	2019	एम.कॉम.	वाणिज्य
6	सुपर्ण पद्म पात्र	2019	एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान	कंप्यूटर विज्ञान
7	आदित्य सिंह राठौड़	2019	एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान (बिग डाटा विश्लेषण)	कंप्यूटर विज्ञान
8	महिमा सिंह	2019	एम.ए. संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन
9	सुरुचि श्रीमाली	2019	एम.ए. अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र
10	मेरिन जॉन	2019	एम.ए. अंग्रेजी	अंग्रेजी
11	मिलाप दशोरा	2019	एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान पर्यावरण विज्ञान	पर्यावरण विज्ञान
12	मिधुन एम.	2019	एम.एससी. वायुमंडलीय विज्ञान	वायुमंडलीय विज्ञान
13	शुभांगी सोनी	2019	एम.ए. हिंदी	हिंदी
14	अंबाली जैन	2019	एमबीए	प्रबंधन
15	प्राची जैन	2019	एम.एससी. सूक्ष्म जीवविज्ञान	सूक्ष्म जीवविज्ञान
16	ओमप्रकाश शर्मा	2019	एम. फार्म (फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान)	फार्मेसी
17	पूजा जैन	2019	एम.एससी. भौतिकी	भौतिकी
18	विशाल शर्मा	2019	एम.ए. लोक नीति, विधि और शासन	लोक नीति, विधि और शासन
19	शशांक कुमार	2019	एम.ए. सामाजिक कार्य	सामाजिक कार्य
20	कैरोलिन पाश्कल लेंगवा	2019	एम.एससी. सांख्यिकी	सांख्यिकी
21	श्वेता अरोड़ा	2019	एम.टेक. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
22	दिनेश नायक	2019	एम.एससी. गणित	गणित
23	हेमंत कुमार	2019	एम.एससी. गणित	गणित
24	राकेश कुमार साहू	2019	एम. फार्म (फार्मास्युटिक्स)	फार्मेसी
25	रश्मि अग्रवाल	2019	एम.टेक. सीएस (साइबर फिजिकल सिस्टम)	कंप्यूटर विज्ञान
26	परिधि जैन	2019	क्राफ्ट्स एंड डिजाइन में एम.डेस	क्राफ्ट्स एंड डिजाइन में एम.डेस
27	दुश्यंत सोनी	2019	एम.एससी. योग थेरेपी	योग
28	अक्षय राज	2019	सांस्कृतिक सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	सोसाइटी टेक्नोलोजी इंटरफेस

29	अदिति पारीक	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. जैव रसायन विज्ञान	जैव रसायन विज्ञान
30	हर्षिता कसेरा	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	जैव प्रौद्योगिकी
31	शिवानी भारद्वाज	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. रसायन विज्ञान	रसायन विज्ञान
32	आकाश चौहान	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान	कंप्यूटर विज्ञान
33	अदिति रोहतगी	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र
34	सीमा दुकिया	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. भौतिकी	भौतिकी
35	अंकिता भट्ट	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. सूक्ष्म जीवविज्ञान	सूक्ष्म जीवविज्ञान
36	खेमा राम थोलिया	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. गणित	गणित
37	अशिता लडढ़ा	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. सांख्यिकी	सांख्यिकी
38	रीना	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड.रसायन विज्ञान	रसायन विज्ञान
39	मोनिका चौहान	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड.अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र
40	कविता जोशी	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड.गणित	गणित
41	हेम कंवर राठौड़	2019	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड.भौतिकी	भौतिकी
42	रविकांत	2018	बी. वॉक. (इंटीरियर डिजाइन)	वास्तुकला

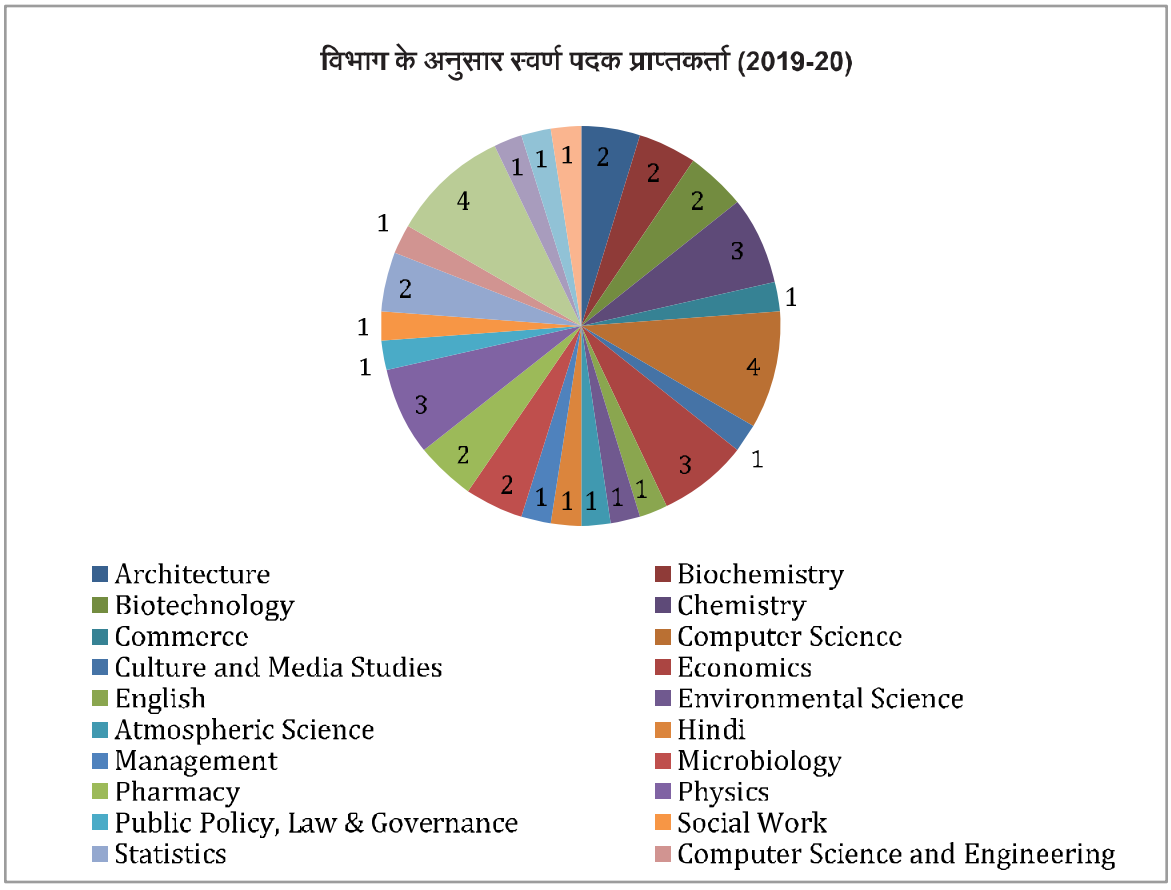

चित्र 8 : छठे दीक्षांत समारोह में विभाग के अनुसार स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता

सारणी सं. 5 : दीक्षांत समारोहों के अनुसार उपाधि प्राप्तकर्ता

दीक्षांत समारोह	पीएच.डी	एम.टेक	एम.एससी.	एम.ए.	एमबीए	एम.कॉम	एम.आर्क	एम.फार्म	इंटी. एम.एससी. (5 y)	इंटी. एम.एससी. बी.एड.	बी. एससी.	बी. वॉक	कुल
I (01-09-2012)	NIL	22	74	32	30	-	-	-	-	-	-	-	158
II (09-07-2013)	NIL	21	123	65	26	-	09	-	-	-	-	-	244
III (01-10-2016)	NIL	50	529	296	103	56	22	46	-	-	23	-	1125
IV (13-11-2017)	13	18	158	103	34	16	10	17	-	-	85	32	486
V (02-11-2018)	12	08	86	67	29	18	17	05	94	62	89	27	514
VI (03-12-2019)	44	10	92	71	23	07	08	08	134	69	66	51	583
कुल	69												3110

उपरोक्त सारणी सं. 5 में विश्वविद्यालय में आयोजित सभी छः दीक्षांत समारोहों का विवरण दिया गया है। छठा दीक्षांत समारोह 03 दिसम्बर, 2020 को आयोजित किया गया तथा दूसरी बार इंटीग्रेटेड स्नातकोत्तर कार्यक्रम (5 वर्षीय) तथा इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. कार्यक्रम में उपाधि प्रदान की गई। कुल 583 उपाधि प्रदान की गई। सारणी संख्या-6 में वर्ष 2019 में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में उर्तीर्ण होकर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या को दर्शाया गया है। सारणी में यह भी दर्शाया गया है कि अब तक पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त करने वाले 69 शोध-छात्र सहित कुल 3110 विद्यार्थियों ने उपाधि प्राप्त की है।

सारणी सं. 6 : 2019 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण होकर उपाधि प्राप्तकर्ताओं की संख्या

एम.ए.		एम.एससी.		एम.टेक		इंटी. एम.एससी.		इंटी. एम.एससी. बी.एड.		बी. एससी.	बी. वॉक.	पीएच. डी.	कुल
वास्तुकला	08	वायुमंडलीय विज्ञान	06	सी.एस.ई.	07	लागू नहीं				66	51		
वाणिज्य	07	जैव रसायन विज्ञान	04	सीपीएस	03	जैव रसायन विज्ञान	13	लागू नहीं					
सीएमएस	05	जैव प्रौद्योगिकी	06			जैव प्रौद्योगिकी	08						
अर्थशास्त्र	05	रसायन विज्ञान	07			रसायन विज्ञान	13	रसायन विज्ञान	20				
अंग्रेजी	07	कंप्यूटर विज्ञान	11			कंप्यूटर विज्ञान	09	लागू नहीं					
हिंदी	09	सीएस (बिग डाटा विश्लेषण)	11			अर्थशास्त्र	14	अर्थशास्त्र	09				
एमबीए	23	ईवीएस	06			पर्यावरण विज्ञान	17	लागू नहीं				44	लागू नहीं
पीपीएलजी	03	टेक.गणित (2016)	07	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं				लागू नहीं	लागू नहीं		
एमएसडब्ल्यू	09	गणित	08			गणित	18	गणित	18				
एम. डेस	33	सूक्ष्म जीवविज्ञान	06			सूक्ष्म जीवविज्ञान	10	लागू नहीं					
स्नात्कोत्तर डिप्लोमा	03	फार्मेसी	08			लागू नहीं							
लागू नहीं		भौतिकी	10			भौतिकी	11	भौतिकी	22				
		सांख्यिकी	05			सांख्यिकी	21	लागू नहीं					
		योग	02			लागू नहीं							
कुल	112	कुल	97	कुल	10	कुल	134	कुल	69	66	51	44	583

सारणी-6 में विभिन्न कार्यक्रमों यथा एम.ए., एम.एससी., एम.टेक., इंटीग्रेटेड एम.एससी., बी.एड., बी.एससी., बी.वोक, तथा पीएच.डी. में उपाधि प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की संख्या को दर्शाया गया है। एक सौ बारह (112) विद्यार्थियों ने 11 कार्यक्रमों में एम.ए. की उपाधि तथा 97 विद्यार्थियों ने 14 कार्यक्रमों में एम.एससी. की उपाधि प्राप्त की। इसी प्रकार, 10 विद्यार्थियों ने अलग-अलग तीन योजनाओं के अंतर्गत एम.टेक. की उपाधि तथा 143 विद्यार्थियों ने 10 कार्यक्रमों में इंटीग्रेटेड ए.एससी. की उपाधि प्राप्त की। 51 विद्यार्थियों ने इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. की उपाधि प्राप्त की। कुल मिलाकर इस अध्याय में विद्यार्थियों, प्रवेश प्राप्तकर्ताओं तथा उपाधि प्राप्तकर्ताओं से संबंधित विश्वविद्यालय की अकादमिक रूपरेखा का व्यापक चित्र प्रस्तुत किया गया है।

प्रत्यायन रैंकिंग सहयोग और अंतरराष्ट्रीयकरण (एआरसीआई)

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने आईसीसीआर, नई दिल्ली के माध्यम से छात्रवृत्ति योजना के तहत भारत सरकार द्वारा नामित विदेशी नागरिकों के प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किया है और स्व-वित्त योजना के माध्यम से भी राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश प्राप्त किया जा सकता है। विदेशी नागरिकों को प्रवेश हेतु केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा में शामिल होने की आवश्यकता नहीं है; हालाँकि, उन्हें किसी भी भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय / संस्थान से समकक्ष योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए।

प्रवेश प्रक्रिया:

प्रत्येक वर्ष विदेशी नागरिकों को निम्नलिखित श्रेणियों के तहत अध्ययन के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है:

(I) **भारत सरकार के सांस्कृतिक विनिमय अध्येतावृत्ति कार्यक्रम के तहत :** - इस अध्येतावृत्ति कार्यक्रम के तहत प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को भारतीय उच्चायोग / दूतावास / भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) के माध्यम से आवेदन करना आवश्यक है, क्योंकि मामला विचारार्थ हो सकता है। यदि आवेदक योग्य पाया जाता है, तो उनके प्रवेश की पुष्टि की सूचना सीधे उनके प्रवेश को प्रायोजित करने वाली संबंधित एजेंसी को भेजी जाएगी।

(II) **स्व-वित्त छात्रों के लिए सीधे प्रवेश: -** स्व-वित्त श्रेणी के तहत प्रवेश प्राप्त करने के इच्छुक विदेशी छात्र को निर्धारित प्रारूप में जीवनवृत्त और शैक्षणिक योग्यता के साथ अपना आवेदन प्रत्यायन रैंकिंग सहयोग और अंतरराष्ट्रीयकरण (एआरसीआई) कार्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, एन.एच.-8, बांदरसिंरी, अजमेर-305817, भारत (ईमेल: international@curaj.it.in) को प्रेषित करना आवश्यक है। विश्वविद्यालय के निर्णय से संबंधित छात्र को (और संबंधित दूतावास को प्रतिलिपि) सूचित किया जाएगा।

शैक्षणिक वर्ष 2018- 19

क्रम सं.	विद्यार्थी का नाम	देश	विभाग	प्रवेश का माध्यम
1.	सुश्री शाहुजा अब्दुल करीम	मालदीव	एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान	आईसीसीआर के माध्यम से सामान्य छात्रवृत्ति योजना 2018-19 के तहत
2.	श्री मोहम्मद अब्देल रहमान जदाल्लाह अबुलेव्दा	फिलिस्तीन	पीएच.डी. सांख्यिकी	आईसीसीआर के माध्यम से सामान्य छात्रवृत्ति योजना 2018-19 के तहत

शैक्षणिक वर्ष 2019- 20

क्रम सं.	विद्यार्थी का नाम	देश	विभाग	प्रवेश का माध्यम
1	श्रीमती मासुमा खवारी	अफगानिस्तान	पीएच.डी. सूक्ष्म जीव विज्ञान	आईसीसीआर के माध्यम से अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना 2019-20 के तहत

अवसंरचनात्मक सुविधाएँ

केंद्रीय पुस्तकालय :

पुस्तकालय ज्ञान का भंडार-गृह है जो उच्च शिक्षा के किसी भी संस्थान की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है। ई-संसाधनों, पुस्तकों और पत्रिकाओं की उपलब्धता के माध्यम से पुस्तकालय विश्वविद्यालय के सभी उपयोगकर्ताओं के लिए वैश्विक ज्ञान के आदान हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में साधन-संपन्न और सुसज्जित पुस्तकालय है। यह छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मचारियों, विशेषज्ञों और आगंतुकों सहित समस्त समुदाय को विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक सामग्री के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह की सामग्री की व्यवस्था प्रदान करता है। पुस्तकालय में लगभग 34788 मुद्रित पुस्तकें तथा 487 ऑनलाइन पुस्तकों का संस्करण, 593 मुद्रित पत्रिकाओं के साथ ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों और संग्रहकर्ताओं के 10,000+ ई-पत्रिकाएँ हैं। लगभग 18 समाचार पत्रों तथा 42 पत्रिकाओं का क्रय नियमित रूप से किया जाता है। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय में 04 ऑनलाइन डाटाबेस और 770 सीडी रोम का संग्रह है। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों की शोध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पुस्तकालय ने साइंस एंड स्कोपस (सार और उद्धरण डेटाबेस) की वेब, टर्निटिन - साहित्यक चोरी ज्ञात करने का एक अग्रणी उपकरण तथा ग्रामरली - छात्रों के शोध प्रकाशन की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक स्वचालित व्याकरण शिक्षक और पुनरीक्षण उपकरण का क्रय किया है। पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएं और सेवाएं हैं : ग्रंथात्मक सेवा, साहित्य खोज सेवा, पुस्तक प्राप्ति, संदर्भ, दस्तावेज़ वितरण, वेब ओपेक, फोटोकॉपी, डेलनेट और इनफ्लिबनेट के माध्यम से सामग्री का अंतर-पुस्तकालय आदान-प्रदान इत्यादि। इस प्रकार पुस्तकालय अपनी 150 सदस्यों के बैठने की क्षमता के साथ ज्ञान के भंडार के रूप में विश्वविद्यालय समुदाय को इंट्रा-नेट और इंटरनेट सेवा के माध्यम से महत्वपूर्ण सेवा प्रदान कर रहा है। अपने उपयोगकर्ताओं की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह इन्फ़्लिबिनेट, डेलनेट, करेंट साइंस एसोसिएशन, इंस्टीट्यूट ऑफ साइनटोमैटिक्स तथा अन्य संस्थाओं से संबद्ध है। पुस्तकालय में लगभग 32,286 मुद्रित पुस्तकें और 487 ऑनलाइन पुस्तकें उपलब्ध हैं।

आई.सी.टी. सेवाएँ : राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय नियमित रूप से LibSys7 के साथ WebOPAC से पूर्णत: स्वचालित है। इसे सीयूराज कैंपस नेटवर्क के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराया गया है। उपयोगकर्ता http://10.0.0.16:8380/opac/ के माध्यम से हमारे पुस्तकालय WebOPAC तक पहुँच सकते हैं। पुस्तकालय पूरी तरह वाई-फाई सेवा से युक्त है तथा लैन से जुड़े 15 कंप्यूटरों के साथ एक सुव्यवस्थित साइबर पुस्तकालय है जो उपभोक्ताओं को हज़ारों इलेक्ट्रॉनिक साधनों से जोड़ते है। पुस्तकालय द्वारा ऑटोमेशन तथा डिजिटल पुस्तकालय हेतु ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर अपनाने की योजना बनाई जा रही है। समय-समय पर लाइब्रेरी वेबपेज अपडेट किया जाता है जो नियमों /

विनियमों, समाचार / घटनाओं के साथ ही प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के नए आगमन के बारे में जानकारी प्रदान करता है। पुस्तकालय द्वारा आर.एफ.आई.डी. की प्रमुख उपकरणों क्रय तथा अधिष्ठापपन किया गया।

प्रतिवेदित अकादमिक वर्ष में पुस्तकालय द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गये:

- 3 सितंबर 2019 को हिंदी साहित्य से संबंधित पुस्तक प्रदर्शनी।
- साहित्यक चोरी ज्ञात करने वाला उपकरण टर्निन, व्याकरण सहयोगी उपकरण ग्रामरली, आई.ई.ई.ई., ई.बी.एस.सी.ओ. व्यावसाय स्रोत की प्रमुख ई-पत्रिका, ई.बी.एस.सी.ओ. कला एवं वास्तुकला उपकरण के प्रभावी उपयोग के लिए जागरूकता और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।
- इंटर्नशाला में इंटर्नशिप हेतु विद्यार्थियों को सुविधाएँ प्रदान की गईं।
- संकाय सदस्यों / छात्रों को स्वयम-एनपीटीईएल पाठ्यक्रमों में नामांकन हेतु सुविधा प्रदान की गई।
- कोविड-19 लॉकडाउन की अवधि में पुस्तकालय ने सभी उपयोगकर्ताओं को ऑन-लाइन दूरस्थ संसाधनों तक पहुंच की सुविधा प्रदान की तथा वेबिनार के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाया।
- कोविड-19 महामारी के दौरान संकाय सदस्यों और छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खुले शैक्षिक संसाधनों को विस्तारित और लोकप्रिय किया।

स्वयम-एनपीटीईएल लोकल चैप्टर हेतु एसपीओसी के रूप में कार्य करने तथा एनपीटीईएल का ब्रांड एम्बेस्डर (जनवरी-जून, 2019) होने के लिए पुस्तकालयाध्यक्ष ने पुरस्कार/प्रमाण-पत्र प्राप्त किया।

छात्रावास सुविधाएं

उच्च शिक्षा के दौरान छात्रावास विद्यार्थियों के लिए दूसरा घर बन जाता है। छात्रावास का जीवन साथियों के सीखने, अध्ययन करने, मौज-मस्ती करने और बड़े भविष्य के सपने देखने के बारे में है। इस प्रकार, आवासीय छात्रों के लिए अनुकूल, रचनात्मक शिक्षा का माहौल, खेलने की पर्याप्त सुविधाएं, अवकाश गतिविधियों तथा स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। कुछ अच्छा करने के लिए पर्याप्त अनुशासन और सुविधाओं के सही संतुलन की आवश्यकता होती है। छात्रावास-जीवन शैक्षणिक विकास और उपलब्धि की यात्रा का एक हिस्सा है। विश्वविद्यालय में बालकों और बालिकाओं के छात्रावासों के लिए विशेष रूप से अलग-अलग भवन हैं, और बालकों के लिए तीन और बालिकाओं के लिए तीन भवन हैं। शैक्षणिक वर्ष 2019-2020 के दौरान छात्रों ने एकीकृत, यूजी, पीजी और पीएचडी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया है। उन सभी को उनके अनुरोध के अनुसार छात्रावास आवास आवंटित किया गया है। वर्तमान में 03 बालिका छात्रावास (प्रत्येक छात्रावास में 300 विद्यार्थियों की क्षमता) में 900 छात्राएं और 3 बालक छात्रावास (प्रत्येक छात्रावास में 450 विद्यार्थियों की क्षमता) में 1300 छात्र रह सकते हैं। पुरुष पीएच.डी. छात्रों को एक अलग भवन में आवास आवंटित किया गया है। एक और छात्रावास भवन निर्माणाधीन है क्योंकि छात्रावास की मांग प्रत्येक वर्ष बढ़ रही है।
भवन के अनुसार छात्रों को आबंटित आवास निम्नलिखित है:

1. बी-1 (बालिका छात्रावास) -142
2. बी-2 (बालिका छात्रावास) - 303
3. बी-4 (बालिका छात्रावास) - 294
4. बी-5 (बालक छात्रावास) - 406
5. बी-6 (बालक छात्रावास) - 440
6. बी-7 (बालक छात्रावास) - 188

छात्रावास के कमरे चारपाई, गद्दे, मेज, कुर्सी, आलमारी और अन्य बिजली के सामानों जैसे रोशनी, पंखे इत्यादि से सुसज्जित हैं। जब विद्यार्थियों के माता-पिता अपने पुत्र या पुत्री से मिलने आते हैं, तो उनके अनुरोध पर एक या दो दिन के लिए उन्हें रहने की सुविधा प्रदान की जाती है।

वार्डेन परिषद : छात्रावास से संबंधित मामलों में परामर्श और प्रबंधन के लिए एक वार्डन परिषद है। परिषद के प्रमुख प्रो. पवन कुमार दाधीच, मुख्य छात्रावास अधीक्षक और डॉ. अंजलि शर्मा अतिरिक्त छात्रावास अधीक्षक (बालिका छात्रावास हेतु) हैं। छात्रावास वार्डन परिषद के सदस्य हैं - डॉ. संजय कुमार, डॉ. नेहा अरोड़ा, श्री रवि सहारन, डॉ. सुमन तप्रयाल, डॉ. हेमलता मंगलानी, डॉ. शैजी अहमद, डॉ. रितु सिंह, डॉ. मुज़म्मिल हुसैन, डॉ. राम किशोर, डॉ. संजय कुमार पटेल, डॉ. प्रमोद कुमार नाइक, डॉ. नरेंद्र कुमार, डॉ. गोविंद सिंह, डॉ. सत्यनारायण मूर्ति डोगा, डॉ. जे.पी. त्रिपाठी और डॉ. मोतिनिवा नायक शामिल हैं। छात्रावास, भोजनालय और छात्रों से संबंधित अन्य गतिविधियों के संबंध में प्रशासनिक मामलों तथा समय से उनके समाधान के लिए डॉ. हरि सिंह परिहार, संयुक्त कुलसचिव और श्री मनोज कुमार इंदोरिया, सहायक कुलसचिव को छात्रावास एवं प्रबंध प्रकोष्ठ का क्रमश: नियंत्रण अधिकारी और संबंधित अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

भोजनालय (मेस) सुविधा : लगभग एक हजार बालक छात्रों के खानपान के लिए मेगा मेस सुविधा उपलब्ध है। मेगा मेस के भोजन कक्ष में एक साथ 500 छात्रों के लिए भोजन की आपूर्ति की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक बालिका छात्रावास में तीन अन्य मेस छात्राओं के खानपान के लिए सक्रिय हैं। भोजनालय चूल्हा, रसोई घर तथा खाना पकाने के उपकरणों से युक्त है तथा रसोई घर के साथ सफाई का स्थान भी है। भोजन तैयार करने तथा उसके भंडारण के समय गुणवत्ता, मानक तथा स्वच्छता को प्राथमिकता दी जाती है। सभी भोजन कक्षों में विद्यार्थियों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

वाशिंग मशीन की व्यवस्था : बालक छात्रावास बी-5 भवन में छह वाशिंग मशीनें और ड्रायर लगाए गए हैं। इसी तरह अन्य छः वाशिंग मशीनें और ड्रायर बी-4 बालिका छात्रावास में उपलब्ध हैं जिनका उपयोग विद्यार्थियों द्वारा किया जाता है।

सामान्य लॉंज तथा अध्ययन कक्ष की सुविधाएं : प्रत्येक छात्रावास के लाउंज क्षेत्र में बैठने की सुविधा के साथ ही एलसीडी टेलीविजन की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। इसमें मनोरंजन, सूचनापरक और समाचार चैनल की सुविधा है। इसके अतिरिक्त छात्रावास के सभी कमरों में इंटरनेट हेतु लैन कनेक्शन उपलब्ध है जो अध्ययन के लिए अनिवार्य है। इसके आलावा, कक्ष के बाहर वाईफाई की सुविधा उपलब्ध है क्योंकि पूरे रा.के.वि.वि. परिसर को इंटरनेट के उपयोग के लिए वाई-फाई से जोड़ा गया है तथा छात्र-छात्राओं को इंटरनेट के उपयोग हेतु पासवर्ड दिए गए हैं। छात्रावास में छात्र-छात्राओं के लिए द इकोनॉमिक टाइम्स, द टाइम्स ऑफ इंडिया, दैनिक भास्कर, राजस्थान पत्रिका जैसे समाचार पत्र भी उपलब्ध कराये जाते हैं। छात्रों के लिए प्रत्येक छात्रावास में अध्ययन कक्ष की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

जिम एवं खेल सुविधाएं : बालक तथा बालिका दोनों छात्रावासों में आधुनिक उपकरणों से युक्त जिम की सुविधाएं प्रदान की गई हैं।
इन्डोर खेलों के लिए छात्रावासों में निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की गई हैं :

1. सभी छात्रावासों में टेबल टेनिस की सुविधा (बालकों एवं बालिकाओं के लिए)
2. सभी छात्रावासों में शतरंज की सुविधा (बालकों एवं बालिकाओं के लिए)
3. सभी छात्रावासों में कैरम बोर्ड की सुविधा (बालकों एवं बालिकाओं के लिए)

इसके अलावा छात्र-छात्राओं को आउट-डोर खेलों जैसे - फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केट बॉल, क्रिकेट और अनेक अन्य खेलों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विश्वविद्यालय की खेल समिति छात्रों को खेल से जोड़ती है और पूरे वर्ष इनडोर और आउटडोर खेलों के विभिन्न टूर्नामेंट आयोजित करती है। विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों में छात्राओं की संरक्षा और सुरक्षा को हमेशा उच्च प्राथमिकता दी जाती है। लिंग विशेष की जरूरतों के अनुसार, बालिका छात्रावास में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इनकंटरेटर्स सुविधाएं उपलब्ध हैं।

कोविड -19 के कारण छात्रावास में सुरक्षा बनाए रखने के लिए कदम : कोविड-19 के कारण महामारी के संकट के शुरुआती दिनों से, छात्रों और कर्मचारियों को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों ने बहुत सक्रिय और त्वरित कार्रवाई की। पहला कदम यह था कि सभी छात्रों और कर्मचारियों को जागरुकता व्याख्यान के आयोजन तथा आभासी माध्यम से सूचनात्मक सामग्री प्रदान कर उन्हें संवेदीकृत किया गया। सभी प्रकार की सभा को रोक दिया और छात्रों को लॉकडाउन के पूर्व चरणबद्ध तरीके से छात्रावास छोड़कर घर जाने का निर्देश दिया। 06 मार्च 2020 को, कोरोना वायरस रोग – 2019 (कोविड-19) पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया और सामाजिक दूरी, हाथ धोने, मास्क के उपयोग जैसे

बुनियादी सुरक्षा कदमों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। 28 मार्च 2020 को मुख्य छात्रावास अधीक्षक की अध्यक्षता में प्रशासनिक अधिकारियों और वार्डनों की बैठक में स्थिति तथा अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा की गई। विश्वविद्यालय की चिकित्सा इकाई निवासियों को प्राथमिक चिकित्सा सहायता / मार्गदर्शन प्रदान करती है। भविष्य में इस तरह के किसी भी समस्या से बचने के लिए, हर समय एक मानक संक्रमण निवारण नियंत्रण प्रणाली का भी पालन किया गया।

प्रशासनिक तथा अकादमिक भवन

विश्वविद्यालय अकादमिक विभागों और प्रशासनिक कार्यों हेतु अनेक भवनों से समृद्ध है। 2017 सितंबर तक, सभी शैक्षणिक विभाग अस्थायी भवनों या ट्रांजिट भवनों में स्थित थे और बाद में, अधिकांश विभाग नव निर्मित चार अकादमिक भवनों में स्थानांतरित हुए। प्रशासनिक कार्यालय को नए

प्रशासनिक भवन में स्थानांतरित किया गया है जिसमें सभी प्रमुख प्रशासनिक कार्यालय, जैसे कि कुलपति सचिवालय, कुलसचिव, अधिष्ठाता (अनुसंधान), अधिष्ठाता (योजना), वित्त कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अनुभाग हैं। अकादमिक भवनों में अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों और आचार्यों के लिए अलग कक्ष हैं। भवनों में शिक्षण और पारस्परिक अंत:क्रिया के लिए सही वातावरण प्रदान करने हेतु विशाल कक्षाएं, सेमिनार हॉल, प्रयोगशाला तथा पर्याप्त खुली जगह है। ये पांच भवन एक समूह में स्थित हैं और अन्य चार अकादमिक भवनों और केंद्रीय पुस्तकालय हेतु भवन का निर्माण उसी डिजाइन में किये जाने की योजना है। वर्तमान में कुछ विभाग और केंद्रीय पुस्तकालय अर्ध-स्थायी भवनों में कार्यशील हैं। विश्वविद्यालय परिसर के भीतर एक सभागार है जिससे विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य प्रमुख कार्यक्रमों, सम्मेलनों के आयोजन की सुविधाएँ प्राप्त होती हैं।

विश्वविद्यालय का अतिथि गृह

विश्वविद्यालय का अतिथिगृह एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्यक्ति के कक्ष सेट के साथ 76 अतिथि कक्ष वाला बेहतरीन रूप से अभिकल्पित तीन मंजिलों की शानदार संरचना है। विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में अलग-अलग प्रकार के आवास हैं - एक कमरे का सेट, दो कमरे का सेट और 3 कमरे का सेट। अधिकांश कक्ष वातानुकूलन, टेलीविजन सेट, रेफ्रिजरेटर, गीजर और अन्य बुनियादी सुविधाओं से युक्त हैं। कमरों में डेंटल किट, कंघी, साबुन, मॉइस्चराइज़र, शैम्पू, हेयर ऑइल, टॉयलेट रोल और बाथरूम चप्पल जैसी अतिथि सुविधाएँ उपलब्ध हैं। गेस्ट हाउस में 70 लागों के बैठने की क्षमता वाला एक वातानुकूलित सेमिनार हॉल है। इस हॉल में विभिन्न आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उसी के समीप, 40 लागों के बैठने की क्षमता वाले वातानुकूलित डाइनिंग हॉल का उपयोग विभिन्न उच्च-स्तरीय आधिकारिक भोज लिए किया जाता है। भूतल में 60 लागों के बैठने की क्षमता वाला गैर वातानुकुलित डाइनिंग हॉल अतिथि गृह के निवासियों के लिए नियमित रूप से उपयोग किया जाता है। अन्य दो गैर वातानुकुलित

बहुउद्देशीय हॉल भी उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग अक्सर सामुदायिक भोजन और अन्य इनडोर कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए किया जाता है। उपयोगिता को बनाए रखने के लिए, और अतिथि सदस्य तथा कर्मचारियों के आवास के तनाव को कम करने के लिए अतिथि गृह के एक भाग में सीमित समय के लिए शिक्षण संकाय और अधिकारियों को कक्ष प्रदान किये जाते हैं। ये संकाय सदस्य सहकारिता मेस सुविधा चलाने के साथ-साथ गेस्टहाउस के प्रबंधन में मदद भी सहायता करते हैं। विश्वविद्यालय के पास अतिथिगृह के लिए एक मजबूत नीति है और विशेषज्ञों, परीक्षक, आगंतुकों और माता-पिता को अतिथिगृह में प्राथमिकता के आधार पर आवासीय सुविधा प्रदान की जाती है। विभिन्न राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में यह अतिथि गृह गणमान्य लोगों की मेजबानी के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय अतिथि गृह विश्वविद्यालय के जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। डॉ. नरेंद्र कुमार और श्री रवि राज चौधरी विश्वविद्यालय अतिथि गृह के संकाय प्रभारी हैं।

खेल सुविधाएं

शिक्षण तथा छात्रों के अध्ययन संबंधी प्रदर्शन के मूल्यांकन के अतिरिक्त, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय खेल के लिए भी सुविधाएं प्रदान करता है क्योंकि विश्वविद्यालय छात्रों के समग्र विकास में विश्वास करता है। छात्र-छात्राओं को कक्षा के बाद खेल सुविधाओं के उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। यहां फुटबॉल और क्रिकेट के हरी घास के मैदान और वॉलीबॉल के मैदान हैं जबकि बैडमिंटन और टेबल टेनिस के इनडोर कोर्ट हैं। विश्वविद्यालय प्रत्येक वर्ष अनेक खेल कार्यक्रमों जैसे - कैरम, शतरंज, वॉली बॉल, कबड्डी, क्रिकेट, बैडमिंटन, लंबी कूद, शॉट पुट, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस इत्यादि का आयोजन करता है। ऐसी स्पर्धाएं छात्र-छात्राओं के समुदाय को एक साथ लाने में मदद करती हैं और उन्हें कठिन परिश्रम के महत्व को दर्शाते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु ध्यान केंद्रित करती हैं।

शॉपिंग कॉम्पलेक्स

राजस्थान के केंद्रीय विश्वविद्यालय का मानना है कि अच्छा परिसर जीवन छात्रों को उनके आवरण से बाहर आने में मदद करता है। इस संबंध में, विश्वविद्यालय में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है जो छात्रों को अनेक सुविधाएं प्रदान करने के अलावा अनेक सांस्कृतिक तथा जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण स्थान भी है। विश्वविद्यालय शॉपिंग कॉम्पलेक्स में रेस्तरां, चाय की दुकान, फोटोकॉपी की दुकान, डेयरी की दुकान, डाकघर, लांड्री (कपड़े धुलवाने) की सुविधा और एक सहकारी स्टोर शामिल हैं। वार्षिक निविदा के माध्यम से दुकानों को संबंधित विक्रेताओं को किराए पर दिया जाता है। गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में बेचे जाने वाले सभी उत्पादों की नियमित निगरानी की जाती है। दुकानें मानक अभ्यास के रूप में दर चार्ट प्रदर्शित करती हैं। स्थान की सफाई एवं स्वच्छता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती है।

बैंक, एटीएम तथा डाकघर

परिसर में, एटीएम सुविधा के साथ बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा है। बैंक आसपास के गांवों के ग्रामीणों सहित राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय समुदाय को सभी नियमित बैंकिंग सेवाएँ और सुविधाएँ प्रदान करता है। विश्वविद्यालय विभिन्न प्रयोजनों के लिए आईसीआईसीआई बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सेवा का भी उपयोग करता है। विभिन्न डाक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए परिसर में एक डाकघर भी है। ये सेवाएं राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर जीवन के महत्वपूर्ण घटक हैं।

कर्मचारी आवास :

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर के भीतर और बाहर दोनों जगह यथासंभव लोगों की गतिशीलता को बनाये रखने का प्रयास कर रहा है। इस संबंध में, विश्वविद्यालय शैक्षणिक और अशैक्षणिक सदस्यों के लिए कर्मचारी आवास की सुविधा प्रदान कर रहा है। कर्मचारी आवास अकादमिक ब्लॉक के निकट ही स्थित है जो विश्वविद्यालय के सदस्यों के आवागमन को सुगम बनाता है। वर्तमान में, विश्वविद्यालय में बी, सी, और डी प्रकार के कर्मचारी आवास (क्वार्टर) हैं। कर्मचारी आवास सभी सुविधाओं से सुसज्जित हैं। कुल 68 आवासीय फ्लैट उपलब्ध हैं। पात्रता मानदंड के अनुसार क्वार्टरों के आवंटन के लिए समिति है। आवासीय ब्लॉकों में चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध रहती है। विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति निवास भी है। आवासीय ब्लॉकों में विस्तृत खुली जगह है जहां संकाय सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। ऐसे कार्यक्रमों के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल, रात्रि-भोज और अन्य मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। आवासीय ब्लॉक में बच्चों के लिए एक सुंदर पार्क है जो परिसर में बच्चों के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसके अतिरिक्त, बी-प्रकार के आवासीय ब्लॉक के निकट फिटनेस पार्क (ओपन जिम) निर्माणाधीन है।

केन्द्रीय विद्यालय :

केंद्रीय विद्यालय एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान है जो स्कूली शिक्षा में योगदान के लिए जाना जाता है। केन्द्रीय विद्यालय, बांदरसिंदरी राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में स्थित है। विद्यालय 31 मई, 2017 को शुरू हुआ और जुलाई 2017 में इसका उद्घाटन हुआ। यह विद्यालय समाज के विभिन्न वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। वर्तमान में, विद्यालय में 17 शिक्षक और 1 अशैक्षणिक कर्मचारी हैं।वर्तमान में विद्यालय में 347 विद्यार्थी हैं। प्रधानाचार्य कार्यालय, कर्मचारी-कक्ष, पुस्तकालय, खेल कक्ष, गतिविधि कक्ष, कार्य-शिक्षा कक्ष, सीएमपी कक्ष, संगीत कक्ष, कंप्यूटर लैब, समग्र विज्ञान लैब, परीक्षा कक्ष, और बैडमिंटन कोर्ट के अलावा 10 सुसज्जित कमरे हैं। छात्रों को विभिन्न क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों जैसे सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान प्रदर्शनी, खेल कार्यक्रम आदि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विद्यालय में विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ जैसे एकल और समूह गीत, नृत्य, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता आदि का आयोजन सीसीए के कैलेंडर के अनुसार किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे ताइक्वांडो, बॉक्सिंग, जूडो, इंग्लिश एलोक्यूशन और क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर ग्रीन ओलंपियाड में स्थान प्राप्त किया।

प्री-स्कूल :

विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने मिलकर केंद्रीय विद्यालय परिसर में प्री-स्कूल आयु वर्ग के बच्चों के लिए एक प्ले-स्कूल शुरू किया। प्री-स्कूल का प्रबंधन माता-पिता द्वारा स्व-वित्त आधार पर किया जाता है। प्री-स्कूल में खेल, ड्राइंग, गायन और सीखने की अलग-अलग गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं जो बच्चों में सीखने की क्षमता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बेहतरीन बनाती हैं। बच्चों ने विश्वविद्यालय में 26 जनवरी के उपलक्ष्य पर अपने प्रदर्शन का मंचन किया।

स्वास्थ्य केंद्र :

विश्वविद्यालय परिसर में एक सुसज्जित स्वास्थ्य केंद्र है। यह स्वास्थ्य केंद्र आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए ऑक्सीजनेटर, नेबुलाइज़र, ईसीजी, पल्स ऑक्सी मीटर, रिससिटेशन किट (एंबुबैग आदि), स्फिग्मोमेनोमीटर, व्हील चेयर, स्ट्रेचर और आटोक्लेव आदि से सुसज्जित है। स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा अधिकारी तथा आगंतुक विशेषज्ञों के लिए परामर्श कक्ष, ड्रेसिंग कक्ष, औषधि भंडार से युक्त है जिसमें आंतरिक रोगियों के लिए 06 बिस्तर वाले दो वार्ड हैं। स्वास्थ्य केंद्र में महत्वपूर्ण मामलों को उच्च चिकित्सा केंद्रों में संदर्भित करने के लिए एम्बुलेंस सेवा उपलब्धक है। यह स्वास्थ्य केंद्र सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम को 4 बजे से 7 बजे तक ओ.पी.डी. सेंवाएं और 24 घंटे आपातकालीन सेवाओं के साथ-साथ इनडोर रोगियों को इंजेक्शन, ड्रिप, ऑक्सीजन, नेबुलाइजेशन आदि सेवाएं प्रदान करता है। डॉ. चौबे शिवाजी और डॉ. मीनाक्षी प्रत्येक बुधवार को सुबह 9:00 बजे से 10:00 बजे तक आयुर्वेद परामर्श प्रदान कर रहे हैं। स्वास्थ्य केंद्र ने कुल 8558 मामलों में ओपीडी परामर्श प्रदान किया और 148 मामलों (छात्रों और कर्मचारियों सहित) में प्राथमिक उपचार के बाद रोगी को अन्य अस्पताल भेजा गया, 277 आपातकालीन रोगी का उपचार किया गया। स्वापस्र्क केंद्र द्वारा केंद्रीय विद्यालय के छात्रों के लिए प्रत्येरक 6 महीने में चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाता है तथा उनके संपूर्ण स्वास्थ्य की जांच की जाती है।

पूर्ण चिकित्सकीय परीक्षण के बाद स्वास्थ्य केंद्र द्वारा छात्रों के साथ-साथ कर्मचारियों को भी मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किया गया। चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल वर्तमान सीजीएचएस दर सूची व अध्यादेश एवं भारत सरकार के दिशानिर्देशानुसार स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों द्वारा सत्यापित किए जाते हैं। वरिष्ठ शिक्षकों से युक्त एक सलाहकार समिति स्वास्थ्य केंद्र के कामकाज की देखरेख करती है।

महामारी की स्थिति से निपटने की तैयारी में, मार्च 2020 में ऑक्सीजन, सक्शन मशीन, व्हील चेयर, स्ट्रेचर से लैस दो कोविड-19 आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं। विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को विश्वविद्यालय परिसर को सुरक्षित रखने के लिए एहतियाती उपाय के रूप में प्राथमिक चिकित्सा जांच के लिए स्वास्थ्य केंद्र को रिपोर्ट करना होगा। स्वास्थ्य केंद्र ने हाल ही में अत्यधिक उन्नत डेंटल चेयर, डेंटल एक्स रे मशीन, दंत चिकित्सा उपकरणों आदि के साथ एक पूरी तरह से सुसज्जित दंत चिकित्सा क्लिनिक की स्थापना की है। स्वास्थ्य केंद्र में सभी प्रकार के

फिजियोथेरेपी के लिए आवश्यक सभी उपकरणों के साथ एक उन्नत फिजियोथेरेपी यूनिट की भी स्थापना की गई है। इसके अलावा, नियमित हेमेटोलॉजिकल और जैव रासायनिक परीक्षणों के लिए उपकरण का क्रय किया गया। वरिष्ठ शिक्षकों से युक्त एक सलाहकार समिति स्वास्थ्य केंद्र के कामकाज की देखरेख करती है। प्रोफेसर अमित के. गोयल, सलाहकार समिति के अध्यक्ष हैं और डॉ. अंकुर मित्तल चिकित्सा अधिकारी हैं।

राजभाषा प्रकोष्ठ

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी को प्रोत्साहित करने हेतु राजभाषा प्रकोष्ठ बनाया गया है। राजभाषा नियमों के कार्यान्वयन हेतु सतत प्रयास किये जा रहे हैं। कार्यालय के कार्य में हिंदी के प्रयोग के मूल्यांकन हेतु कुलपति महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की गई है। राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी कार्यशाला के माध्यम से विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्यों के निष्पादन हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सभी प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कंप्यूटर में हिंदी टंकण सॉफ्टवेयर अपलोड किया गया है। प्रतिवेदित वर्ष में कार्यालय के अनेक दस्तावेजों यथा कार्यालय आदेशों, परिपत्रों, प्रेस विज्ञप्तियों, विभिन्न पदों के लिए विज्ञापनों इत्यादि का हिंदी अनुवाद किया गया तथा इन्हें द्विभाषी रूप में जारी किया गया। दिनांक 01 से 15 सितम्बर, 2019 के दौरान विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार के साथ ही दिनांक 03 मार्च, 2020 आयोजित विश्वविद्यालय की स्थापना दिवस समारोह में कुलपति महोदय द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। दिनांक 06 सितम्बर, 2019 को एक हिंदी व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें श्री नंद भारद्वाज, सेवानिवृत्त निदेशक, दूरदर्शन केंद्र, जयपुर तथा प्रसिद्ध हिंदी लेखक ने 'राजभाषा का महत्व एवं इसकी चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय में दिनांक 14 सितम्बर, 2019 को हिंदी दिवस मनाया गया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रोत्साहन हेतु अनेक कदम उठाये जा रहे हैं तथा हिंदी में प्रयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है।

अन्य सहायक सुविधाएं

शैक्षणिक वातावरण कक्षाओं, व्याख्यान कक्ष, प्रयोगशालाओं, अध्ययन कक्ष, छात्रावास और पुस्तकालय से सुसज्जित है। सहायक बुनियादी अवसंरचना में खेल के मैदान, व्यायामशाला, सभागार, बैंक, एटीएम, डाकघर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स आदि शामिल हैं। स्वास्थ्य लाभ हेतु टहलने और तनाव मुक्ति के लिए चौड़ी सड़क के किनारे हरियाली युक्त फुटपाथ बनाये गये हैं तथा स्ट्रीट लाइट लगाये गये हैं। संपूर्ण अवसंरचना सतत विकास के मूलमंत्र को ध्यान में रखकर किया गया है। विश्वविद्यालय के छात्रों और निवासियों के सुविधायुक्त जीवन को सुनिश्चित करने के लिए इस दिशा में अनेक प्रयास किए जाते हैं। कैंपस के भीतर और किशनगढ़ शहर से छात्रों और कर्मचारियों के आवागमन हेतु परिवहन की सुविधा उपलब्ध है। विश्वविद्यालय की बस नियमित रूप से किशनगढ़ से सुबह और शाम दो बार विश्वविद्यालय जाती है। बस सुबह, शाम, और दोपहर के भोजन के ब्रेक के दौरान छात्रावास से छात्रों को उनके शैक्षणिक ब्लॉक तक पहुँचाती है। परिसर के भीतर यातायात हेतु अन्य दो ई-रिक्शा हैं। छात्रों और कर्मचारियों के आवागमन हेतु सुबह से लेकर देर शाम तक, बांदरसिंदरी राजमार्ग बस-स्टॉप से विश्वविद्यालय परिसर के बीच एक ऑटो-रिक्शा की सुविधा भी उपलब्ध है।

राजस्थान सौर ऊर्जा से समृद्ध है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में सौर पैनल को स्थापित करके सौर ऊर्जा का उपयोग करने के प्रयास किए गये। बिजली की खपत को कम करने और सौर-ऊर्जा का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ये पैनल विश्वविद्यालय के छात्रावासों की छतों पर तथा अकादमिक ब्लॉक में लगाये गये हैं और अन्य भवनों भी इसे लगाये जाने की योजना बनाई गई है। ग्रिड से जुड़ा रूफ टॉप सौर संयंत्र लगाये गये हैं और वर्तमान में इस सौर संयंत्र के माध्यम से 780 किलोवाट बिजली उत्पन्न होती है। यह बिजली पावर ग्रिड के साथ जुड़ा हुआ है, इस प्रकार बिजली के बिल को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, संधारणीय अवसंरचना को विकसित करने के लिए जल-संचयन प्रणाली की रूप-रेखा बनाई गई। जागरूकता पैदा करने और विश्वविद्यालय के सभी निवासियों की सुविधा हेतु पर्यावरण को हरा-भरा रखने के लिए नियमित रूप से वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता अभियान चलाया गया। विशेष स्थानों पर डस्टबिन रखे जाते हैं और उसकी नियमित सफाई की जाती है। लगातार वृक्षारोपण के माध्यम से हरित क्षेत्र का विस्तार हो रहा है। वर्तमान में, अन्य छात्रावास भवन निर्माणाधीन है और इनके अगले वर्ष तक पूरा होने की संभावना है।

अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्राओं के लिए छात्रावास भवन निर्माणाधीन है

विद्यार्थी सहायता प्रणाली

समान अवसर प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय ने अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमीलेयर)/अल्पसंख्यक छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए उपयुक्त कार्यक्रमों / योजनाओं को तैयार करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में अ.जा. / अ.ज.जा. छात्रों को सहायता प्रदान करने हेतु वित्तीय और अन्य शैक्षणिक संसाधन जुटाने के लिए सरकार और अन्य वित्त पोषण एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करने हेतु एक समान अवसर प्रकोष्ठ की स्थापना की है। प्रो. जे.के. प्रजापत, प्रोफेसर, गणित विभाग, समान अवसर प्रकोष्ठ के समन्वयक हैं।

रैगिंग विरोधी समिति

विश्वविद्यालय परिसर में रैगिंग से निपटने के लिए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक रैगिंग विरोधी प्रकोष्ठ संचालित है। विश्वविद्यालय में एक रैगिंग विरोधी दस्ता है जो रैगिंग मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने हेतु छात्रों की निगरानी करता है और उन्हें इसके प्रति संवेदनशील बनाता है। वर्ष 2019-20 के लिए रैगिंग विरोधी समिति में निम्नलिखित सदस्य थे-

अध्यक्ष	प्रो. अरुण कुमार पुजारी, कुलपति
संयोजक / नोडल अधिकारी	कुलानुशासक (पदेन)
कुलपति द्वारा नामित	श्री के.वी.एस.कामेश्वर राव (कुलसचिव)
संकाय प्रतिनिधि	विपिन कुमार (मुख्य वार्डन) डॉ. एस. कांदासामी डॉ. अंजली शर्मा श्री रवि सहारन डॉ. नगेंद्र कुमार डॉ. मो. हुसैन कुनरु
अशैक्षणिक कर्मचारी प्रतिनिधि	डॉ. ओम कुमार कर्ण
	श्री सरोज कुमार पांडा
	सुश्री प्रतिमा चट्टराज
स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि	श्री इंदर सिंह राठौड़, एसएचओ, बांदरसिंदरी पुलिस स्टेशन
स्थानीय मीडिया के प्रतिनिधि	श्री श्याम मनोहर पाठक, वरिष्ठ संवाददाता, दैनिक भास्कर, किशनगढ़

विद्यार्थी परिषद

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के लिए एक विद्यार्थी परिषद का गठन किया गया और विभागीय आधार पर विद्यार्थियों का चयन किया गया। इसके अलावा, विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद ने छात्रों को उनकी पढ़ाई, खेल-कूद और पाठ्येतर गतिविधियों में योग्यता के आधार पर भी विद्यार्थी परिषद के सदस्यों के रूप में मनोनीत किया। चुनाव 30 अगस्त, 2019 को आयोजित किए गए। विभिन्न विभागों से कुल 19 विद्यार्थी प्रतिनिधि चुने गए थे और 20 विद्यार्थी अकादमिक परिषद द्वारा मनोनीत किये गए । सूची इस प्रकार है :

मनोनीत प्रतिनिधियों की सूची

क्र. सं.	समूह	प्रतिनिधियों की संख्या	मनोनीत प्रतिनिधियों के नाम
1	पीएच.डी.	2	1. श्री राम सिंह जाट (2018PHDCH003) 2. श्री लक्ष्मण राम जाट (2016PHDHINDI01)
2	एम.टेक, एम.फार्मा, एम. आर्क.	1	श्री नरेंद्र कुमार (2019MTCSE006)
3	वास्तुकला	1	श्री अर्पित कुमार (2017BVOCID007)
4	रसायन विज्ञान	1	श्री जितेन्द्र (2019IMSBCH009)
5	भौतिक विज्ञान	1	श्री हर्षवर्धन सिंह (2018IMSBPH002)
6	गणित	1	श्री आदर्श श्रीवास्तव (2018MSM004)
7	अर्थशास्त्र	1	सुश्री शिवानी (2017IMSEC014)
8	जैव रसायन + खेल विज्ञान स्कूल	1	श्री सत्येन्द्र सिंह (2018MSBC011)
9	सूक्ष्म जैविकी	1	सुश्री मधु कुमारी (2019MSMB009)
10	जैव प्रौद्योगिकी	1	सुश्री निधि गोदारा (2015IMSBT014)
11	कंप्यूटर विज्ञान	1	श्री निर्मल कुमार शेर (2016IMSCS005)
12	सांख्यिकी	1	श्री सचिन सचदेवा (2015IMSST014)
13	सामाजिक कार्य + सीएमएस + पीपीएलजी + सोसाइटी टेक्नोलॉजी इंटरफ़ेस	1	श्री देवेन्द्र सोनी (2018MACMS002)
14	हिंदी	1	श्री चेनाराम देपन (2018MAH004)
15	अंग्रेज़ी	1	श्री प्रखर श्रीवास्तव (2018MAEN003)
16	वाणिज्य	1	सुश्री वंदना कुमारी, (2018MCOM005)
17	प्रबंधन	1	श्री तनुज कांति डे (2018MBA024)
18	पर्यावरण विज्ञान + वायुमंडलीय विज्ञान	1	श्री हर्षवर्धन सिंह राठौर (2019MSES009)
19	शिक्षा	1	कोई नामांकन नहीं

मनोनीत प्रतिनिधियों की सूची

समूह	प्रतिनिधियों की संख्या	मनोनीत प्रतिनिधियों के नाम
4 छात्रों को 5 वर्षीय एकीकृत एमएससी कार्यक्रम से, अधिमानतः प्रत्येक वर्ष (बैच 2 वर्ष से 5 वर्ष) शैक्षणिक योग्यता के आधार पर नामांकित किया जाएगा। शैक्षणिक योग्यता का अभिप्राय वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ होने तक उच्चतम सीजीपीए है।	04	1. श्री मोहित शर्मा, गणित विभाग (2015IMSMT016) 2. सुश्री पूनम साद, अर्थशास्त्र विभाग (2016IMSEC011) 3. सुश्री प्रियंका चौधरी, गणित विभाग (2017IMSMT007) 4. सुश्री अनिशा शेषमा, गणित विभाग (2018IMSMT001)

10 छात्रों को अलग-अलग अध्ययन स्कूल, प्रत्येक स्कूल से अधिमानतः एक, से अकादमिक योग्यता के आधार पर नामांकित किया जाएगा। शैक्षणिक योग्यता का अभिप्राय 5 वर्षीय एकीकृत इंटीग्रेटेड एमएससी कार्यक्रम और पीएचडी कार्यक्रम के अलावा अन्य कार्यक्रमों में छात्रों के बीच वर्तमान शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत तक उच्चतम सीजीपीए है। निर्वाचित सदस्यों द्वारा प्रतिनिधित्व नहीं करने वाले विभागों को वरीयता दी जाएगी।	10	1. सुश्री के.एस. श्रीलक्ष्मी, (2018MAEN001) अंग्रेजी विभाग, मानविकी और भाषा स्कूल 2. सुश्री रौनक माहेश्वरी, (2018MSDS004) डिजिटल सोसायटी विभाग, सामाजिक विज्ञान स्कूल 3. सुश्री तृप्ति साहू (2018MPP009),फार्मेसी विभाग (फार्मासेक्टिक्स), रासायन विज्ञान और फार्मेसी स्कूल 4. सुश्री प्रिया चौहान (2018MSBC001), जैव रसायन विभाग, जीवन विज्ञान स्कूल 5. सुश्री सरन्या दिवाकरन पी सी (2018MARCH012), वास्तुकला विभाग, वास्तुकला स्कूल 6. सुश्री खुशाली जैन (2018MBA015), प्रबंधन विभाग, वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल 7. सुश्री संगीता कुमावत, गणित विभाग, गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल विज्ञान स्कूल (2018MS000000) 8. सुश्री करिश्मा यादव (2018MTCSE002), कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी स्कूल 9. श्री अभिजीत बैश्य (2018MSYT001), योग चिकित्सा विभाग, शिक्षा स्कूल 10. सुश्री अंजली वशिष्ठ (2018MSSB001), खेल जैव रसायन विभाग, खेल विज्ञान स्कूल
एक छात्र एनएसएस प्रकोष्ठ से नामित किया जाएगा।	01	1. श्री कुमार सौरव, (2017IMSPH006), भौतिकी विभाग
दो छात्रों को खेल में योग्यता के आधार पर नामांकित किया जाएगा।	02	1. सुश्री प्रियांशी राणा, (2015IMSBC014), जैव रसायन विभाग 2. श्री सतपाल, (2015IMSPH022), भौतिकी विभाग
दो छात्रों को अन्य पाठ्येतर गतिविधियों जैसे सांस्कृतिक गतिविधियों के आधार पर नामांकित किया जाएगा।	02	1. श्री हिमांशु चौधरी, (2016IMSES007), पर्यावरण विज्ञान विभाग 2. सुश्री अनुराधा छीपा, (2018IMSBPH017), भौतिकी विभाग
एक छात्र को अंतर्राष्ट्रीय छात्रों में से नामांकित किया जाएगा।	01	1. श्री मोहम्मद ए. जे. अबुलेबदा, (2018PHDSTA002), सांख्यिकी विभाग

स्पर्श प्रकोष्ठ द्वारा संचालित गतिविधियाँ (2019-20)

- स्पर्श प्रकोष्ठ ने 13 अगस्त, 2019 को लैंगिक संवेदनशीलता और जागरूकता पर छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में एम.एससी., इंटीग्रेटेड एम.एससी. और पीएच.डी. कार्यक्रमों में सम्मिलित नए बैच के छात्रों को यौन उत्पीड़न से संबंधित विषयों और विश्वविद्यालय में संचालित स्पर्श प्रकोष्ठ की संवेदनशीलता के बारे में सूचित/आमंत्रित किया गया।

- शीर्ष स्पर्श समिति की बैठक 30 अगस्त, 2019 को प्रशासनिक भवन, प्रथम तल पर आयोजित की गई। ऐसी बैठकें नियमित रूप से समिति की जिम्मेदारियों से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के प्रबंधन और संचालन के लिए बुलाई जाती हैं।

- स्पर्श प्रकोष्ठ द्वारा 1 अक्टूबर, 2019 को विश्वविद्यालय सभागार में "मेरा पहनावा मेरी पसंद" विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लैंगिक संवेदनशीलता के बारे में छात्रों के संवेदीकरण का हिस्सा था। इस कार्यक्रम में, छात्रों को लैंगिक मुद्दों से संबंधित दिए गए विषय पर बहस करने के लिए कहा गया। इस तरह के कार्यक्रम छात्रों को समाज के सभी पक्षों पर चर्चा और बहस करने हेतु एक साझा मंच पर लाने के लिए आयोजित किए जाते हैं जिससे सभी लोगों में जागरूकता फैलती है।

- विभिन्न मामलों पर चर्चा करने के लिए 17 जनवरी, 2020 को स्पर्श समिति की बैठक आयोजित की गई। प्रसिद्ध एनजीओ कार्यकर्ता डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, जो समिति की सदस्य भी हैं, बैठक में शामिल हुई।

- स्पर्श प्रकोष्ठ ने 26 फरवरी, 2020 को एक "पोस्टर प्रतियोगिता" का आयोजन किया। पोस्टर प्रतियोगिताएँ लैंगिक समानता और यौन शोषण से संबंधित मुद्दों के बारे में छात्रों के संवेदीकरण के लिए स्पर्श प्रकोष्ठ गतिविधि का हिस्सा हैं। इन आयोजनों में स्पर्श समिति द्वारा प्रतिभागी छात्रों को चार्ट और कलर पेन और क्रेयॉन प्रदान किए जाते हैं और छात्रों को किसी भी विषय का उपयोग करते हुए चित्र के माध्यम से पेपर कैनवस पर बिना शब्दों का प्रयोग करते हुए अपने विचारों को रखने के लिए कहा जाता है। यह समाज में व्यापक रूप से यौन शोषण और उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों के बारे में छात्रों को उत्साहित करने का एक रचनात्मक माध्यम है। प्रतियोगिता में बनाए गए पोस्टरों को पुरस्कृत भी किए जाते हैं और उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न सूचना पट्टों पर उन्हें प्रदर्शित किया जाता है।

कार्यक्रम

छठा दीक्षांत समारोह

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का छठा दीक्षांत समारोह 3 दिसंबर, 2019 को आयोजित किया गया। डॉ. के. सिवन, अध्यक्ष, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO), और सचिव, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार समारोह के मुख्य अतिथि थे और उन्होंने दीक्षांत समारोह में व्याख्यान भी दिया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ. के. कस्तूरीरंगन ने की। कार्यकारी परिषद, अकादमिक परिषद और कोर्ट के सदस्यगण, आमंत्रित विशिष्ट अतिथिगण, मीडियाकर्मी, संकाय सदस्य, छात्र-छात्राएँ तथा उनके माता-पिता समारोह में उपस्थितहुए। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. अरुण के. पुजारी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

दीक्षांत समारोह व्याख्यान के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. के. सिवन ने कहा कि "छात्रों को सफलता और जोखिम लेने की क्षमता विकसित करनी चाहिए", "गंभीर सोच और समस्या को हल करना, सहयोग करने की क्षमता, चपलता और अनुकूलन क्षमता, पहल, प्रभावी संचार, जानकारी का आकलन और विश्लेषण करना, और जिज्ञासा, कल्पना एवं ध्यान, चरित्र निर्माण के सात पहलू हैं"।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अरुण कुमार पुजारी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा, "भाषा लोगों के दैनिक जीवन में न केवल संचार, शिक्षा, सामाजिक एकीकरण के रूप में, बल्कि सांस्कृतिक इतिहास और परंपरा भंडार के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। संयुक्त राष्ट्र ने न केवल इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए, बल्कि दूसरों के लिए भी इनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2019 को "स्वदेशी भाषाओं का वर्ष" घोषित किया है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय ने मानविकी स्कूल में भाषा विज्ञान विभाग की स्थापना की और स्वदेशी भाषाओं पर जोर देने के साथ भाषाई और भाषा विज्ञान में 5-वर्षीय एकीकृत एम.एससी. कार्यक्रम शुरू किया। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग ने एक नया विभाग – इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग भी स्थापित किया है। इसने हमें अपनी लंबे समय से प्रतीक्षित योजना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया और दो नए कार्यक्रमों बी.टेक., कंप्यूटर विज्ञान एवं आभियांत्रिकी और बी.टेक. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार शुरू किए हैं। कुलपति ने आगे उल्लेख किया कि विश्वविद्यालय ने एक प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला शुरू की है। इस व्याख्यान श्रृंखला के तहत समकालीन विषयों पर व्याख्यान देने के लिए प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाता है और संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत भी की जाती है।

शिक्षण और अनुसंधान प्रमुख क्षेत्र हैं, जिन्हें नवीनतम उपकरणों, तकनीकों, ज्ञान और कौशल के साथ निरंतर उन्नत करने की आवश्यकता है, ताकि छात्रों को महत्वपूर्ण सोच, समस्या समाधान, संचार, समूह के काम और विश्लेषण के क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जा सके। शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन (PMMMNMTT) की योजना के तहत शिक्षण अध्ययन केंद्र संकाय विकास के लिए शिक्षण, अनुसंधान और

व्यावसायिक विकास के लिए विद्वानों और अंतःविषय दृष्टिकोण के मिश्रण का उपयोग कर मौजूदा ज्ञान को नवीनीकृत करने के लिए समर्पित है। विश्वविद्यालय नियोजन प्रकोष्ठ इस वर्ष बहुत सक्रिय रहा है और इसने परिसर के अंदर और बाहर विभिन्न कार्यशालाओं और नियोजन अभियान का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय 65 स्नातक, 301 स्नातकोत्तर, और 200 से अधिक एम.फिल. और पीएच.डी पाठ्यक्रमों के लिए 14 केंद्रीय विश्वविद्यालयों की सहभागिता में केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (CUCET) का समन्वय और प्रबंधन करता है। एक मायने में, हम देश में उच्च शिक्षा पारिस्थिति की तंत्र में सुधार के लिए योगदान कर रहे हैं। सीयूसीईटी 2019 का स्तर 132 केंद्रों के साथ 2 लाख उम्मीदवारों तक बढ़ गया है।

विज्ञान स्कूलों द्वारा शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए अत्याधुनिक उपकरणों, विभिन्न कार्यशालाओं और समर्थन सुविधाओं की आवश्यकता है। ये उपकरण और सुविधाएं शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों को बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। विश्वविद्यालय ने अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए साझा आधार पर संसाधनों को समृद्ध करने के मिशन के साथ केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा (सीआईएफ) स्थापित करने का निर्णय लिया।

कुल 583 छात्रों (इंटीग्रेटेड एम.एससी. कार्यक्रम से निर्गत विकल्प का प्रयोग करने वाले 65 डिग्री छात्रों सहित) को उपाधि प्रदान की गई। मुख्य अतिथि ने 42 शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए और 02 छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए आर्मस्ट्रांग पुरस्कार प्रदान किया गया। 42 स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ताओं में 25 छात्राएँ थीं। पिछले छह वर्षों से शीर्ष स्थान हासिल करने में लड़कियों के प्रदर्शन जारी है। सामान्य तौर पर, विशेष रूप से जैव रसायन, रसायन विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र, भौतिकी और सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में छात्राओं का प्रदर्शन अभूतपूर्व और अत्यधिक उत्साहजनक रहा है।

छठा दीक्षांत समारोह

71 वाँ गणतंत्र दिवस समारोह

71 वाँ गणतंत्र दिवस राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में ध्वजारोहण के साथ-साथ विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, नाटक, संगीत आदि सहित सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ मनाया गया। गणतंत्र दिवस परेड सुबह 10:00 बजे आयोजित की गई जिसमें लगभग 800 छात्र, संकाय सदस्य और कर्मचारी उपस्थित थे। गणतंत्र दिवस भाषण माननीय कुलपति प्रो. अरुण कुमार पुजारी द्वारा दिया गया।

73 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

73 वाँ स्वतंत्रता दिवस परिसर में परंपरागत वैभव और देशभक्ति के जज्बे के साथ मनाया गया। माननीय कुलपति प्रो. अरुण कुमार पुजारी द्वारा ध्वजारोहण करने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वतंत्रता दिवस परेड का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने सुबह 10:00 बजे शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति में किया गया। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के बलिदान का स्मरण करते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति लगातार उत्साही छात्र स्वयं सेवकों द्वारा सक्रिय रूप से आयोजित क्लबों के माध्यम से कला प्रदर्शन और बौद्धिक प्रवचन की विभिन्न मधुर संध्याओं के आयोजन के तहत रचनात्मकता और परिसर में सकारात्मक वातावरण को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में संलग्न है। सांस्कृतिक समिति ने छात्रों के लिए क्लबों के तहत आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने हेतु एक सांस्कृतिक कैलेंडर तैयार किया है। सांस्कृतिक समिति में पांच क्लब हैं, जिनके नाम हैं, साहित्यिक क्लब (अभिव्यक्ति), नाटक क्लब (अभिनय), नृत्य क्लब (नृत्यदा), संगीत क्लब (सरगम), कला क्लब (कला-कृति) । प्रत्येक क्लब में समारोह तथा क्लब की गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने हेतु एक संकाय समन्वयक और एक छात्र समन्वयक होते हैं । इनमें से प्रत्येक क्लब ने पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों और वार्षिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जहां छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और परिसर के जीवन में रंगों और खुशियों को जोड़ा। विभिन्न क्लब स्पर्धाओं के विजेताओं को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा स्थापना दिवस समारोह में प्रमाण-पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। गुजरात के उका तरसड़िया विश्वविद्यालय में 27 से 31 दिसंबर, 2019 के बीच आयोजित 35 वें वेस्ट-ज़ोन अंतर-विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में 34 छात्रों के समूह ने भाग लिया। छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और 'गरबा' का पुरस्कार जीता। युवा उत्सव में भाग लेने की लागत पूरी तरह से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित थी।

वर्ष 2019-20 में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां इस प्रकार हैं- नृत्य क्लब (नृत्यदा) ने 3 व 4 अक्टूबर, 2019 को अपनी वार्षिक नृत्य प्रतियोगिता "मल्हार" का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया। इसमें एकल, युगल और समूह प्रदर्शन जैसे विभिन्न कार्यक्रम थे जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया तथा स्क्रीनिंग के बाद कार्यक्रम के लिए अंतिम दौर हेतु चुने गए। आयोजन में लोक नृत्य, भारतीय शास्त्रीय और पश्चिमी प्रदर्शन किये गये। प्रत्येक कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र और पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस क्लब के स्वयंसेवकों ने भी प्रदर्शन किया। क्लब के संकाय समन्वयक डॉ. प्रांत प्रतीक पटनायक एवं छात्र समन्वयक श्री हिमांशु चौधरी थे।

नाटक क्लब (अभिनय) ने 30 जनवरी, 2020 को मंच पर समापन कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों ने मोनो एक्ट, स्किट, माइम और स्टेज प्ले के माध्यम से मंच पर विभिन्न नाटकों का मंचन किया। छात्र अपना प्रदर्शन देने के लिए उत्साहित थे, जिससे आयोजन की संध्या बहुत ही जीवंत और मनोरंजक साबित हुई। नाटक क्लब ने हमेशा छात्रों को अपने विचारों और समाज की चुनौतियों को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया और बताया कि नाटक एक माध्यम ऐसा है जिसके द्वारा मनोरंजन करके संदेश दिया जा सकता है। क्लब के संकाय समन्वयक डॉ. वेद प्रकाश एवं छात्र समन्वयक श्री हंसराज आर्य थे।

संगीत क्लब (सरगम) ने 7 फरवरी, 2020 को अपने वार्षिक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा मंच पर मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रदर्शन किया। एकल गायन, युगल गायन और समूह गायन तीन कार्यक्रम हुए। छात्रों ने विभिन्न भारतीय शास्त्रीय, राष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों के लोक गीत और पश्चिमी संगीत का भी

प्रदर्शन किया। इस संध्या में आयोजन को अधिक जीवंत बनाने के लिए नृत्य क्लब के छात्र भी सक्रिय रूप से शामिल हुए। विजेताओं को पुरस्कार और प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया। क्लब के संकाय समन्वयक डॉ. महेंद्र साहा एवं छात्र समन्वयक सुश्री शिवांशी शर्मा और श्री रोहित राय थे।

कला क्लब (कला-कृति) ने पोस्टर, स्केचिंग, डूडलिंग, फेस पेंटिंग, मेहन्दी और रंगोली के माध्यम से छात्रों की कलात्मक भावना को निखारने का निरंतर प्रयास किया। पोस्टर प्रतियोगिता के लिए "डिजिटल इंडिया, नो प्लास्टिक एंड फिट इंडिया", एवं स्केचिंग के लिए "सीयूराज परिसर लाइफ, लैंड स्केप एंड सीजन" विषय थे। छात्रों ने फर्श पर रंगोली बनाई और उनमें से कई ने हाथों पर खूबसूरती से मेहंदी भी लगाई और फेस पेंटिंग में भाग लिया। सभी कला कार्यों को 7 फरवरी, 2020 को विश्वविद्यालय के सभागार में प्रदर्शित किया गया। प्रत्येक कार्यक्रम में शीर्ष स्थिति धारकों को पुरस्कार और प्रशंसा पत्र दिए गए। क्लब की संकाय समन्वयक डॉ. विद्योत्तमा जैन थी। छात्र समन्वयक श्री ऋषभ पारीक और सुश्री ध्रुवी सोनी थी।

साहित्यिक क्लब (अभिव्यक्ति) ने पूरे वर्ष ओपन माइक, कविता पाठ, साहित्यिक सर्कल और वार्षिक साहित्यिक कार्यक्रम जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। छात्रों द्वारा लिखित कहानी, कविता पाठ सुनाने के लिए 7 नवंबर 2019 को "ओपन माइक" का आयोजन किया गया। कविता की लयबद्ध धुन में सभी को शामिल करने के लिए छात्र स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम खुले मैदान में आयोजित किया गया। साहित्यिक क्लब का वार्षिक आयोजन **"आग़ाज़"** 11 फरवरी, 2020 को विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। चयनित छात्र अपने रचनात्मक लेखन के साथ मंच पर आये और बहुत ही विचारशील संध्या प्रस्तुत किया जिसमें शांति, प्रकृति, आंतरिक संघर्ष और ठेठ मानवीय रिश्तों पर प्रकाश डाला गया। सभी प्रतिभागी छात्रों को प्रशंसा और स्मृति चिह्न तथा प्रमाण पत्र दिए गए। क्लब के संकाय समन्वयक डॉ. नेहा अरोड़ा थी। छात्र समन्वयक प्रखर श्रीवास्तव और गुलाम यजदानी थे।

हम सभी के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने विचारों, व्यवहार और कार्यों में ईमानदारी का पालन करें और इसे बढ़ावा दें। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया, और इस अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता और नाटक (नुक्कड़ नाटक) के माध्यम से **"ईमानदारी-एक जीवन शैली (इंटीग्रिटी अ वे ऑफ लाइफ)"** विषय पर एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन **"21 वीं सदी के भारत में अखंडता – विकल्प अनिवार्य नहीं"** विषय पर किया गया। छात्रों ने अपना निबंध भी प्रस्तुत किया, जिसका निर्णय किया गया और विजेताओं को प्रशंसा और पुरस्कार प्रमाण पत्र दिए गए। सांस्कृतिक समिति के छात्र स्वयंसेवकों ने एक **"नुक्कड़ नाटक"-"ईमानदारी-एक तलाश"** भी प्रस्तुत किया जिसमें राष्ट्र के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए अखंडता के महत्व के बारे में बताया गया।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के वरिष्ठ छात्रों ने विभिन्न स्कूलों और विभागों में शामिल नए बैचों का स्वागत करने में हमेशा सक्रिय उत्साही और मैत्रीपूर्ण भूमिका निभाई। शैक्षणिक सत्र 2019-20 में शामिल होने वाले नए छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, विश्वविद्यालय सभागार में 1 अगस्त, 2019 को एक मधुर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। यह सांस्कृतिक संध्या किशनगढ़ और राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देने के लिए थी। इस कार्यक्रम में पंडित चंद्र प्रकाश, जो किशनगढ़ के हवेली संगीत में गायक और विशेषज्ञ हैं, को आमंत्रित किया गया था। हवेली संगीत का मंदिरों में प्रदर्शन का पुराना इतिहास है जो कृष्ण भक्ति में निहित है। पंडित चंद्र प्रकाश को माननीय कुलपति द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अलावा, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा राजस्थानी गीत और नृत्य प्रस्तुत किये गये। यह संध्या पारंपरिक और शास्त्रीय स्वाद का एक पूर्ण मिश्रण थी जो वास्तव में राजस्थान के रंगों का प्रतिनिधित्व करती थी।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार, विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति ने **"सीमा रहित भाषा"** विषय पर मातृभाषा दिवस (अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस) का आयोजन किया। यह आयोजन 3 मार्च, 2020 को किया गया, उस दिन विश्वविद्यालय की स्थापना दिवस कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। हमारी अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भाषा एक महत्वपूर्ण वाहन है। प्रायः कुछ प्रमुख आधिकारिक भाषाओं को प्राथमिकता मिलती है, लेकिन स्वदेशी पहचान को बढ़ावा देने के लिए अपनी संस्कृति और विरासत के मानवीय मूल्यों, शाश्वत विश्वास और मानवता

को बढ़ावा देना आवश्यक है। गैर-भौतिकवादी संस्कृतियां हमारे जीवन के आवश्यक घटक हैं, इस प्रकार मातृभाषा को बढ़ावा देना हमारे अपने भावनात्मक, सामाजिक और सांस्कृतिक कल्याण के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। उत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषा, संस्कृति और परंपराओं की विविधता को उजागर करते हैं, और साथ ही साथ हमारी मातृभूमि 'भारत' की प्रगति के लिए एक-दूसरे के प्रति सम्मानजनक और दयालु होने पर जोर देते हैं। यह उत्सव हमारी अपनी अनोखी भाषा की खुशी और सुंदरता पर केंद्रित था। इस आयोजन में विभिन्न भाषाई पृष्ठभूमि के छात्रों ने आकर अपनी अनूठी प्रस्तुतियाँ दीं। इस संध्या में गीत, नृत्य, कविता पाठ के माध्यम से कुल 14 अलग-अलग भाषाओं को प्रस्तुत किया गया। जबकि असम के छात्रों ने बिहू प्रस्तुत किया, गुजरात के छात्र डांडिया के साथ आए, और कश्मीर के छात्रों ने पारंपरिक गीत प्रस्तुत किए। इसी प्रकार, बंगाल के रवीन्द्र संगीत, असम, बंगाल, बिहार, उड़ीसा और छत्तीसगढ़, नागालैंड, तमिलनाडु के विभिन्न लोक गीतों और नृत्यों का प्रदर्शन किया गया। छात्र समूह द्वारा भारत की संस्कृति को दिखाने के लिए मूक अभिनय किया गया। प्रदर्शन में भारत के विभिन्न सांस्कृतिक त्योहारों को हर कोने से दिखाया गया। इसमें होली, ईद, क्रिसमस, बिहू, ओणम, दुर्गा पूजा, नवरात्रि, पोंगल, लोहड़ी आदि को दर्शाया गया। समूह ने बताया कि भारत की विविधता ने देश को विशिष्ट और दूसरों से अलग बनाया है और हम सभी को अपनी भारतीय पहचान पर गर्व है। कार्यक्रम का समापन केरल के फ्यूजन लोक नृत्य के साथ हुआ। छात्र समूह ने मंदिर के गीत, मुस्लिम विवाह की रस्में, कथकली और अंत में संविधान के प्रस्तावना को ध्यान में रखने के लिए एक नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम स्टेज शो "वी द पीपल ऑफ इंडिया" के संदेश के साथ समाप्त हुआ।

स्पिक मैके (युवाओं के मध्य भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति के संवर्धन के लिए सोसायटी) कार्यक्रम:

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय लगातार छात्रों के बीच सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में लगा हुआ है, इसलिए सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक एंड कल्चर फॉर यूथ्स (स्पिक मैके) द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शन नियमित रूप से विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय ने 04 अप्रैल, 2019 को अपने आधिकारिक ज्ञापन (एफ. नं. 13-19/2019-टीसी) के माध्यम से केंद्रीय विश्वविद्यालयों को स्पिक मैके कार्यक्रम के आयोजन का निर्देश भी दिया था। वर्ष 2019-20 में, स्पिक मैके द्वारा छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के लिए दो सांस्कृतिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किए गए। सभी कार्यक्रम अपने आप में भव्य थे।

28 जुलाई, 2019 (रविवार) को स्पिक मैके द्वारा विश्वविद्यालय के सभागार में एक नृत्य प्रदर्शन "गोटीपुआ" का मंचन किया गया। गोटीपुआ भगवान-जगन्नाथ और कृष्ण की प्रार्थना और महान शक्ति और प्रेम को व्यक्त करने के लिए एक पारंपरिक नृत्य है, जो पारंपरिक रूप से पुरी, ओडिशा के विश्व प्रसिद्ध मंदिर में किया जाता है। इस नृत्य की अनूठी विशेषता यह है कि इसमें नर्तक युवा किशोर होते हैं, जो मंदिर में प्रदर्शन करने से पहले एक साथ वर्षों तक इस नृत्य को सीखते हैं। रघुराजपुर (पुरी के पास) एक ऐतिहासिक गाँव है जो अपने गोटीपुआ नृत्य मंडलों के लिए जाना जाता है। स्पिक मैके के माध्यम से 11 प्रतिभाशाली युवा नर्तकों का एक समूह यहां आया और कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

सुश्री अनीता शर्मा द्वारा 14 अक्टूबर, 2019 (सोमवार) को विश्वविद्यालय सभागार में **"सत्रिया नृत्य"** प्रस्तुत किया गया। उन्होंने यह भी समझाया कि सत्रिया की उत्पत्ति भारत के पूर्वी राज्य असम में हुई है। यह एक नृत्य-नाट्य प्रदर्शन कला है जिसकी उत्पत्ति असम के कृष्ण-केंद्रित वैष्णव मठों में हुई थी और इसका श्रेय 15वीं शताब्दी के भक्ति आंदोलन के विद्वान और संत महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव को दिया जाता है। प्रदर्शन के दौरान सुश्री अनीता ने मंच पर डांस क्लब के स्वयंसेवकों के एक समूह को उनके साथ प्रदर्शन करने के लिए कहा और दर्शकों के लिए यह कार्यक्रम बहुत ही सहभागी और सुखद बना दिया।

स्थापना दिवस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 03 मार्च, 2020 को 11 वर्ष पूरे किए। इस शुभ अवसर पर, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का 12 वां स्थापना दिवस पूरे धूमधाम से मनाया गया। सूर्योदय के समय सामूहिक सूर्य नमस्कार के साथ स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत की गई। माननीय कुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, शिक्षक, कर्मचारी और विश्वविद्यालय के छात्रों सहित विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ इसमें भाग लिया। विश्वविद्यालय झंडे को सम्मान देने के लिए एसपी-4 भवन के लॉन में प्रात: 10:00 बजे राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का झंडा फहराया गया।

स्थापना दिवस समारोह का मुख्य कार्यक्रम पूर्वाह्न 11:00-1:00 बजे के दौरान आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र उपस्थित थे। इस समारोह में अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों जैसे कुलपति और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के निदेशकों के साथ ही केंद्र और राज्य सरकार के गण्यमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

आयोजन के प्रारम्भ में, माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने देश के संविधान की प्रस्तावना और अनुच्छेद 51ए को पढ़ा और इसे दोहराने की अपील की। इसके बाद, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर अरूण कुमार पुजारी ने मुख्य अतिथि और अन्य सभी गण्यमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और स्थापना के बाद से 11 वर्षों की छोटी अवधि में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रगति की एक संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के संबंध में उन्होंने कहा कि श्री मिश्र एक सरल, मृदुभाषी, दिखावे के शत्रु, सिद्धांतवादी व्यक्ति और स्वच्छ भारतीय हैं। वह अपने लेखन के माध्यम से देश की आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर आवाज उठाते रहे हैं। उनके द्वारा लिखी गई "न्यायिक जवाबदेही" और "हिंदुत्व एक जीवनशैली" जैसी पुस्तकें बहुत लोकप्रिय रही हैं। प्रो. पुजारी ने कहा कि विश्वविद्यालय का 12 वां स्थापना दिवस एक शुभ अर्थ है और इसकी तुलना भारत के प्राचीन कोणार्क मंदिर से की जाती है, और कहा गया है कि कोणार्क मंदिर के रथ में 12 चक्र होते हैं और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय "सूरज" की तरह उच्चारित होता है। विश्वविद्यालय के 12 वें स्थापना दिवस समारोह को 12 बार सूर्य नमस्कार के साथ शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 में, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित 12 केंद्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई थी और वर्तमान में विश्ववविद्यालय में 12 अध्ययन स्कूलों में शिक्षा प्रदान की जा रही है।

इसके पश्चात, श्री कलराज मिश्र ने स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन से लोगों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। वेद, गणित, ग्रह, ज्योतिष, आयुर्वेद, चाणक्य आदि का उद्धरण देते हुए उन्होंने कहा कि ये सभी ज्ञान के भंडार हैं और इनसे ज्ञान प्राप्त करना विश्वविद्यालय का दायित्व है। उन्होंने कहा कि पुस्तकों द्वारा प्रदान किए गए ज्ञान के अलावा, अनुसंधान और नवाचार पर अधिक से अधिक जोर देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान राज्य में जल स्थिरता सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है, इसलिए विश्वविद्यालय का जोर वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जल पुनर्चक्रण और जल संरक्षण इत्यादि पर होना चाहिए। उपलब्ध सीमित जल का उपयोग और रेगिस्तान में हरियाली कैसे लाई जा सके इस क्षेत्र में अनुसंधान गतिविधियाँ की जानी चाहिए।

माननीय राज्यपाल ने यह भी सुझाव दिया कि प्रत्येक विश्वविद्यालय में एक 'संविधान पार्क' बनाया जाना चाहिए जहाँ 'संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्यों और निर्देशों और सिद्धांतों को बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाये ताकि परिसर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसका लाभ मिल सके क्योंकि इसे व्यवहार में लाना हमारा कर्तव्य है। इसके बाद, माननीय राज्यपाल द्वारा सीयूसीईटी-2020 का वेब पोर्टल लॉन्च किया गया। माननीय राज्यपाल ने विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री केवीएस कामेश्वर राव द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। स्थापना दिवस समारोह के मध्याह्न भोजन के बाद के सत्र में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2019-20 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ समारोह का समापन हुआ।

खेलकूद गतिविधियां

विश्वविद्यालय के छात्र-एथलीटों ने वर्ष 2019-20 के दौरान विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लिया। प्रोफेसर डी.सी. शर्मा (अध्यक्ष), डॉ. विश्वनाथ तिवारी (निदेशक, शारीरिक शिक्षा एवं सचिव, खेल समिति), और खेल अध्यक्षों और छात्र समन्वयकों द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। खेल विज्ञान स्कूल द्वारा आयोजित खेल गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

क्र.सं.	टूर्नामेंट की श्रेणी	स्पर्धाएँ	अनुभाग	भागीदारों की संख्या (अनुमानित)
1	पश्चिम क्षेत्र/अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय	5	एम/डब्ल्यू	56
2	क्लब/लीग टूर्नामेंट	6	एम/डब्ल्यू	900
3	फिट इंडिया मूवमेंट	1	एम/डब्ल्यू	600

क्लब / लीग अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2019-20

खेल विभाग ने क्लब स्पोर्ट्स लीग टूर्नामेंट प्रारम्भ किया। छात्रों द्वारा दस क्लबों का गठन और प्रबंधन किया गया तथा संकाय सदस्यों द्वारा इसे स्वीकृत किया गया। क्लबों ने विभिन्न विषयों और स्कूलों के खिलाड़ियों के समूह का गठन किया जो अलग-अलग क्लब / लीग स्पोर्ट्स में आपस में लगातार खेलते हैं, जिससे प्रत्येक वर्ष सभी खेलों में इनकी रिकॉर्ड भागीदारी देखी जाती है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय खेल मंडल ने सीयूराज के सदस्यों में खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए मुख्य उद्देश्य से विश्वविद्यालय में क्लब / लीग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों और विश्वविद्यालय में नई प्रतिभाओं को पहचानने के लिए 2019-20 में अब तक अनेक लीग या क्लब प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय खेल स्क्वॉड के गठन में घरेलू कार्यक्रम प्रतिभाओं को खोजने में मदद करते हैं।

क्र.सं.	प्रतिस्पर्धा	आयोजन क्लब	प्रतियोगिता की तिथि
1	सीकेएल (सीयूराज कबड्डी लीग) 2019-20	कबड्डी	19 से 23 सितंबर, 2019
2	सीबीएल (सीयूराज बास्केटबॉल लीग) 2019-20	बास्केटबॉल	30 सितंबर, 2019
3	सीवीएल (सीयूराज वॉलीबॉल लीग) 2019-20	वॉलीबॉल	9-14 अक्टूबर, 2019
4	सीएचएल (सीयूराज हैंडबॉल लीग) 2019-20	हैंडबॉल	15 से 19 अक्टूबर, 2019
5	सीबीएल (सीयूराज बैडमिंटन लीग) 2019-20	बैडमिंटन	13 से 18 नवंबर, 2019

चित्र 1: सीवीएल (सीयूराज वॉलीबॉल लीग) 2019-20
चित्र 2: सीबीएल (सीयूराज बैडमिंटन लीग) 2019-20

पश्चिम क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय 2019-20

इस वर्ष हमने भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) द्वारा आयोजित विभिन्न स्थानों पर पश्चिम-क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लिया और हमारे छात्रों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीमों ने कार्यक्रमों में भाग लिया जिनका का विवरण इस प्रकार है:-

क्र.सं.	प्रतिस्पर्धा	आयोजक	प्रतियोगिता की तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
1	पश्चिम क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय वॉलीबॉल टूर्नामेंट (पुरुष)	आर.टी.एम. नागपुर विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र	15 से 20 दिसंबर, 2020	11
2	पश्चिम क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय हैंडबॉल टूर्नामेंट (पुरुष)	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर, म.प्र.	30 दिसंबर, 2019	13

3	पश्चिम क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट (पुरुष)	आईटीएम ग्वालियर, ग्वालियर, मप्र	7 जनवरी, 2020	15
4	पश्चिम क्षेत्र बैडमिंटन टूर्नामेंट (पुरुष)	कै. सौ. कमलताई जमकर महिला महाविद्यालय, परभणी, महाराष्ट्र	2 से 5 जनवरी, 2020	5
5	अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय योग चैंपियनशिप 2019-20 (पुरुष और महिला)	राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ नॉलेज टेक्नोलॉजीज, नुज्विद, कृष्णा जिला, आंध्र प्रदेश	3 से 9 जून, 2020	12

चित्र 3: पश्चिम क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट (पुरुष)
चित्र 4: पश्चिम क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय हैंडबॉल टूर्नामेंट (पुरुष)

फिट इंडिया मूवमेंट

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली से छात्रों और कर्मचारियों के शारीरिक फिटनेस और स्वास्थ्य के लिए फिट इंडिया अभियान के तहत गतिविधियों का संचालन करने के संबंध में प्राप्त पत्र सं. 14-44 / 2019 सीयू-सीडीएन, दिनांक 21 अगस्त, 2019 के निर्देशों के अनुपालन में शारीरिक फिटनेस और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने और इसे छात्रों और कर्मचारियों के नियमित जीवन का हिस्सा बनाने के लिए, विश्वविद्यालय परिसर में 29.08.2019 को प्रात: 7:00 बजे 10000 कदम पैदल चलने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन में विश्वविद्यालय के लगभग 600 छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया। फिट इंडिया मूवमेंट का लाइव टेलीकास्ट, जो सुबह 10:00 बजे से भारत के आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में 29.08.2019 को शुरू किया गया था, विश्वविद्यालय सभागार में 800 से अधिक छात्रों और कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक देखा गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) गतिविधियाँ

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 1-15 अगस्त 2019 के दौरान एनएसएस के बैनर तले "स्वच्छता पखवाड़ा" का आयोजन किया। इसके तहत न केवल छात्रों बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी स्वच्छता का संदेश दिया गया। शिविर का उद्देश्य स्वच्छता और स्वच्छता के गुणों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा संवेदनशीलता उत्पन्न करना, और स्वच्छ भारत अभियान की पहल को सफलतापूर्वक पूरा करने में सरकार की मदद करना था।

वृक्षारोपण अभियान

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के एनएसएस अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने वृक्षारोपण समिति के समन्वय में 6 अगस्त, 2019 को वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया। विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. अरुण कुमार पुजारी द्वारा किया गया। छात्रों द्वारा विभिन्न मौसमी और सदाबहार पौधे लगाए गए। इस गतिविधि का उद्देश्य युवाओं में पर्यावरणीय जिम्मेदारी और संवेदनशीलता पैदा करना था।

स्वच्छता प्रतिज्ञा

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों सहित कार्यक्रम अधिकारियों ने 9 अगस्त, 2019 को ऑनलाइन स्वच्छता प्रतिज्ञा लेकर स्वयं को पंजीकृत किया।

परिसर में सफाई अभियान

13 अगस्त, 2019 को स्वच्छता पखवाड़ा - 2019 के दौरान आयोजित स्वच्छता अभियान में बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। उन्होंने मेगा मेस परिवेश, छात्रावास प्रांगण, छात्रावास परिवेश, शॉपिंग प्लाजा, टेनिस कोर्ट और फुटबॉल मैदान सहित खेल मैदानों की सफाई में योगदान दिया।

राजकीय विद्यालय, नोहरिया गाँव में जागरूकता अभियान

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान 10 अगस्त 2019 को 60 स्वयंसेवकों के साथ एनएसएस टीम ने सरकारी विद्यालय, नोहरिया का दौरा किया। उन्होंने 200 से अधिक स्कूली छात्रों और स्कूल के कर्मचारियों के साथ बातचीत की। स्कूली छात्रों द्वारा स्वच्छता अभियान के साथ जागरूकता अभियान चलाया गया। स्कूली छात्रों के साथ एनएसएस स्वयंसेवकों ने इस संबंध में स्वच्छता और उनके कर्तव्यों के बारे में जागरूकता हेतु स्कूल मैदान और कक्षा की सफाई में भाग लिया। स्कूली बच्चों की स्वच्छता के मुद्दों पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने नारे लगाये और मॉक प्रस्तुतियाँ कीं। छात्रों को जैव-निम्नीकरणीय और गैर-अवक्रमित कचरे के प्रबंधन के बारे में बताया गया। यात्रा के दौरान पाया गया कि स्कूल के कर्मचारी, कक्षा और मध्याह्न भोजन क्षेत्र की साफ-सफाई उचित तरीके से नहीं करते हैं। यह देखा गया है कि मध्याह्न भोजन की सेवा के लिए कोई अलग कक्ष या भोजन क्षेत्र नहीं है। स्कूली बच्चे बारिश के मौसम में भी खुले गलियारों में बैठते थे। वे न्यूनतम स्वच्छता मानकों को बनाए नहीं रख रहे हैं, स्कूली बच्चों को भोजन करते समय अपने जूते पास नहीं रखने की सलाह दी गई। मध्याह्न भोजन सेवा के लिए स्कूल में कक्षों और बर्तनों जैसे संसाधनों की कमी थी। स्कूल प्रशासन एक ही समय में दो अलग-अलग कक्षाओं को पढ़ाने के लिए एक कक्षा का उपयोग कर रहे थे। स्कूली छात्र पीने के पानी के नल के पास अपना बचा हुआ भोजन छोड़ रहे थे। मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता भी उचित नहीं पाई गई। स्कूली छात्र गन्दे और अर्द्ध स्कूली पोशाक में पाए गए। शौचालय उपयोग में नहीं थे, महिला वॉशरूम में कोई कुंडी नहीं थी। सभी शौचालय अशुद्ध थे। एनएसएस टीम द्वारा सभी मुद्दों को स्कूल के प्रिंसिपल और स्कूल स्टाफ को संबोधित किया गया।

वृद्धाश्रम अजमेर में जागरूकता अभियान

एनएसएस टीम ने 60 स्वयंसेवकों के साथ स्वच्छता पखवाड़ा - 2019 के दौरान जागरूकता अभियान के लिए जय अम्बे सेवा समिति ट्रस्ट, अजमेर के वृद्धाश्रम का दौरा किया। वृद्धाश्रम में निवासी रह रहे थे। सीयूराज एनएसएस टीम ने अपशिष्ट और स्वच्छता के मुद्दों के प्रबंधन के लिए सभी के साथ बातचीत की। एनएसएस टीम ने ट्रस्ट द्वारा वृद्धाश्रम में विभिन्न स्थानों जैसे रसोई घर, डाइनिंग हॉल, निवासियों को उपलब्ध कराए गए कमरे, शौचालय आदि की सफाई का अवलोकन किया।

अनासागर झील चौपाटी, अजमेर में जागरूकता अभियान

एनएसएस टीम ने 60 स्वयंसेवकों के साथ स्वच्छता पखवाड़ा - 2019 के दौरान जागरूकता अभियान के लिए अनासागर झील चौपाटी, अजमेर का दौरा किया। कार्यक्रम के अधिकारियों सहित एनएसएस स्वयंसेवकों ने पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए पर्यटकों और आगंतुकों में संवेदनशीलता जगाने के लिए स्वच्छता में योगदान दिया। श्री शरद त्रिपाठी, जिला युवा समन्वयक नेहरू युवा केंद्र संगठन और डॉ. गौरव यादव, ऑल इंडिया रेडियो ने एनएसएस सीयूराज द्वारा किए गए योगदान के बारे में बातचीत और सराहना की।

स्वच्छता ही सेवा

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 11 सितंबर, से 27 अक्टूबर, 2019 तक "स्वच्छ भारत सेवा" का आयोजन किया। इस दौरान, विश्वविद्यालय ने परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए कुछ उपायों को अपनाया और प्लास्टिक मुक्त अभियान की गतिविधियों का अनुसरण किया। इस दौरान विश्वविद्यालय ने आधिकारिक कार्यक्रमों, सेमिनारों और सम्मेलनों में एकल उपयोग वाली पानी की बोतलों और कटलरी / डिस्पोजल को पूरी तरह से बंद कर दिया। अभियान के लिए कुल 65 छात्र स्वयंसेवकों को पंजीकृत किया गया और सक्रिय रूप से निम्नलिखित गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया।

स्वच्छता ही सेवा गतिविधि का उद्घाटन

यह गतिविधि 11 सितंबर, 2019 को आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक, प्रशासनिक विभागों ने अपने विभागों में से प्लास्टिक कचरे से साफ किया और छात्र स्वयंसेवकों ने एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक डिब्बे में निपटान करने के लिए समान एकत्र किया। https://youtu.be/Zg2Y4KZBxts

"थैली छोड़ो थैला पकड़ो" अभियान

एनएसएस और सामाजिक कार्य विभाग के समन्वय से छात्र स्वयंसेवकों ने "थैली छोड़ो थैला पकड़ो" आंदोलन शुरू किया जिसमें उन्होंने प्लास्टिक की थैलियों को हटाकर कपड़े के थैलों को बढ़ावा दिया। 12 सितंबर, 2019 को छात्र स्वयंसेवकों द्वारा अपशिष्ट पदार्थों से एक कपड़े की थैली बनाकर इस गतिविधि को शुरू किया गया और बाद में उन्होंने आसपास के ग्रामीण महिलाओं, जो खेड़ा, पेरीपेडा, और चुरली (यूबीए के गाँव) से थीं, को इसमें शामिल किया जो सिले हुए कपड़े का थैला उपलब्ध कराती हैं, इन कपड़े के थैला को परिसर के निवासियों और छात्रों को बेचा गया। विश्वविद्यालय के अतिथियों को कपड़े की थैली देकर उनका स्वागत किया गया। सभी लोगों द्वारा इसकी सराहना की गई, क्योंकि यह गतिविधि केवल प्लास्टिक की थैलियों की समस्या को हल नहीं करती, बल्कि महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के वित्त का भी स्रोत बन गई। छात्र स्वयंसेवकों ने 16 अक्टूबर, 2019 को "मुमकिन है मगर" पर स्ट्रीट प्ले किया। नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश्य सभी को प्लास्टिक मुक्त अभियान के लिए प्रेरित करना था।

एकल-उपयोग प्लास्टिक डिब्बे और पोस्टर

छात्र स्वयंसेवकों ने एकल-उपयोग प्लास्टिक कचरे के लिए कूड़ादान बनाए और गैर-प्लास्टिक डिब्बे को बढ़ावा देना और एकल-उपयोग प्लास्टिक कचरे का संग्रह अलग-अलग करने के लिए इसे विभिन्न शैक्षणिक ब्लॉकों में रखा। उन्होंने इस पर जागरूकता फैलाने के लिए पोस्टर भी तैयार किए।

स्वछता ही सेवा अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान और मैराथन

पर्यावरण विज्ञान विभाग के समन्वय में छात्र स्वयंसेवकों ने गांधीजी की स्मृति और स्वच्छ भारत सेवा अभियान के तहत 2 अक्टूबर, 2019 को वृक्षारोपण अभियान और मैराथन में भाग लिया।

पोस्टर और निबंध प्रतियोगिताओं के आयोजन द्वारा गाँव के स्कूलों में जागरूकता अभियान

सामाजिक कार्य विभाग के समन्वय में छात्र स्वयंसेवकों ने सितंबर, 2019 के दौरान पास के गांव के स्कूलों में पोस्टर प्रतियोगिता और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन करके जागरूकता अभियान चलाया। इस गतिविधि का आयोजन नोहरिया, चुरली, खेड़ा, पेडिवता और बांदरसिंदरी गांवों के सरकारी स्कूलों में किया गया, जो उन्नत भारत अभियान का हिस्सा है।

जागरूकता फैलाने के लिए प्रचार वीडियो, विज्ञापन और प्लास्टिक दानव

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग के छात्र स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के सभी छात्रों और कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए उद्घाटन गतिविधियों तथा स्वच्छता ही सेवा अभियान पर वृत्तचित्र तैयार किया। डिजिटल सोसाइटी, भौतिकी और जीवन विज्ञान सहित विभिन्न विषयों के छात्र स्वयंसेवकों ने छात्रों के बीच एकल-उपयोग प्लास्टिक के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्लास्टिक का दानव तैयार किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

सामूहिक सूर्य नमस्कार

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 11वां स्थापना दिवस 3 मार्च, 2020 को मनाया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति की शुभकामनाओं के साथ दिन की शुरुआत सुबह 6:00 बजे सूर्य नमस्कार से हुई। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों के लिए 12 बार सूर्य नमस्कार अभ्यास के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। 12 बार अभ्यास के बाद, छात्रों को अभ्यास सहित 54 या 108 सूर्य नमस्कार पूरा करने का विकल्प दिया गया। इस सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में भाग लेने वाले 400 छात्रों में से 152 ने सूर्य नमस्कार के 54 दौर पूरे किए, और शेष 246 ने सफलतापूर्वक 108 दौर पूरे किए। यह वास्तव में योग के प्रति उनके साहस और दृढ़ विश्वास को दर्शाता है।

इस कार्यक्रम में कुछ आचार्यों तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव सहित 12 गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सूर्यनमस्कार के 108

अभ्यास पूरा करने के बाद निर्देशों के साथ सभी छात्रों को छूट अवधि प्रदान की गई। इन सत्रों के बाद, छात्रों को सलाह दी गई की प्रदत्त पेय की तीन किस्मों से वे अपने शरीर की संरचना के आधार पर पेय लें। विभाग ने प्रत्येक प्रतिभागियों के शरीर की संरचना का तुरंत आकलन करने के लिए 3 आयुर्वेद चिकित्सक को तैनात किया और तदनुसार उनके स्वास्थ्य और कल्याण के लिए उपयुक्त पेय पीने का निर्देश दिया। इच्छुक प्रतिभागियों को घर पर वात, पित्त और कफ पेय तैयार करने के लिए एक औपचारिक प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

विस्तार गतिविधियाँ

सीयूसीईटी-2019

केंद्रीय विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा-2020 (सीयूसीईटी-2020) का आयोजन देश भर के 141 शहरों में ऑफ़लाइन प्रणाली (ओएमआर आधारित) से 18 से 20 सितंबर, 2020 को किया गया। यह परीक्षा लगातार तीन दिनों के लिए आयोजित की गई जिसमें एक दिन में दो सत्र (प्रात: 10:00 से मध्याह्न 12.00 और दोपहर 3.00 से 5.00) थे। यह एक अनूठी परीक्षा है जिसमें पूरे भारत के सहभागी विश्वविद्यालयों की ओर से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (समन्वयक विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित की जा रही है। इस वर्ष 14 केंद्रीय विश्वविद्यालयों (राजस्थान, पंजाब, झारखंड, केरल, तमिलनाडु, गुजरात, हरियाणा, ओडिशा, कर्नाटक, दक्षिण बिहार, जम्मू, आंध्र प्रदेश, कश्मीर, असम) और 4 राज्य विश्वविद्यालयों (खल्लिकोटे विश्वविद्यालय, बेरहमपुर; बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय जम्मू; सरदार पटेल विश्वविद्यालय पुलिस सुरक्षा और आपराधिक न्याय, जोधपुर; बेंगलुरु डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स विश्वविद्यालय) ने इस संयुक्त प्रवेश परीक्षा में भाग लिया। सीयूसीईटी-2020 का आयोजन सभी 18 प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तुत किए गए 72 स्नातक एवं इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों, 344 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों और 270 शोध कार्यक्रमों के लिए किया गया था। इस वर्ष, 18 विश्वविद्यालयों के 686 कार्यक्रमों के लिए 125 परीक्षा पत्रों में, कुल 2,72,912 पंजीकरण हुए और इसमें से लगभग 1,46,864 अभ्यर्थी परीक्षा के लिए उपस्थित हुए, जो कुल पंजीकरण का लगभग 53.81% था।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय 2013 से सीयूसीईटी का सफलतापूर्वक समन्वय कर रहा है। इस वर्ष कोविड-19 महामारी के कारण 141 शहरों में अनेक परीक्षा केंद्रों पर इस परीक्षा का आयोजन करना एक चुनौती थी। कोविड-19 से निपटने के लिए भारत सरकार और यूजीसी के दिशानिर्देशानुसार इस परीक्षा के सफलतापूर्वक संचालन के लिए सभी उपाय अत्यधिक सावधानी के साथ किये गये। राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने समन्वय विश्वविद्यालय होते हुए प्रतिदिन सभी परीक्षा केंद्रों को सत्र केअनुसार अतिरिक्त बजट जारी किया, जो प्रतिदिन की सफाई और कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुसार था। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को अनिवार्य रूप से मास्क पहनने के निर्देश दिए गए थे और बैठने की व्यवस्था इस तरह की गई थी कि उचित सामाजिक दूरी बनी रहे। तापमान की निगरानी तथा उचित सामाजिक दूरी के साथ प्रत्येक केंद्र पर छात्रों का प्रवेश सुनिश्चित किया गया। जिन छात्रों में कोविड-19 से संबंधित लक्षण दिख रहे थे या पॉजिटिव थे, उन्हें कोविड-19 के प्रसार से बचने के लिए अलग-अलग कमरों में परीक्षा के लिए उपस्थित होने की अनुमति दी गई थी। एक शहर से दूसरे शहर में भाग लेने वाले छात्रों को अनावश्यक आवागमन से बचाने के लिए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय आयोजक के रूप में सहायक और सक्रिय था। इस संबंध में केंद्र परिवर्तन के अनुरोध पर सीयूसीईटी परीक्षा की निर्धारित तिथि से एक दिन पहले भी विचार गया। अतिरिक्त नए केंद्र निर्धारित किये गये और उम्मीदवारों को किसी भी एक केंद्र में उपस्थित होने का विकल्प दिया गया। यहां तक कि कई हस्तांतरण मामलों में, जहां परीक्षण पत्र केंद्र में उपलब्ध नहीं थे, समन्वयी विश्वविद्यालयों ने इंटरनेट प्रौद्योगिकी के माध्यम से इन केंद्रों पर पत्र प्रदान किए। छात्रों की सुविधा के लिए पूरे देश में परीक्षा केंद्र बनाये गये ताकि न्यूनतम यात्रा और आवाजाही हो सके। कोविड-19 की वजह से परिवहन सुविधाओं की अनुपलब्धता के बावजूद पोर्ट ब्लेयर, लेह और कारगिल जैसे परीक्षा केंद्रों में सफलतापूर्वक परीक्षा का आयोजन किया गया। सीयूसीईटी समन्वय समिति के अध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार पुजारी, कुलपति, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने प्रो. मनीष श्रीमाली, राष्ट्रीय समन्वयक, सीयूसीईटी-2020 तथा समन्वयक विश्वविद्यालयों के नोडल अधिकारियों के साथ अनेक बैठकों के माध्यम से इस परीक्षा का सफल आयोजन सुनिश्चित किया। सीयूसीईटी-2020 का परिणाम अक्टूबर 2020 के मध्य में घोषित किया गया।

शिक्षण अध्ययन केन्द्र (टीएलसी)

शिक्षण अध्ययन केन्द्र (टीएलसी@राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय) की स्थापना 2017-18 में साक्ष्य-आधारित शिक्षण का समर्थन करने और शिक्षकों को विविध अवसर प्रदान करने की दृष्टि से की गई। यह पंडित मदन मोहन मालवीय योजना के तहत शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। इसकी परिकल्पना शिक्षकों को उनकी शिक्षण शैली के आधुनिकीकरण तथा अवधारणाओं एवं सूचनाओं को इस तरह निर्मित करने में सहायता प्रदान करने के लिए की गयी है कि छात्र अर्थपूर्ण तरीके से इसे ग्रहण कर सकें तथा छात्रों को और अधिक गहराई से सीखने तथा जो उन्होने सीखा है उसे बनाए रखने की शिक्षा दी जा सके। यह शिक्षकों को शिक्षण के नए और प्रभावी तरीकों के संबंध में

प्रशिक्षित करने के लिए भी है। टीएलसी@सीयूराज की परिकल्पना महाविद्यालयों और स्नातकोत्तर विभागों के शिक्षकों द्वारा उपयोग हेतु नियमित आधार पर, अनुशासन-विशिष्ट पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र, शिक्षण सामग्री (ई-सामग्री सहित) को बढ़ावा देने के लिए की गई है। इसलिए इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए टीएलसी द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कुल मिलाकर हमारे पास 296 शिक्षकों की सूची है, जिनमें से 40 स्कूली-शिक्षक हैं जिन्हें टीएलसी@सीयूराज में प्रशिक्षित किया गया।

शिक्षण सामग्री प्रचुर मात्रा में ऑनलाइन उपलब्ध हैं लेकिन शिक्षार्थी जानकारी के सटीक और सही स्रोत से अवगत नहीं है, जिनकी जानकारी उन्हें प्रदान किये जाने की आवश्यकता है जो उनकी कक्षा शिक्षण को अनुपूरक बना सकती है। शिक्षार्थी द्वारा अनुभव किए गए समस्याओं को दूर करने के लिए टीएलसी@सीयूराज द्वारा मूल अध्ययन किया गया और सामग्री समाशोधन और सामग्री वितरण के लिए एक साधारण उपयोगकर्ता के अनुकूल सॉफ्टवेयर (वेब पता: www.nextgenmooc.com) विकसित किया गया। सॉफ्टवेयर शिक्षार्थी को निर्देशित करता है और उसे विभिन्न साइटों के माध्यम से संचालित करने और सबसे अधिक प्रासंगिक शिक्षण सामग्री का चयन करने का विकल्प उपलब्ध करता है। सॉफ्टवेयर सभी MOOCs प्रदाताओं से MOOC पाठ्यक्रम मेटाडेटा (पाठ्यक्रम का नाम, पाठ्यक्रम, प्रदाता, प्रारंभ तिथि, समाप्ति तिथि, आदि) इकट्ठा करता है और पाठ्यक्रम के साथ मेल खाने के क्रम में एक निर्दिष्ट पाठ्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों के अनुसार उपलब्ध सभी MOOC पाठ्यक्रमों का विवरण प्रदर्शित करता है।

शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के दौरान निम्नलिखित कार्यशालाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गईं;

1. उच्च शिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए शिक्षण-अध्ययन-मूल्यांकन पर 5 से 9 अगस्त, 2019 तक पांच दिवसीय कार्यशाला।
महाविद्यालयों / विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों की संख्या सीमित थी। इस कार्यशाला में भारत के 12 से अधिक विभिन्न संस्थानों के 41 प्रतिभागी शामिल हुए। इसमें 22 विषयों के प्रतिभागी थे, जिनमें जैव प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, अर्थशास्त्र, गणित, शिक्षा, भौतिकी, जंतु शास्त्र, वाणिज्य आदि शामिल हैं। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को स्वयम, साहित्यिक चोरी, एलओसीएफ, सापेक्ष एवं पूर्ण ग्रेडिंग, वयस्क शिक्षा सिद्धांत की समीक्षा, इत्यादि की जानकारी प्रदान की गई। हैदराबाद विश्वविद्यालय, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, आई.आई.टी. मद्रास, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय जैसे कई संस्थानों के वक्ताओं को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था। इस कार्यशाला में कुल दस विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया।

2. औषधि विज्ञान में अनुसंधान आधारित और अनुसंधान अभिविन्यस्त शिक्षण पर 20 से 24 अगस्त, 2019 तक पांच दिवसीय कार्यशाला।
इस कार्यशाला का आयोजन विशेष रूप से औषधि विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा के शिक्षकों के लिए किया गया। इस कार्यशाला में 16 विभिन्न संस्थानों के 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह फार्मेसी शिक्षकों के लिए आयोजित एक अनुशासन विशिष्ट कार्यशाला थी। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को शोध पद्धति, स्वयम, साहित्यिक चोरी, अध्यापन और अनुसंधान केन्द्रित शिक्षण, ऑनलाइन शिक्षा, आषधि विज्ञान में अध्यापन, फार्मेसी में नई शिक्षा तकनीक, MOOC पाठ्यक्रम के डिजाइन और विकास, फार्मासिस्ट की सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारियां आदि विषयों से अवगत कराया। हैदराबाद विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, डॉ हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय और पंजाब विश्वविद्यालय जैसे अनेक संस्थानों के वक्ताओं को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था।

3. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की एलओसीएफ और सीबीसीएस प्रणाली पर 11 से 15 अक्टूबर, 2019 तक पांच दिवसीय कार्यशाला। इस कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालयों के शिक्षकों के किया गया, जिसमें प्रतिभागियों की संख्या सीमित थी। इसमें 21 विषयों के प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें जैव प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान और आभियांत्रिकी, अर्थशास्त्र, गणित, शिक्षा, भौतिकी, जंतु शास्त्र, वाणिज्य आदि विषय शामिल हैं। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को स्वयम, साहित्यिक चोरी, एलओसीएफ, गतिविधि-आधारित शिक्षण, शिक्षण अध्यापन आदि से अवगत कराया गया। हैदराबाद विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जीआईटीएएम, और इग्नू जैसे कई संस्थानों से कुल छह वक्ताओं को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

4. उच्च शिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए अध्यापन-शिक्षा-मूल्यांकन पर 04-14 नवंबर, 2019 तक दस दिवसीय कार्यशाला - इस कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालयों / विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए सीमित प्रतिभागी क्षमता के साथ किया गया था। इस कार्यशाला में भारत के 9 से अधिक विभिन्न संस्थानों के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागी अर्थशास्त्र, गणित, जैव प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, शिक्षा, भौतिकी, जंतु शास्त्र आदि सहित 15 विषयों से थे। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को लेखन कौशल, एलओसीएफ, गतिविधि आधारित शिक्षण, स्वयम, शिक्षण अध्यापन आदि से अवगत कराया गया। हैदराबाद विश्वविद्यालय, आईआईटी बॉम्बे, जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे कई संस्थानों से व्याख्यान देने के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था। कुल 16 वक्ताओं ने हमारे निमंत्रण को स्वीकार किया और व्याख्यान दिया।

5. प्रबंधन और वाणिज्य के अभिनव शिक्षण अभ्यास पर 21 से 25 जनवरी तक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम - इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत के 16 विभिन्न महाविद्यालयों / विश्वविद्यालयों से 20 प्रतिभागी शामिल हुए। ज्यादातर प्रतिभागी प्रबंधन और वाणिज्य विषय के थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को स्वयम, वाणिज्य और प्रबंधन में शिक्षण शास्त्र : वर्तमान प्रचलन, परिवर्तन प्रबंधन, तनाव प्रबंधन, शिक्षण अध्यापन आदि से अवगत कराया गया। एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और आईआईआईटीएम ग्वालियर, डीएवीवी, इंदौर जैसे अनेक संस्थानों के वक्ताओं को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला में कुल 9 वक्ताओं ने व्याख्यान दिया।

उन्नत भारत अभियान

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इस योजना के माध्यम से मुंडोती, बांदरसिंदरी, खेड़ा, नोहरिया और पेडिबाटा जैसे पाँच गाँवों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए अपनाया। इस अवधि में आयोजित प्राथमिक गतिविधियों में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और आजीविका संवर्धन, गांवों में लोगों के कल्याण के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी उपयोग और विकास पर संवेदनशील कार्यक्रम हैं। स्वास्थ्य और सफाई, स्वच्छता, वृक्षारोपण, कचरा प्रबंधन, स्वच्छ भारत अभियान, और गांवों में कौशल आधारित जागरूकता सृजन गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया। स्वयंसेवकों और समन्वयक ने अंगीकृत गांवों का दौरा किया और गांवों के साथ बातचीत की और उन्हें स्वच्छता, स्वास्थ्य संवर्धन और स्वच्छ पर्यावरण के अभ्यास की आवश्यकता पर उन्हें उन्मुख किया।

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत, स्वास्थ्य मौलिकता का महत्व समझाने के लिए अंगीकृत ग्रामीणों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, सामाजिक दूरी और सफाई के अभ्यास के लिए फोन कॉल और व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से शिक्षित किया गया। सामाजिक कार्य में प्रशिक्षित कुछ स्वयंसेवकों द्वारा गांवों में जागरूकता और संबंधित अभ्यास को प्रोत्साहित करने के लिए अग्रणी कार्य किए जाते हैं। स्वयंसेवक समुदाय को कोविड-19 पर आंकड़ा अद्यतित करते रहते हैं और सरकार की रणनीति का समर्थन करते हुए घर पर रहने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करते हैं। एक सामुदायिक समूह संघ शुरू किया गया और गांवों के कई स्वयंसेवक इसमें शामिल हुए और इस महामारी के बारे में समुदाय को जागरूक किया तथा जानकारी को अद्यतन किया। सामुदायिक सहायता समूह का गठन उन्नत भारत अभियान के तहत सुविधा प्राप्त महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक है, टीम में युवा स्वयंसेवक, युवा क्लब के सदस्य और अंगीकृत गांवों के वयस्क छात्र सदस्य, वार्ड सदस्य, आदि शामिल हैं। इस समूह का मुख्य कार्य भागीदारी और उचित योजना के माध्यम से अपने गांवों के विकास के लिए पहल को बढ़ावा देना है।

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ

समुदाय के लोगों की स्थिति में सुधार करने और उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने तथा सामाजिक विकास के सभी सभी क्षेत्रों में विकास तथा दायित्वपूर्ण बनाने हेतु भारत सरकार ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों को सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ खोलने का निर्देश दिया है। समुदायों के साथ घनिष्ठता और संबंध विकसित करने और उन्हें सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की तर्ज पर विकसित करने के जनादेश के रूप में हमारे विश्वविद्यालय ने अप्रैल 2015 में सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ की शुरुआत की जिसके तहत आसपास के क्षेत्र में पांच गांव अर्थात्; पेडिभाटा, मुंडोती, खेड़ा, बांदरसिंदरी और नोहरिया को समग्र

विकास के लिए मॉडल गांवों के रूप में चुना गया। विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपनी स्थापना से, ग्रामीण लोगों के जीवन पर एक स्थायी प्रभाव उत्पन्न करने और उन्हें राष्ट्र के विकास में आवश्यक हितधारक बनाने के मिशन के साथ, वर्ष 2019-20 में इन गांवों में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गये :

1. **युवा-सामुदायिक संलग्नता :** गाँव के विभिन्न युवा क्लबों के सदस्यों के साथ विभिन्न गतिविधियाँ और सत्र आयोजित किए गए। नेहरू युवा केंद्र, अजमेर की सहायता और सहयोग से 'युवा स्वयंसेवक, जीवन कौशल शिक्षा और विकास में युवा' पर खेड़ा गांव में युवा शिविर का आयोजन किया गया। भावी पीढ़ी के लिए जल संरक्षण और युवा स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। समूह की भावना का निर्माण करने और उनमें नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए विभिन्न खेल गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं।
2. **महिला सशक्तिकरण:** महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उन्हें स्वयं सहायता समूह बनाने और उससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। सरकार की नीतियों और कार्यक्रम के बारे में जागरूक करने हेतु उनके लिए अनेक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। गाँवों को प्लास्टिक-मुक्त बनाने के लिए जूट के बैग बनाने में महिलाओं को शामिल करने हेतु भी प्रोत्साहित किया गया।
3. **बुजुर्गों की देखभाल और सुरक्षा को बढ़ावा देना:** बुजुर्गों की देखभाल के बारे में समुदाय को जागरूक करने हेतु सत्र आयोजित किया गया। बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया और विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए स्वयंसेवकों ने भी उनकी सहायता की।
4. **स्कूलों के साथ साझेदारी:** स्थानीय स्कूलों के साथ साझेदारी के माध्यम से स्वच्छता, बालिका शिक्षा, सफाई को प्रोत्साहित करने और अन्य मुद्दों पर अनेक जागरूकता रैलियां की गईं। लड़कियों को व्यक्तिगत स्वच्छता पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया।
5. **स्थानीय पंचायतों के साथ सहयोग:** गांवों के विकास में स्थानीय शासन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए लोगों तक पहुंचने के लिए स्थानीय पंचायतों के साथ काम करना अनिवार्य है। स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और जल संरक्षण के मुद्दों को पंचायतों के ध्यान में लाया गया।

विशिष्ट और नोबेल व्याख्यान श्रृंखला

एक जीवंत शैक्षणिक माहौल बनाए रखने के लिए क्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान और वार्ता आवश्यक है। अनेक विभागों में विशिष्ट व्याख्यानों के अलावा, छात्रों और संकाय सदस्यों के लाभ के लिए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय "विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला" (डीएलएस) के तहत गणमान्य व्यक्तियों / विशेषज्ञों को आमंत्रित करता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में "विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला" की अवधारणा विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रो. अरुण कुमार पुजारी द्वारा प्रस्तुत की गई। इसके बाद से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की विशिष्ट व्याख्यान समिति मासिक आधार पर प्रतिष्ठित वार्ता के आयोजन हेतु सक्रिय रूप से प्रयास करती है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशिष्ट व्याख्यान को तीन श्रेणियों में बांटा गया है;

क) नोबेल श्रृंखला व्याख्यान: इसमें उन वक्ताओं को आमंत्रित किया जाता है जिन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ निकट सहयोग से कार्य किया है। वर्ष 2018-2019 में इस श्रृंखला के तहत दो वक्ताओं को आमंत्रित किया गया -

- प्रो. एम. बालाकृष्णन (कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, आईआईटी दिल्ली) ने बुधवार, 23 अक्टूबर, 2019 को "AS|STECH: असिस्टेंस टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस फॉर मोबिलिटी एंड एजुकेशन फॉर विजुअली इम्पेयर" विषय पर व्याख्यान दिया।
- प्रो. निकोलस स्मिरनॉफ़ (यूनिवर्सिटी ऑफ़ एक्सेटर, यूनाइटेड किंगडम) ने शुक्रवार 22 नवम्बर, 219 को 'विटामिन सी' विषय पर व्याख्यान दिया।
- प्रो. जेम्स एफ. सल्लिस (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो, यूएसए) ने बुधवार, 19/02/2020 को "शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय विश्व क्यों और कैसे बनायें" विषय पर व्याख्यान दिया।

ख) विदेश मंत्रालय प्रायोजित वार्ता: इसमें हम पूर्व भारतीय राजदूतों की विभिन्न देशों में हुई बातचीत की मेजबानी करते हैं। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजदूतों की यात्रा को विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है। वर्ष 2018-2019 में इस श्रृंखला के तहत निम्नलिखित वक्ता को आमंत्रित किया गया -

- अर्मेनिया और जॉर्जिया में भारत के पूर्व राजदूत डॉ. श्री अचल मल्होत्रा ने सोमवार, 22 जुलाई 2019 को "भारत की विदेश नीति: 2014-2019: लैंडमार्क: प्राथमिकताएं और चुनौतियां" विषय पर व्याख्यान दिया।

अन्य विशिष्ट वार्ता: इसमें विज्ञान, कला, साहित्य, संगीत और नृत्य सहित विभिन्न क्षेत्रों के वक्ताओं को आमंत्रित किया जाता है। वर्ष 2018-2019 में इस श्रृंखला के तहत निम्नलिखत वक्ता को आमंत्रित किया गया -

- **स्वामी मुकुंदानंद जी** (एक प्रेरक और आईआईटी दिल्ली और आईआईएम कोलकाता के पूर्व छात्र) ने शुक्रवार, 08 नवंबर 2019 को "सफलता, खुशी और तृप्ति के लिए 7 मंत्र" विषय पर व्याख्यान दिया।
- प्रो. अनूप कुमार पुजारी (नेशनल लॉ स्कूल, बैंगलोर) ने सोमवार, 10 फरवरी, 2020 को "सोच के बारे में सोचें" विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. शीला के. रामीशा (वैज्ञानिक, एनआईएएस, बेंगलुरु) ने शुक्रवार, 28 फरवरी, 2020 को "भारत में विद्युत परिदृश्य - नवीकरणीय संसाधनों की भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय शैक्षणिक प्रगति और विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक और खेल आयोजनों और नियमित क्लब गतिविधियों में संलग्नता के माध्यम से छात्र के समग्र विकास और हित पर जोर देता है। इस कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय ने पाँच बुनियादी विशिष्ट उद्देश्यों के साथ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की शुरुआत पूरे उत्साह से की। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र समुदाय के बीच अंतर-सांस्कृतिक समझ को उजागर करने के लिए विश्वविद्यालय ने असम राज्य पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए।

अक्टूबर 2019 महीने में, सुश्री अनीता शर्मा और उनकी मंडली द्वारा असम राज्य का एक नृत्य "सत्रिया नृत्य" स्पिक मैके के तहत विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया। यह एक नृत्य-नाट्य प्रदर्शन कला है जिसकी उत्पत्ति असम के कृष्ण-केंद्रित वैष्णव मठों में हुई थी और इसका श्रेय 15वीं शताब्दी के भक्ति आंदोलन के विद्वान और संत महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव को दिया जाता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरुण कुमार पुजारी और श्रीमती सुभालक्ष्मी पुजारी ने नृत्य मंडली के सभी सदस्यों को स्मृति चिह्न प्रदान किये।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत के 27 से अधिक विभिन्न राज्यों के छात्र, संकाय सदस्य और कर्मचारी हैं। यह संरचना अपने आप में विविधता में एकता तथा राष्ट्रीय एकता की भावना का प्रतिबिंब है। क्लब की गतिविधियों और छात्र विनिमय कार्यक्रम शुरू करने के लिए, 20 नवंबर 2019 को विनिमय कार्यक्रम के लिए छात्रों का चयन करने हेतु एक लिखित प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के सभी छात्रों को एक भारत श्रेष्ठ भारत के उद्देश्यों, विनिमय कार्यक्रम के बारे में सूचित किया गया और उन्हें एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रश्नोत्तरी का विषय असम के इतिहास, भाषा और संस्कृति पर था। प्रश्नोत्तरी में 20 बहुविकल्पी प्रश्न शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक 1 अंक का था। लिखित प्रश्नोत्तरी के लिए कुल 246 छात्र उपस्थित हुए। शीर्ष 50 छात्रों को विनिमय कार्यक्रम के लिए चुना गया।

पश्नोत्तरी प्रतियोगिता में चयनित छात्रों तथा एक भारत श्रेष्ठ भारत में रुचि रखनेवाले छात्रों को शामिल करते हुए 'एक भारत : श्रेष्ठ भारत क्लब' का बनाया गया। अन्य सभी छात्रों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब की गतिविधियों के बारे में ईमेल-संदेश भेजा गया। अधिक छात्रों को जोड़ने के लिए यह एक अभियान बना, जिससे वे क्लब के सदस्य बन सके। इस क्लब के तहत, महीने के प्रत्येक बुधवार को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' दिवस मनाया जाता है।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब' के सदस्यों द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ:

1. असमिया फिल्मों की स्क्रीनिंग
2. युग्मित राज्यों के विभिन्न विषयों (जैसे वन्य जीवन, संस्कृति, भोजन, त्योहार, पोशाक, स्वदेशी लोग) पर फोटोग्राफी प्रदर्शनी।

3. युग्मित राज्यों पर रचनात्मक लेखन / पेंटिंग और वॉल मैगज़ीन पर उसे पोस्ट करना।
4. राज्य के व्यंजनों का प्रदर्शन करने के लिए खाद्य त्योहारों और युग्मित चाय स्टालों को लगाना।
5. कला, संगीत और साहित्य के क्षेत्र में प्रख्यात असमिया विद्वानों को आमंत्रित करना।

छात्रों को संलग्न कर विभिन्न क्लब गतिविधियों की शुरुआत की गई। क्लब गतिविधियों को विभिन्न समूह चर्चा, रचनात्मक कला प्रदर्शन और विनिमय कार्यक्रम के माध्यम से प्रोप्साहित किया गया।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' क्लब की गतिविधि 23 जनवरी, 2020 को आयोजित की गई। क्लब के संकाय समन्वयक ने एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया और छात्र को भारत की "विविधता में एकता" के वास्तविक मूल्य को समझने और उसे मनाने के लिए प्रोत्साहित किया। क्रमशः असम और राजस्थान राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों के दो समूहों ने पावर-पॉइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से असम और राजस्थान के लोगों, भाषा, संस्कृति, प्राकृतिक संसाधनों और इतिहास पर एक अवलोकन किया। इन प्रस्तुतियों से छात्र दोनों राज्यों की एक झलक पाने में सक्षम हुए और दोनों राज्यों की मुख्य विशेषताओं और विशिष्टताओं का अवलोकन कर सके।

प्रस्तुति के बाद सायं 5.30 बजे रीमा दास द्वारा लिखित और निर्देशित **असमिया फिल्म "विलेज रॉकस्टार"** बायोटेक्नोलॉजी विभाग के व्याख्यान कक्ष, 4A3 भवन में प्रदर्शित की गई। **'विलेज रॉकस्टार'** राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता असमिया फिल्म है, जो उस जीवन को दर्शाती है जो असम के सुदूर गांवों में अब तक मौजूद है। फिल्म का मुख्य नायक एक छोटी लड़की है, जो हमेशा अपने आयु वर्ग के लड़कों की संगति में रहती और उनके साथ वह "विलेज रॉकस्टार" बनने की इच्छा रखती थी। फिल्म में एक बच्ची की माँ पर सामाजिक दबाव और एक लड़की के युवावस्था को मनाने की असमिया परंपरा को दिखाया गया है। यह बाढ़ प्रभावित गाँवों की गंभीरता को भी व्यक्त करती है, बालिका की माँ किसी भी प्रकार के सामाजिक दबाव की ओर कोई ध्यान नहीं देती है और अपनी बेटी के सपने को पूरा करने की आकांक्षा रखती है। इससे बालिकाओं की जिम्मेदारी और स्वतंत्रता की भावना का प्रकटीकरण हुआ। छात्र "असम कॉलिंग" की भावना के साथ असम के जीवन और संस्कृति के साथ परिचित हुए हुये। दो घंटे का पूरा कार्यक्रम में क्लब के दो छात्रों द्वारा उद्घोषणा की गई।

क्लब की अगली गतिविधि के रूप में 5 फरवरी, 2020 को अंग्रेजी विभाग के व्याख्यान कक्ष में **"कैप्शन लेखन प्रतियोगिता"** का आयोजन किया गया। एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब की गतिविधि के भाग के रूप में एक साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ छात्रों को 9 स्लाइड्स में चित्र दिखाए गए; प्रत्येक स्लाइड में राजस्थान और असम की तस्वीर दिखाई गई। छात्रों को दो समूहों (असम और राजस्थान) में विभाजित किया गया; असम समूह के प्रत्येक छात्र को राजस्थान समूह के लिए असम और राजस्थान को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरों का एक कैप्शन लिखना था। इसके बाद, उन्होंने आपस में चर्चा की और बेहतरीन कैप्शन लाया, जिससे उन्हें अनुभव हुआ कि कौन सी तस्वीरें उनके साथ सबसे अच्छी लगेंगी। छात्रों ने अपना उत्साह दिखाया और पूरी तरह से गतिविधि में लगे रहे। उन्हें लगा कि वे दोनों राज्यों की विविधता से परिचित हैं।

एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के सदस्यों के साथ 'कैप्शन लेखन प्रतियोगिता' के प्रतिभागी छात्र

छात्रों को संलग्न कर विभिन्न क्लब गतिविधियों की शुरुआत की जाती है। क्लब गतिविधियों को विभिन्न समूह चर्चा, रचनात्मक कला प्रदर्शन और विनिमय कार्यक्रम के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है। असम-तेजपुर विश्वविद्यालय, असम विश्वविद्यालय और असम डॉन बोस्को विश्वविद्यालय के छात्रों के विनिमय कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया और मार्च 2020 के दौरान योजना बनाई गई, परंतु दुर्भाग्यवश, महामारी की स्थिति के कारण यह संभव नहीं हो सका।

विश्वविद्यालय के वार्षिक दिवस के अवसर पर, असम और राजस्थान के नृत्य प्रदर्शन पर विशेष ध्यान दिया गया। विश्वविद्यालय सभागार में 3 मार्च, 2020 की शाम को एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्रों के एक समूह ने राजस्थानी लोक नृत्य (चरी, कालबेलिया, घूमर) प्रस्तुत किया

राजस्थान के विभिन्न लोक नृत्यों का प्रतिनिधित्व हेतु कार्यक्रम के प्रदर्शन की रूप-रेखा बनाई गई थी। कार्यक्रम के उद्घोषक छात्र ने इनमें से प्रत्येक नृत्य का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।

1. चरी किशनगढ़ और अजमेर के गुर्जर और सैनी समुदाय का प्रमुख नृत्य है।
2. कालबेलिया, घूमर राजस्थान के बहुत महत्वपूर्ण लोक नृत्य हैं जो अपनी शारीरिक शैली, रंग-बिरंगे परिधान और संतुलन बनाने की कला के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं।

असमिया लोक नृत्य (बिहू और तिवा, कर्बी जनजातियों की संस्कृति) का मंचन उत्तर-पूर्वी राज्यों के छात्रों के एक समूह द्वारा किया गया। उन्होंने नृत्य के विभिन्न रूपों को प्रस्तुत किया जो उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में प्रमुख हैं। असमी पोशाक पहने, छात्रों ने बिहू त्योहार के महत्व के बारे में बताया। तिवा नृत्य से असम की कर्बी जनजातियों की संस्कृति, स्वदेशी प्रथाओं और परंपराओं की जानकारी प्राप्त होती है।

वास्तुकला स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. नीरज गुप्ता

विभाग
• वास्तुकला विभाग
• डीडीयू कौशल केंद्र

वास्तुकला स्कूल मानव उत्कृष्टता के सतत विकास से संबंधित सभी मामलों पर उत्कृष्टता का केंद्र और ज्ञान विनिमय का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनता जा रहा है। संधारणीय विकास से संबंधित सभी मामलों पर केन्द्र एवं ज्ञान विनिमय का महत्वपूर्ण हब बनने की कल्पना करता है। स्कूल पुनर्योजी वास्तुकला को सिखाने और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसका उद्देश्य गर्म शुष्क रेगिस्तानी क्षेत्र में समुदाय के ऐतिहासिक और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के दस्तावेज ज्ञान का भंडार विकसित करना है। इस स्कूल द्वारा ध्यान केन्द्रित करने का महत्वपूर्ण क्षेत्र संधारणीय वास्तुकला के माध्यम से अपशिष्ट, जल, ऊर्जा एवं मानव उत्पादकता है। यह स्कूल शिक्षकों और पेशेवरों की निरंतर शिक्षा के लिए विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का विकास करने की कल्पना करता है। विशेष क्षेत्रों में रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास पाठ्यक्रमों का आरम्भ किया गया है।

वास्तुकला विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. नीरज गुप्ता

संचालित कार्यक्रम

वास्तुकला विभाग वर्तमान में वास्तुकला (संधारणीय वास्तुकला) कार्यक्रम में स्नातकोत्तर और पीएच.डी. पाठ्यक्रम और संचालित करता है।

- **एम. आर्क. (संधारणीय वास्तुकला)**
  वास्तुकला (संधारणीय वास्तुकला) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम वास्तुकला के क्षेत्र में स्थिरता के विभिन्न पहलुओं जैसे पारिस्थितिकी और पर्यावरण प्रबंधन, ऐतिहासिक और सामुदायिक परिप्रेक्ष्य, संधारणीय पड़ोसी योजना, जल संभर प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी, भवन की बनावट, ध्वनिकी, ताप समाधान, परियोजना प्रबंधन, और पारंपरिक तथा आधुनिक निर्माण प्रौद्योगिकियां, आंतरिक, वास्तुकला, शहरी डिजाइन और शहरी योजना के क्षेत्र में समकालीन चुनौतियों का समाधान पर केंद्रित है।
- विद्यावाचस्पति (पीएच.डी.)
  विभाग द्वारा विद्या वाचस्पति कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं और वर्तमान में योजना और लिंग-संबंधी मुद्दों में समावेशी दृष्टिकोण पर प्रमुख रूप से ध्यान केंद्रित करने हेतु एक एक शोध छात्र पंजीकृत है।

संकाय सदस्य

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. नीरज गुप्ता	आचार्य	वास्तुकला, शहर योजना, इंटीरियर डिजाइन
वास्तुकार रितु बी राय	सह-आचार्य	शहर योजना, वास्तुकला, इंटीरियर डिजाइन
वास्तुकार विवेकानंद तिवारी	सहायक आचार्य	पर्यावरणीय योजना, वास्तुकला, जल प्रबंधन
वास्तुकार सुनील शर्मा	सहायक आचार्य	शहरी योजना, वास्तुकला
वास्तुकार सन्नी बंसल	सहायक आचार्य	अवसंरचना डिजाइन और प्रबंधन; परिवहन योजना और प्रबंधन; स्थानिक अर्थमिति; पेरी-शहरी प्रबंधन
वास्तुकार विधु बंसल	सहायक आचार्य	शहरी और ग्रामीण योजना, स्मार्ट शहरों के लिए योजना, शहरी डिजाइन, स्थान-निर्माण, विरासत शहरों के लिए योजना, पैटर्न भाषा और नया नगरीकरण, स्पेस सिंटेक्स एनालिसिस

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/दौरा

नाम	पदनाम	तिथी
वास्तुकार गगन शर्मा	वरिष्ठ वास्तुकार, सह-संस्थापक प्रोमंडी, जयपुर (डिजाइन जूरी के लिए)	12.09.2019
वास्तुकार पुष्पक पंडित	वरिष्ठ शहरी डिज़ाइनर, आकल्पन आर्किटेक्ट्स, जयपुर (डिजाइन जूरी के लिए)	12.09.2020
प्रो. (डॉ.) रंजना मित्तल	वास्तुकला विभाग, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, इंद्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002(डिजाइन जूरी के लिए)	02.12.2019
प्रो. वीएस अदन	प्रोफेसर,वास्तुकला और योजना विभाग, वीएनआईटी, नागपुर (डिजाइन जूरी के लिए)	16.12.2019
प्रो. रीना सुराणा	प्रोफेसर,वास्तुकला और योजना विभाग, एमएनआईटी जयपुर (डिजाइन जूरी के लिए)	16.12.2019

कार्यशाला

वास्तुकला विभाग में "इंप्रूविंग एंड रीडिजाइनिंग सर्च स्ट्रेटडीज" नामक कार्यशाला ईबीएससीओ सूचना सेवाओं के लिए 26 सितंबर, 2019 को आयोजित की गई।

संगोष्ठी

- वास्तुकार गगन शर्मा (वरिष्ठ वास्तुकार, सह-संस्थापक प्रोमंडी,जयपुर), बाहरी संकाय को एम.आर्क. सतत वास्तुकला डिजाइन के लिए संधारणीय वास्तुकला 1 (डीएसए 01) पर सुझाव और मूल्यांकन के लिए 12.09.2019 को आमंत्रित किया गया।
- वास्तुकार पुष्पक पंडित (वरिष्ठ शहरी डिजाइनर, जयपुर), बाह्य संकाय को एम.आर्क. संधारणीय शहरी डिजाइन स्टूडियो के लिए संधारणीय वास्तुकला (एआरसी 704) पर सुझाव और मूल्यांकन के लिए 12.09.2019 को आमंत्रित किया गया।
- CADD प्रशिक्षण सेवा केंद्र, अजमेर ने 08 नवंबर, 2019 को वास्तुकला विभाग में बी. वोक. और वास्तुकला छात्रों के लिए "रेविट सॉफटवेयर" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- प्रो. (डॉ.) रंजना मित्तल (एसपीए नई दिल्ली) को मास्टर्स स्टूडेंट्स के लिए डिजाइन स्टूडियो, संधारणीय शहरी डिजाइन पर व्याख्यान देने और समीक्षा करने के लिए 02.12.2019 को आमंत्रित किया गया।
- प्रो. वी.एस. अदने (वीएनआईटी, नागपुर) को अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में और छात्रों के लिए डिजाइन समीक्षा की प्रतिक्रिया (ARC606) के लिए 16.12.2019 को आमंत्रित किया गया।
- प्रो. रीना सुराणा (एमएनआईटी जयपुर) को अंतिम सत्रीय परीक्षा के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में और छात्रों के लिए डिजाइन समीक्षा पर सुझाव (डीएसए-05) के लिए 16.12.2019 को आमंत्रित किया गया।
- सुश्री स्वागतिका मिश्रा (शोधार्थी) ने 17 अक्टूबर, 2019 को "जीवंतता की अवधारणा" विषय पर एक संगोष्ठी प्रस्तुत की।
- वास्तुकार बेट्टी लाला (क्यूशू विश्वविद्यालय जापान में शोधार्थी) ने 10 फरवरी, 2020 को "अध्ययन और घर के वातावरण में एक बच्चे द्वारा अनुभव किए गए इसके प्रभावों का अध्ययन" पर एक संगोष्ठी प्रस्तुत की।

कार्यस्थल का दौरा और शैक्षिक भ्रमण

- वास्तुकार रितु बी राय, वास्तुकार सनी बंसल और वास्तुकार विधु बंसल के नेतृत्व में 25 सितंबर, 2019 को एम. आर्क द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों के लिए संसाधन प्रलेखन अभ्यास के तहत ग्राम चूंदडी का दौरा आयोजित किया गया।
- केस-स्टडी डिज़ाइन (DSA-02) के लिए एम. आर्क द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों के लिए 12 जनवरी, 2020 को जयपुर मॉल, सिटी का दौरा आयोजित किया गया।
- वास्तुकार सनी बंसल और वास्तुकार विधु बंसल के नेतृत्व में 1-4 अक्टूबर, 2019 तक आईआईएम उदयपुर, पारंपरिक हवेलियों, किलों और उदयपुर शहर में झीलों का दौरा आयोजित किया गया।

पुरस्कार

सुश्री ग्रेसी एच. डेविड (बैच 2017-19 की एम. आर्क. छात्रा) ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह 2019 में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

वास्तुकार बेट्टी लाला (क्यूशू विश्वविद्यालय जापान में शोधार्थी) ने 10 फरवरी, 2020 को एक संगोष्ठी प्रस्तुत की।

प्रो. (डॉ.) रंजना मित्तल (एसपीए नई दिल्ली) सतत शहरी डिजाइन पर व्याख्यान देते हुए और मास्टर्स स्टूडेंट्स के लिए समीक्षा करते हुए।

दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र

(ज्ञान प्राप्ति और कुशल मानव क्षमताओं और आजीविका का उन्नयन)

निदेशक : प्रो नीरज गुप्ता

अगस्त 2015 में विश्वविद्यालय को 3.7 करोड़ रुपये की स्वीकृति के साथ दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र स्थापित करने की स्वीकृति मिली। वर्तमान में दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र विश्वविद्यालय के वास्तुकला स्कूल के तहत कार्यशील है। बी. वॉक. (इंटीरियर डिजाइन) कार्यक्रम के पाँच बैच के विद्यार्थियों ने अपना कार्यक्रम पूरा कर लिया है। बैच 2016 के विद्यार्थियों को आगामी दीक्षांत समारोह में उपाधि प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाना है।

संचालित कार्यक्रम

अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अतिरिक्त, वर्तमान में दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र बी वॉक. (इंटीरियर डिजाइन) कार्यक्रम का संचालन करता है। यह तीन वर्षीय (छह सेमेस्टर) कार्यक्रम है जिसमें प्रवेश और निकास के अनेक विकल्प मौजूद हैं। कार्यक्रम की प्रतिरूपक (मॉड्यूलर) संरचना विद्यार्थी को कौशल और प्रमाण पत्र के साथ उत्तीर्ण होने की अनुमति प्रदान करती है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रमाण पत्र हैं :

1. एक वर्ष का कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर : इंटीरियर डिजाइन में डिप्लोमा
2. दो वर्ष का कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर : इंटीरियर डिजाइन में एडवांस्ड डिप्लोमा
3. तीन वर्ष का कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर : वी. वोक. (इंटीरियर डिजाइन)

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. नीरज गुप्ता	आचार्य	वास्तुकला, शहर योजना, इंटीरियर डिजाइन
वास्तुकार योगांशु गिरधर	सहायक आचार्य	वास्तुकला, इंटीरियर डिजाइनिंग
वास्तुकार नाजिया कथात	सहायक आचार्य	कला, इंटीरियर डिजाइनिंग

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/दौरा

नाम	पदनाम	तिथी
वास्तुकार धीरज कुमार	स्पेसजेनसिस आर्किटेक्ट्स, जयपुर (इंटर्नशिप रिव्यू फीडबैक, INT-04)	09.08.2019
वास्तुकार जितेंद्र चौधरी	डिजाइन डेस्क, जयपुर (इंटर्नशिप रिव्यू फीडबैक, INT-04)	09.08.2019
अभियंता लोकेश कौशिक	कार्यकारी अभियंता, CPWD (भवन निर्माण सामग्री और तकनीकपर विशिष्ट अतिथि व्याख्यान)	01.08.2019
वास्तुकार पूनम शर्मा	आर्किटेक्ट्स (विशिष्ट अतिथि व्याख्यान बिड-16)	23.04.2020

कार्यशाला

वास्तुकला विभाग में "इंप्रूविंग एंड रिडिजाइनिंग सर्च रणनीतियाँ" नामक कार्यशाला ईबीएससीओ सूचना सेवाओं के लिए 26 सितंबर, 2019 को आयोजित की गई।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ (शैक्षिक यात्रा)

- बी.वॉक. के 3rd और 5th सेमेस्टर के छात्रों के लिए वास्तुकार योगांशु गिरधर, वास्तुकार नाजिया कथत, वास्तुकार सनी बंसल, वास्तुकार विधु बंसल और सुश्री स्वगातिका मिश्रा द्वारा 27 सितंबर, 2019 को "मेसर्ड ड्राइंग और स्पेस एंड बिल्डिंग (OSL-03, 05)" के रूप में जयपुर जिले के आमेर किले के दौरे का आयोजन किया गया।

पुरस्कार

- बी.वॉक के छात्र श्री रविकांत बैच 2016-19 (जुलाई) ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह 2019 में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- बी.वॉक की छात्रा सुश्री यस्मिता शर्मा बैच 2016-19 (जुलाई) ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह 2019 में 'आर्मस्ट्रांग अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन वोकेशनल एजुकेशन' में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.वॉक की छात्रा सुश्री रिया खंडेलवाल बैच 2016-19 (जुलाई) ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह 2019 में 'आर्मस्ट्रांग अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन वोकेशनल एजुकेशन' में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

बी.वॉक 2016-19 की छात्रा **सुश्री यस्मिता शर्मा**
राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के 6ठे दीक्षांत समारोह 2019 में
आर्मस्ट्रांग अवार्ड मेधा प्रमाण-पत्र प्राप्त करते हुए

बी.वॉक 2016-19 के छात्र **श्री रविकांत**
राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के 6वें दीक्षांत समारोह 2019 में
मेधा प्रमाण-पत्र प्राप्त करते हुए

रसायन विज्ञान और फार्मेसी स्कूल

अधिष्ठाता : प्रो. अमित कुमार गोयल

रसायन विज्ञान और फार्मेसी स्कूल में दो विभाग - रसायन विज्ञान विभाग और फार्मेसी विभाग हैं, जहां दोनों विभागों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अवसंरचना की उन्नति हेतु (DST-FIST) निधि के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाती है। स्कूल का उद्देश्य दोनों विषयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रसार करना और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान को कार्यान्वित करना है। यह स्कूल सभी हितधारकों के लाभ के लिए एक विशुद्ध विज्ञान को दूसरे अनुप्रयुक्त विज्ञान से जोड़ता है, अंतर्विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देता है तथा उद्योग के लिए प्रासंगिक पाठ्यक्रमों की आवश्यकता की पूर्ति करता है।

विभाग
• रसायन विज्ञान विभाग
• फार्मेसी विभाग

रसायन विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. ईश्वर एस.

रसायन विज्ञान विभाग वर्ष 2010 में अपनी शुरुआत से अनुसंधान एवं शिक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। विभाग ने 2010 में दो वर्षीय कार्यक्रम विज्ञान में स्नातकोत्तर (रसायन विज्ञान) प्रारंभ किया और 2012 में पूर्णकालिक पीएच.डी. कार्यक्रम, २०१३ में पाँच वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी. (रसायन विज्ञान) तथा 2015 में तीन वर्षीय एम.एससी. बी.एड. (रसायन विज्ञान) पाठ्यक्रम प्रारंभ किया। रसायन विज्ञान में पीएच.डी. का उद्देश्य विद्यार्थियों को मौलिक तथा अत्याधुनिक अनुसंधान हेतु प्रशिक्षित करना है। हमने विगत 10 वर्षों में वैज्ञानिक विषयों की सीधी सीमा रेखा को पार किया है और ड्रग डिजाइनिंग, ऑर्गेनोमेटलिक रसायन, बायोआर्गेनिक एवं बायो-इनोर्गेनिक रसायन, पदार्थ रसायन विज्ञान, सिमेट्रिक विश्लेषण के संबंध में और अधिक क्षमता प्राप्त करने हेतु सैद्धांतिक रसायन, हेट्रोसाइक्लिक/माइक्रोसाइक्लिक रसायन तथा ऑर्गेनिक स्पेक्ट्रोस्कोपी पर कार्य किया है। यह विभाग डीएसटी-फिस्ट (DST-FIST) द्वारा वित्त पोषित है तथा इसके संकाय विभिन्न निधि प्रदाता एजेंसियों जैसे सीएसआईआर, डीएसटी, यूजीसी इत्यादि से अनुदान प्राप्त करते हैं।

संचालित कार्यक्रम

- रसायन विज्ञान में पीएच.डी.
- रसायन विज्ञान में एम.एससी. (दो वर्षीय)
- रसायन विज्ञान में इंटीग्रेटेड एम.एससी. (पांच वर्षीय)
- रसायन विज्ञान में एम.एससी. बी.एड. (तीन वर्षीय)

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. आर. टी. पारदसानी (31 जुलाई 2019 को सेवानिवृत्त)	आचार्य, संविदा पर (13-12-2019 से)	कार्बनिक, हेट्रोसाइक्लिक तथा कंप्युटेशनल रसायन विज्ञान
डॉ. ईश्वर एस.	सह आचार्य	एसिमेट्रिक सिंथेसिस एवं आर्गेनोकैटेलाइसिस
डॉ. एम. भानुचंद्रा	सहायक आचार्य	ट्रांजिशन-मेटल कैटेलाइज्ड ऑर्गेनिक ट्रांसफॉर्मेशन तथा आर्गेनिक पदार्थों का संश्लेषण
डॉ. अनुज के. शर्मा	सहायक आचार्य	जैव-अकार्बनिक रसायन, अकार्बनिक औषधि, कॉर्डिनेशन रसायन विज्ञान

डॉ. आर. थीरूमूर्ति	सहायक आचार्य	मुख्य समूह रसायन विज्ञान, आर्गेनोमेटलिक रसायन विज्ञान
डॉ. पार्था रॉय	सहायक आचार्य	नैनोट्यूब्स, नैनोवायर्स, नैनोमेटेरियल्स का ऑटोइलेक्ट्रॉनिक
डॉ. रितेश सिंह	सहायक आचार्य	सी-एच बंध फंशलाइजेशन, आर्य रसायन, कीमो-एंजाइमी संश्लेषण, रसायनिक जीवविज्ञान (एपिजेनेटिक मॉडयूलेटर)
डॉ. हेमंत जोशी	सहायक आचार्य	सिंथेटिक अर्काबनिक और कार्बनिक रसायन (आणविक रोटार और आणविक मशीन), ऑर्गेनोक्लेजेन रसायन, कटैलिसीस
डॉ. राजगोपाला रेड्डी	सहायक आचार्य	सैद्धांतिक रसायन शास्त्र, इलेक्ट्रॉनिक संरचना सिद्धांत
डॉ. चंद्रकांता दास	सहायक आचार्य (यूजीसी-एफआरपी)	ऑर्गनोमेटेलिक केमिस्ट्री और होमोजीनस कैटालिसिस
डॉ. जोनी साहा	डीएसटी इंस्पायर फैकल्टी	नैनोमेटेरियल्स, मेसोपोरस मेटेरियल्स और कैटेलिस्ट एप्लिकेशन्स

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ व्याख्यान/संगोष्ठी/दौरा

नाम	कार्यक्रम	तिथी
प्रो. प्रदीप के. पांडा	एन इमर्जिंग 18 पी आइसोमेरिक पोर्फिरिन डाई लिगैंड एण्ड इट्स कोर एक्सपेन्डेड एनालॉग्स, हैदराबाद विश्वविद्यालय, भारत	09.08.2019

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

- पूर्व विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान और डीन, स्कूल ऑफ केमिकल साइंसेज एंड फार्मेसी स्वर्गीय डॉ. सुनील जी नाइक की स्मृति में एक दिवसीय "विभाग दिवस" संगोष्ठी का आयोजन 15 नवंबर, 2019 को किया गया था।

प्राप्त बाह्य निधि

- भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने डीएसटी-एफआईएसटी (स्तर 1 वर्ग) कार्यक्रम के अंतर्गत पांच वर्षों (2016-21) के लिए 70.5 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं।
- विभाग में भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियां जैसे- डीएसटी, सीएसआईआर, यूजीसी इत्यादि की रु. 3.50 करोड़ की बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं जारी हैं।

उपकरणों का क्रय / उपलब्ध सुविधाएँ

- गैस क्रोमैटोग्राफी (थर्मो फिशर सांइटिफिक)
- जीसी-एमएस (थर्मो फिशर सांइटिफिक)
- एचपीएलसी (शिमाजू)
- यूवी-वीआईएस (एजिलेंट-कैरी 100)
- एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर (पर्किन एल्मर)
- ओसीन ऑप्टिक्स यूवी-वीआईएस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- एलिमेंट एनालाइजर (थर्मो फिशर सांइटिफिक)
- फ्लूरोसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन (मेट्रोम)
- ग्लोब बॉक्स (लैबकोंको कॉर्पोरेशन)
- पालेरीमीटर
- कंप्यूटर लैब

पुरस्कार/उपलब्धियाँ

डॉ. ईश्वर एस.	यूनिवर्सिटी ऑफ यवास्कला, फिनलैंड में 4 अगस्त से 1 नवंबर, 2019 के दौरान डीएसटी, भारत - एकेडमी ऑफ फिनलैंड कोलैबोरेटिव मोबिलिटी रिसर्च ग्रांट परियोजना को पूरा करने के लिए प्रो. पेट्री पिहको के सहयोग से "स्टडीस ऑन द एसमेट्रिक मैनिच एण्ड माइकल एडिशन रिएक्शंस कैटालिज्ड बाइ ए फोल्डिंग बाइफंक्शनल ऑर्गेनोकैटालिज्ड" पर प्रोजेक्ट मिला।
श्री अजीत कुमार झा (शोधार्थी)	अक्टूबर 2019 में दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित JNOST संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।
सुश्री सुरभि जैन (शोधार्थी)	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2020 पर राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय स्तर पर तीव्र प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित।
सुश्री मोनिका राणा (शोधार्थी)	सीएसआईआर-एसआरएफ (डायरेक्ट) के लिए चयनित।
सुश्री संतोष कुमारी (इंटीग्रेटेड एम.एससी.)	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर (IIT, कानपुर), कानपुर, यूपी में एम.एससी. रसायन विज्ञान कार्यक्रम के लिए चयनित।

एक दिवसीय "विभाग दिवस" संगोष्ठी, रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रस्तुतिकरण

फार्मेसी विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो. अमित कुमार गोयल

फार्मेसी विभाग की स्थापना वर्ष 2012 में फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री में एम.फार्म और फार्मेसी में पीएच.डी. संबंधित क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा विद्यार्थियों को नये शोध प्रोटोकॉल के अनुसार प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से हुई थी। विभाग फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है और 2017 से फार्मास्युटिक्स में एम.फार्म भी चल रहा है। फार्मेसी विभाग फार्मास्युटिकल क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु समर्पित है और इस छोटी सी अवधि में अनेक मोर्चों पर खुद को स्थापित कर रहा है। सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा करने के पश्चात छात्रों को विभिन्न सरकारी तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों में नियोजित किया गया है।

संचालित कार्यक्रम

- फार्मेसी में पीएच. डी.
- फार्मास्युटिकल रसायन में एम. फार्म.
- फार्मास्युटिक्स में एम. फार्म.

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. अमित कुमार गोयल	आचार्य	फार्मास्युटिक्स
प्रो. विपिन कुमार (मार्च 2020 से लीन पर)	आचार्य	औषधीय रसायन विज्ञान
डॉ. देवेश एम सावंत	सहायक आचार्य	औषधीय रसायन विज्ञान
डॉ. रूचि मलिक	सहायक आचार्य	औषधीय रसायन विज्ञान
डॉ. कैसर रजा	सहायक आचार्य	फार्मास्युटिक्स
डॉ. उमेश गुप्ता	सहायक आचार्य	फार्मास्युटिक्स

शैक्षणिक गतिविधियां

प्राप्त बाह्य निधि

300 लाख से अधिक की कुल राशि वाली विभिन्न बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं को विभिन्न सरकारी फंडिंग एजेंसियों जैसे डीएसटी, डीएसटी-फिस्ट, डीएसटी-नैनोमिशन, आईसीएमआर, सीएसआईआर, डीबीटी, यूजीसी तथा एसईआरबी द्वारा फार्मेसी विभाग को प्रदान किया गया है।

पुरस्कार/उपलब्धियाँ

डॉ. उमेश गुप्ता	सैन एंटोनियो संयुक्त राज्य अमेरिका में एएपीएस वार्षिक बैठक 2020 के दौरान प्रतिष्ठित युवा शिक्षक और शोधकर्ता पुरस्कार 2019 दिया गया। सैन एंटोनियो टेक्सास यूएसए (नवंबर, 2019) में एएपीएस वार्षिक बैठक 2020 में भाग लेने के लिए डीएसटी एसईआरबी से अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त किया।
सुश्री सरिता रानी (शोधार्थी)	2 अक्टूबर, 2019 को एएपीएस फार्म साइंस 360, सैन एंटोनियो, टेक्सास, यूएसए में पीएच.डी. रिसर्च पेपर में भाग लेने और प्रस्तुत करने के लिए डीबीटी से यात्रा अनुदान प्राप्त किया।

श्री लोकेश कौशिक (शोधार्थी)	भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) के सहयोग से "हर्बल ड्रग्स और फाइटोफार्मास्यूटिकल पर मोनोग्राफ के विकास" पर महारानी अरविंद कॉलेज ऑफ फार्मेसी, जयपुर, राजस्थान में 23 नवंबर, 2019 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
श्री वीरेन्द्र नाथ (शोधार्थी)	02 दिसंबर, 2019 से 06 दिसंबर, 2019 तक दक्षिण कोरिया के बुसान में "अंतर्राष्ट्रीय

सरिता रानी, रिसर्च स्कॉलर, फ़ार्मेसी, डीबीटी, भारत सरकार से प्राप्त अंतरराष्ट्रीय यात्रा अनुदान के समर्थन से एएपीएसफॉर्मसाइंस (अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंटिस्ट्स) की वार्षिक बैठक 2019, सैन एंटोनियो टेक्सास, अमेरिका में पोस्टर प्रस्तुत करती हुई।

डॉ. उमेश गुप्ता सैन एंटोनियो टेक्सास यूएसए में अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ इंडियन फार्मास्यूटिकल साइंटिस्ट्स द्वारा एएआईपीएस यंग एजुकेटर एंड रिसर्चर अवार्ड 2019 प्राप्त करते हुए

वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल

अधिष्ठाता : डॉ. प्रवीण साहू

एक दशक से भी कम पुराने वाणिज्य और प्रबंधन स्कूल में विविधता, समावेशनीयता, पारस्परिक सम्मान, सहयोग और शैक्षणिक उत्कृष्टता के मूल्य अंतर्निहित हैं। यह स्कूल नवोन्मेषी शिक्षाशास्त्रीय सिद्धातों एवं छात्र केन्द्रित दृष्टिकोणों के साथ शिक्षण एवं अधिगम को प्रोत्साहित करता है। समर्थ शैक्षणिक पृष्ठभूमि, तीव्र शोध उन्मुखीकरण एवं पूरक कौशल समुच्चयों से युक्त व्यक्तियों का स्कूल के संकाय सदस्य के रूप में चयन किया गया है। विकास की उच्च संभावना के साथ यह स्कूल भविष्य में स्वयं को वाणिज्य एवं प्रबंधन विषय में उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है।

विभाग
• वाणिज्य विभाग
• प्रबंधन विभाग

वाणिज्य विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. प्रवीण साहू

कारपोरेट जगत् गतिशील है और परिवर्तन इतने गंभीर हैं कि नई अवधारणाओं और तकनीकों की श्रृंखलाएँ तेजी से अस्तित्व में आती जा रही हैं साथ ही पूर्ववर्ती एवं पारंपरिक अवधारणाएं व तकनीकें अप्रचलित होती जा रही हैं। इस स्थिति ने परिवर्तित होते व्यावसायिक परिदृश्य के साथ सार्थक एवं सुसंगत बनाने एवं वाणिज्य संकाय सदस्यों के योगदान को उत्तरोत्तर दिशा प्रदान करने तथा सरल एवं कारगार बनाने हेतु अवधारणाओं और तकनीकों का आरम्भ करने के लिए, सभी स्तरों पर वाणिज्य शिक्षा की पुनर्संरचना की आवश्यकता को जन्म दिया है। वाणिज्य विभाग वैश्विक मानकों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण ज्ञान प्रदान करने के लिए कृत-संकल्प है।

संचालित कार्यक्रम

- वाणिज्य में पीएच. डी.
- एम. कॉम.

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. प्रवीण साहू	आचार्य	विपणन, मानव संसाधन प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार
डॉ. नेहा सेठ	सहायक आचार्य	वित्त और सामान्य प्रबंधन
डॉ. रुचिता वर्मा	सहायक आचार्य	लेखा, वित्त तथा सामान्य प्रबंधन
डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया	सहायक आचार्य	वित्त और सामान्य प्रबंधन
डॉ. संजय कुमार पटेल	सहायक आचार्य	लेखांकन और कराधान

शैक्षणिक और विस्तार गतिविधियाँ

विशेषज्ञ व्याख्यान/अतिथ संकाय/ उद्योग से संबंधित व्यक्ति

नाम	कार्यक्रम	तिथि
डॉ. एल.एन. कोली	वाणिज्य शिक्षक, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) आगरा यूजीसी-नेट और प्रतियोगी परीक्षाओं की रणनीतिक तैयारी	12/03/2020
प्रो. ए.के. सिंह	कुलपति, श्री श्री विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा अनुसंधान प्रस्ताव और अनुसंधान डिजाइन का विकास	09/09/2019

सम्मेलन / कार्यशाला / संगोष्ठी का आयोजन

- पीएमएमएनएमटीटी, शिक्षण और अध्ययन केंद्र, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर के तहत जनवरी 21-25, 2020 तक डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया द्वारा पांच दिनों के शिक्षण और अधिगम पाठ्यक्रम "इनोवेटिव टीचिंग प्रैक्टिसेज इन मैनेजमेंट एंड कॉमर्स" का समन्वय किया गया।
- "द रोड अहेड: द फ्यूचर ऑफ इंडियन बिजनेस (प्रबंधकीय निर्णयों पर कोविड-19 का प्रभाव)" पर डॉ. संजय कुमार पटेल द्वारा भावदीय इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, फैजाबाद और भारतीय लेखा संघ, अवध शाखा, अयोध्या के सहयोग से 7 जून, 2020 को वेबिनार आयोजित किया गया।
- डॉ. संजय कुमार पटेल द्वारा वाणिज्य विभाग, सीयूराज में केस स्टडी और रिपोर्ट लेखन (अक्टूबर 8, 2019) पर एम कॉम-I और एम कॉम-II के लिए कौशल विकास गतिविधियां, मॉक साक्षात्कार: बीएचईअल में वित्तीय विश्लेषक (5 नवंबर, 2019), व्यावसायिक प्रस्तुति (6 नवंबर, 2019), व्यावसायिक बैठक (13 नवंबर, 2019) और एजेंडा और बैठक के मिनट की तैयारी (19 नवंबर, 2019) आयोजित किए गए।
- वाणिज्य विभाग, सीयूराज में प्रो. प्रवीण साहू द्वारा (अक्टूबर 2019) "स्टार्ट-अप और न्यू वेंचर: एंटरप्रेन्योरियल थिंकिंग" पर एम.कॉम-II के लिए संगठित उद्यमिता विकास गतिविधियाँ आयोजित की गई।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

पुरस्कार / उपलब्धियां

- प्रमुख परियोजना, सह-अन्वेषक, डॉ. सुशीला सोरिया "समावेशी विकास के लिए दिल्ली एसएमई को सक्षम करने के लिए डिजिटलीकरण" आईसीएसएसआर इंप्रेशन, नई दिल्ली (30 अगस्त, 2019)।
- आरडीए के 2छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, गोवा (23-24 नवंबर, 2019) में 'सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन, व्यवसाय, शिक्षा, पर्यटन और प्रौद्योगिकी में बहु-विषयक अनुसंधान और वैश्विक नवाचार' पर जानकी सिंह राठौड़ और डॉ. धनराज शर्मा को बेस्ट पेपर पुरस्कार।
- के.जे. सोमैया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, मुंबई द्वारा आयोजित सिफिको अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (17-18 जनवरी, 2020) में रिस्क मैनेजमेंट इन बैंक्स एंड फाइनेंशियल मार्केट्स पर डॉ. रुचिता वर्मा और जानकी सिंह राठौड़ को बेस्ट पेपर पुरस्कार।
- डीएवी पीजी कॉलेज, बीएचयू वाराणसी में "ऑनलाइन ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम पर बिजनेस प्लान" (21 मई, 2020) पर शुभम पांडे और विष्णु वैष्णव को बेस्ट पेपर पुरस्कार।
- संतोष साहू को (2 सितंबर, 2019) वर्क फॉर यूनिटी व राहत केंद्र के सहयोग से आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार।
- अखिल कुमार चौधरी को हिंदी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी विभाग पखवाड़ा (4 सितंबर, 2019) में कविता पाठ में द्वितीय पुरस्कार।
- विष्णु वैष्णव को हिंदी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी विभाग पखवाड़ा (4 सितंबर, 2019) में हिंदी शब्दावली प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार।

अन्य उपलब्धियां

नेट – जेआरएफ (2019-20) उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी

क्र. सं.	छात्र का नाम	पिता का नाम	बैच	नेट-जेआरएफ
1	लता पालीवाल	बाबू लाल पालीवाल	2016-18	नेट-जेआरएफ
2	मोहन लाल जांगिड़	सत्यनारायण जांगिड	2018-20	नेट-जेआरएफ
3	अशोक कुमार मीणा	बी.एस. मीणा	2016	नेट
4	विप्रा जैन	प्रलोक जैन	2017-19	नेट
5	रेखा	रामचन्दर	2017-19	नेट

6	शुभम पांडे	विनय कुमार पांडे	2018-20	नेट
7	अरुणा गिरी	बंश गोपाल गिरि	2018-20	नेट
8	विष्णु वैष्णव	रतन लाल वैष्णव	2018-20	नेट
9	अखिल कुमार चौधरी	विमलेश कुमार चौधरी	2019-21	नेट
10	पूजा यादव	अशोक यादव	2019-21	नेट

उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्र (2019-20)

क्र. सं.	छात्र का नाम	बैच	उच्च अध्ययन	संस्थान का नाम
1	मोहनलाल जांगिड़	2018-20	पीएच.डी.	IIT, रुड़की
2	पार्थवी रस्तोगी	2016-18	पीएच.डी.	राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

अतिरिक्त पाठयक्रम गतिविधियां

राष्ट्रीय स्तर की प्रश्नोत्तरी

- संतोष साहू और अखिल कुमार चौधरी ने उका तरसड़िया विश्वविद्यालय, गुजरात द्वारा (27-31 दिसंबर, 2019) आयोजित "35 वीं अंतर विश्वविद्यालयीय पश्चिम क्षेत्र प्रतियोगिता-क्विज और डिबेट" में सीयूराज का प्रतिनिधित्व किया।
- मोहनलाल जांगिड़ और संतोष साहू ने वाणिज्य विभाग, पीएमएमएसडी महिला महाविद्यालय, गुरदासपुर द्वारा (16 जून, 2020) आयोजित "ई-कॉमफेस्ट: टेस्ट ऑफ़ नॉलेज (क्विज़)" में भाग लिया।
- पीयूष झालानी ने उच्च शिक्षा सेल और कामधेनु आर्ट एंड साइंस कॉलेज, तमिलनाडु द्वारा (20-23 मई, 2020) आयोजित ई-क्विज़ ऑन रिसर्च मेथोडोलॉजी में भाग लिया।
- पूजा यादव और संतोष साहू ने आईआईएम, इंदौर द्वारा (11 अक्टूबर, 2019) आयोजित "आईआरआईएस प्रतियोगिता" में भाग लिया।
- गुरु नानक कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई द्वारा (16 जून, 2020) आयोजित "ऑनलाइन कॉमर्स क्विज़" में वंदना, शुभम पांडे और विष्णु वैष्णव ने भाग लिया।
- वंदना कुमारी ने सिपना कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, अमरावती द्वारा (9 मई, 2020) आयोजित "ऑनलाइन क्विज़ ऑन कोविड-19" में भाग लिया।
- वंदना कुमारी ने अग्रवाल कॉलेज, बल्लभगढ़ द्वारा (10 जून, 2020) आयोजित राष्ट्रीय स्तर की "पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता" में भाग लिया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम:

- अदिति सोनी, पीयूष जालानी, संतरूप तंवर, पुष्पेन्द्र, अशोक कुमार मीणा, प्रियंका मीणा और मृत्युंजय साहू ने भाषाई और भाषा विज्ञान: एक मात्रात्मक दृष्टिकोण' सीयूराज (19 फरवरी, 2020) पर कार्यशाला में भाग लिया।
- अरुणा गिरि, सांची गुरु, सुभद्रा राजपुरोहित और वंदना कुमारी, ने एनएसएस, सीयूराज (16 अक्टूबर, 2019) द्वारा आयोजित नुक्कड नाटक (स्ट्रीट प्ले) "स्वच्छता ही सेवा है" में भाग लिया।
- कनक प्रिया ने 12 वें स्थापना दिवस, सीयूराज (3 मार्च, 2020), छठे दीक्षांत समारोह, सीयूराज (8 फरवरी, 2020) और हिंदी दिवस (12 सितंबर, 2019) को "सांस्कृतिक नृत्य" में भाग लिया।
- अरुणा गिरि और सच्ची गुरु, ड्रामा क्लब, सीयूराज द्वारा (30 जनवरी, 2020) आयोजित "नाटक प्रतियोगिता-2020: स्किट" में भाग लिया।
- संतोष साहू ने स्पर्श, सीयूराज द्वारा (24 फरवरी, 2020) आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया।
- अरुणा गिरि और सच्ची गुरु ने केंद्रीय सतर्कता आयोग, सीयूराज द्वारा (4 नवंबर, 2019) आयोजित "इमानदारी-एक जीवन शैली" में भाग लिया।

विश्वविद्यालय की सामाजिक और खेल गतिविधियाँ:

- अरुणा गिरी, वंदना, सच्ची गुरु, सुभद्रा राजपुरोहित, शुभम पांडे, कनक प्रिया और स्वाति सुमन ने फिट इंडिया कार्यक्रम, स्वछता पखवाड़ा 2019, थैली छोडो थैला पकडो, साफ परिसर, अपशिष्ट प्रबंधन और एनएसएस द्वारा (2019-20) आयोजित अन्य एनएसएस स्पेशल कैंप में भाग लिया।
- शुभम पांडे, वंदना, सच्ची गुरु, सुभद्रा राजपुरोहित, कनक प्रिया और स्वाति सुमन ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा (2019-20) आयोजित "स्वच्छता ही सेवा 2019 शिविर" में एक सक्रिय स्वयंसेवक के रूप में योगदान दिया।
- शुभम पांडे, वंदना कुमारी, अरुणा गिरि, सच्ची गुरु, शुभ्रा राजपुरोहित और विष्णु वैष्णव ने राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा (25 जुलाई 2019) आयोजित "ड्रग एव्यूज अवेयरनेस एंड प्रिवेंशन: फ्राम ड्रग्स टू डेडिकेशन" कार्यशाला में भाग लिया।
- अरुणा गिरि, आदित्य चतुर्वेदी, मोहनलाल जांगिड़ ने हैंडबोल कॉम्पटिशन, सीयूराज (2019-20) में भाग लिया।

28-29 दिसम्बर, 2019 को आयोजित 42 वें
अखिल भारतीय लेखा सम्मेलन जेएनवीयू, जोधपुर में कॉमर्शियन्स

3 दिसम्बर, 2019 को आयोजित छठे दीक्षांत समारोह में
वाणिज्य छात्रों को उपाधि वितरण

प्रबंधन विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. मैथिली आर.पी. सिंह

2010 में स्थापित प्रबंधन विभाग तीन क्षेत्रों - वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन और विपणन में विशेषज्ञता के साथ एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संचालित करता है। प्रत्येक वर्ष विविध पृष्ठभूमियों, राज्यों, संस्कृतियों और भाषाओं से संबंधित 30 विद्यार्थी इस कार्यक्रम में सम्मिलित होते हैं। विभाग के संकाय कठिन शैक्षणिक आदानों, सम्मानीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों और निरंतर प्रबंधन गतिविधियों के माध्यम से उच्च गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा प्रदान करते हैं। संकाय सदस्यों के ठोस शोध अभिविन्यास, प्रायोजित शोध परियोजनाओं और डॉक्टोरल अनुसंधान के माध्यम से परिलक्षित होता है।

संचालित कार्यक्रम

- प्रबंधन में पीएच. डी.
- एम.बी.ए.

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. मैथिली आर पी सिंह	आचार्य	विपणन
प्रो. उमा शंकर मिश्र	आचार्य	विपणन

डॉ. संजय कुमार	सहायक आचार्य	वित्त
डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी	सहायक आचार्य	मानव संसाधन प्रबंधन
डॉ. अवन्तिका सिंह	सहायक आचार्य	मानव संसाधन प्रबंधन

शैक्षणिक गतिविधियाँ

सम्मेलन / कार्यशाला / संगोष्ठी का आयोजन

- विभाग ने ग्यान योजना, एमएचआरडी, भारत सरकार के तहत 5-9 अगस्त, 2019 के दौरान एक सप्ताह का पाठ्यक्रम "विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए ई-बिजनेस मॉडल" आयोजित किया जिसे प्रो. अर्नेस्ट जॉनसन, रेजिना विश्वविद्यालय, रेजिना, कनाडा द्वारा दिया गया।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

- एमबीए के छात्रों के लिए विभाग ने बेयरफुट कॉलेज, तिलोनिया का दौरा किया।

प्राप्त बाह्य निधि

- विभाग में इम्प्रेस, आईसीएसएसआर द्वारा 2 वर्ष के लिए रु. 7,00,000 की बाह्य वित्त पोषित परियोजना "ए कम्प्रेन्सिव स्टडी ऑफ इंम्पिलिमेन्टेशन ऑफ भामाशाह योजना इन द स्टेट ऑफ राजस्थानः एन एम्पिरिकल एनालिसिस" जारी है।
- विभाग में इम्प्रेस, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा 15 माह लिए रु. 10,00,000 की बाह्य वित्त पोषित परियोजना "राजस्थान में स्व-सहायता समूह आंदोलन के आर्थिक और सामाजिक प्रभाव का आकलन" जारी है।

उपकरणों का क्रय/सुविधाएं

- लैपटॉप तथा प्रिंटर

ग्यान पाठ्यक्रम "विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए ई-बिजनेस मॉडल" का 5 अगस्त 2019 के दौरान आयोजन

26 सितंबर 2019 को प्रबंधन विभाग में ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स एलिट ई-जर्नल्स संग्रह पर प्रशिक्षण सत्र

पृथ्वी विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: डॉ. एल. के. शर्मा

विभाग
• वायुमंडलीय विज्ञान विभाग
• पर्यावरण विज्ञान विभाग

पृथ्वी विज्ञान स्कूल पर्यावरण विज्ञान और वायुमंडलीय विज्ञान के क्षेत्र तथा सामाजिक विकास के साथ उनके संबंध में अंतर्विषयक ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस स्कूल का मुख्य लक्ष्य स्थानीय और वैश्विक समुदायों की सेवा के लिए पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक ज्ञान और तकनीकी कौशल के साथ जनशक्ति को प्रशिक्षित करना है। यह स्कूल पृथ्वी, इसके संसाधनों और इसमें आने वाले परिवर्तन की प्रक्रियाओं के संबंध में मौलिक ज्ञान का सृजन करने एवं प्रभावी ढंग से प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने दृष्टिकोण और मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए मौजूदा विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से अनुसंधान, शिक्षा, और आउटरीच कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों मे कार्य कर रहा है।

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. देवेश शर्मा

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग की स्थापना पृथ्वी विज्ञान स्कूल के अंतर्गत वर्ष 2016 में की गई। यह विभान एम.एससी. और पीएच.डी. दोनों कार्यक्रम संचालित करता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अंतर्विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इसमें वायुमंडल और महासागर, जलवायु मॉडलिंग, मानसून, और इसके भौतिक और सामाजिक परिणामों को समझने के लिए गंभीर मौसम पूर्वानुमान, रेगिस्तान मौसम विज्ञान की समझ, वायुमंडलीय रसायन विज्ञान, वायु गुणवत्ता, रिमोट सेंसिंग और जलवायु परिवर्तन प्रभावों के संख्यात्मक मॉडलिंग शामिल हैं। विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग विकसित कर रहा है।

संचालित कार्यक्रम

- वायुमंडलीय विज्ञान में एम.एससी.
- वायुमंडलीय विज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. सोमेश्वर दास	आचार्य (संविदात्मक पुनः नियुक्ति)	वायुमंडलीय मॉडलिंग, मेघपुंज संवहन, मेघ सूक्ष्म भौतिकी
डॉ. देवेश शर्मा	सह आचार्य	जलवायु परिवर्तन और जल स्त्रोत, हाड्रोलॉजिकल मॉडलिंग
डॉ. सुब्रत कुमार पांडा	सहायक आचार्य	क्षेत्रीय जलवायु परिवर्तन मॉडलिंग, भारतीय मानसून का अध्ययन
डॉ. चिन्मय मलिक	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय रसायन विज्ञान, वायुमंडलीय ऑक्सीकरण और स्व-सफाई तंत्र, वायु प्रदूषण, वायुमंडलीय गैसों का पता लगाना
डॉ. जयंती पाल	सहायक आचार्य	जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, एयर-सी इंटरेक्शन, भारतीय मानसून, उष्णकटिबंधीय साइक्लोजेनेसिस, क्लाउड-एयरोसोल इंटरफेरेंस

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ व्याख्यान/संगोष्ठी/दौरा

नाम	कार्यक्रम	तिथि
प्रो. हिरोहिको इशिकावा	क्योटो विश्वविद्यालय, जापान मध्य अक्षांश में गंभीर तूफान के संकेतक के रूप में ओवरसोलेटिंग क्लाउड टॉप का पता लगाना	27-28/02/2020
प्रो. एस.एस.वी.एस. रामकृष्ण	आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम भारतीय उपमहाद्वीप में चरम मौसम की घटनाओं का संख्यात्मक सिमुलेशन	27/02/2020 02/03/2020
प्रो. दीपक आर्यल	त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल पोखरा, नेपाल में गंभीर ओलावृष्टि: एक केस अध्ययन	27/02/2020 02/03/2020
प्रो. टोमोमी नरीता	शोनन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जापान वीएलएफ सिरिफिक्स पर आधारित लाइटनिंग लोकेशन सिस्टम (ब्लिट्ज) का अध्ययन	27/02/2020 02/03/2020
डॉ. पी. मुखोपाध्याय	भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे, भारत तेज आंधी और इससे जुड़ी बिजली के लिए पूर्वानुमान प्रणाली का विकास	27-28/02/2020
डॉ. फुमी मुरता	कोच्चि विश्वविद्यालय, जापान डब्ल्यूडब्ल्यूएलएलएन डेटासेट के आधार पर बांग्लादेश में गरज के लक्षण	27/02/2020 02/03/2020
डॉ. समरेंद्र कर्मकार	पूर्व डीजी, बांग्लादेश मौसम विभाग, बांग्लादेश, NOAMI, बांग्लादेश बांग्लादेश में 31 मार्च 2019 को आई तेज आंधी पर अध्ययन	27-28/02/2020
डॉ. सोमा सेन रॉय	भारत मौसम विज्ञान विभाग, दिल्ली आईएमडी में चरम गंभीर तूफान और आपदा न्यूनीकरण रणनीतियाँ	27-28/02/2020
प्रो. यूसुके यामने	टोकोहा विश्वविद्यालय, जापान के प्रो, बांग्लादेश में प्री-मॉनसून सीज़न के दौरान गंभीर स्थानीय तूफान की पर्यावरणीय स्थिति	27/02/2020 02/03/2020
प्रो. टोरू तेराओ	कागावा विश्वविद्यालय, जापान एशियाई ग्रीष्मकालीन मानसून चरम वर्षा वर्षा की नई विश्लेषण रूपरेखा	27/02/2020 02/03/2020
डॉ. अज़ुसा फुकुशिमा	कोबे गाकुइन विश्वविद्यालय, जापान असम, भारत में चरम मौसम की घटनाओं के लिए चाय बागानों में मौसम संबंधी आंकड़ों का योगदान	27/02/2020 02/03/2020
डॉ. अभिलाष एस	कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, केरल 2018 और 2019 के दौरान केरल में मॉनसून की बाढ़ के कारण भूमध्यरेखीय हिंद महासागर और असमान मेसोस्केल बादल फटने की घटना के दौरान विषम नमी परिवहन की भूमिका	27-28/02/2020

डॉ. मोहन के. दास	BUET, ढाका, बांग्लादेश इंडो-बंगला क्षेत्र के खड़ी किनारे में बाढ़-बाढ़ उत्पादन के लिए डब्ल्यूआरएफ मॉडल का आकलन	27/02/2020 02/03/2020
पी.वी.एस. राजू	एमिटी विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर, भारत मेसो-स्केल मॉडलिंग प्रणाली का उपयोग करके चरम मौसम के खतरों का अनुकरण	27/02/2020 02/03/2020
डॉ. मनोज एम.जी.	ACAR, CUSAT, केरल, भारत केरल के 2018 के ऐतिहासिक बाढ़ पर पश्चिम प्रशांत टाइफून के प्रभाव की जांच	27-28/02/2020
डॉ. अर्चना श्रेष्ठ	जल विज्ञान और मौसम विज्ञान, नेपाल नेपाल में बारा-परसा तूफान: मौसम संबंधी स्थितियों को समझने में चुनौतियां	27/02/2020 02/03/2020
डॉ. सुभदीप हलदर	इलाहाबाद विश्वविद्यालय, भारत बादल हल करने वाले मॉडल का उपयोग करते हुए 7 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली में बिजली और ओलावृष्टि की भविष्यवाणी	27/02/2020 02/03/2020
एवीएम (डॉ.) अजीत त्यागी	पूर्व डीजीएम, भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारत एशिया-पीईएक्स चुनौतियां, अवसर और सुझाव	01-02/03/2020
डॉ. क्यॉ ल्विन ओ	मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग, म्यांमार वर्षा प्रयोग: उप-मौसमी-से-मौसमी (S2S) विश्लेषण और मेसोस्केल मॉडल वर्षा सत्यापन	01-02/03/2020
डॉ. मसाशी किगुची	टोक्यो विश्वविद्यालय, जापान थाईलैंड में जलवायु परिवर्तन के लिए लचीला और स्थायी समाधान का विकास	01-02/03/2020
प्रो. लक्ष्मण सिंह राठौड़	पूर्व डीजीएम, भारत मौसम विभाग, भारत दक्षिण एशिया में मौसम, जल और जलवायु सेवाओं को मजबूत करना	01-02/03/2020
डॉ. अतुल कुमार वर्मा	अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, इसरो, भारत इनसैट-3 डी/3 डीआर से उच्च स्थानिक और टेम्पोरल स्केल इंटेंस बारिश का अनुमान	01-02/03/2020
प्रो. यू.सी. मोहंती	एमेरिटस प्रोफेसर, पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान के स्कूल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर	01-02/03/2020
डॉ. एस.एस. कुंडू	उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, भारत NESAC में अंतरिक्ष और वायुमंडलीय विज्ञान अनुसंधान और अनुप्रयोग	01-02/03/2020
डॉ. वी. सत्यमूर्ति	अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, अहमदाबाद, भारत MOSDAC में सैटेलाइट मौसम विज्ञान और महासागर संबंधी डेटा उपलब्धता और SMART के भाग के रूप में प्रशिक्षण और अनुसंधान के उपलब्ध अवसर	10/10/2019

सम्मेलन / कार्यशाला / संगोष्ठी का आयोजन

- "सैटेलाइट मौसम विज्ञान और समुद्र विज्ञान" पर एक दिवसीय आउटरीच प्रशिक्षण कार्यक्रम MOSDAC अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रभाग, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO), अहमदाबाद के सहयोग से 10 अक्टूबर, 2019 को आयोजित किया गया।
- 04 दिसंबर, 2019 को भारतीय मौसम विज्ञान सोसाइटी, जयपुर चैप्टर की आधे दिन की बैठक।
- 27-29 फरवरी, 2020 को कागावा विश्वविद्यालय, जापान में इंटरनेशनल कंसोर्टियम फॉर अर्थ एंड डेवलपमेंट साइंसेज (ICEDS), जापान के सहयोग से "एक्सट्रीम सीवर स्टॉर्म एंड डिजास्टर मिटिगेशन स्ट्रेटेजी" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 01-02 मार्च, 2020 को कागावा विश्वविद्यालय, जापान में इंटरनेशनल कंसोर्टियम फॉर अर्थ एंड डेवलपमेंट साइंसेज (ICEDS), जापान के सहयोग से "एशियन प्रीसिपिटेशन एक्सपेरिमेंट (AsiaPEX) / साउथ एशिया (SA)" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

- 16 सितंबर, 2019 को विश्व ओजोन दिवस मनाया गया।

प्राप्त बाह्य निधि

- भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, एसईआरबी यूजीसी और एमओडब्ल्यूआर द्वारा अनुमोदित रु. 64.60 लाख की विभिन्न बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में चल रही हैं।

उपकरणों का क्रय/सुविधा

- सिमुलेशन और विज़ुअलाइज़ेशन प्रयोगशाला के लिए 7 डेस्कटॉप कंप्यूटर।
- लाइटनिंग डिटेक्टर, आपदा निवारण अनुसंधान संस्थान (DPRI), क्योटो विश्वविद्यालय, और पृथ्वी और विकास विज्ञान (ICEDS) के लिए अंतर्राष्ट्रीय कंसोर्टियम, कागावा विश्वविद्यालय, जापान के साथ 'नेटवर्क फॉर लाइटनिंग एण्ड थंडरस्टॉर्म इन रियल टाइम' के तहत प्राप्त हुआ एवं सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। इसके साथ ही, सीयूराज वैश्विक नेटवर्क (https://map.blitzortung.org/#5.52/26.521/73.957) का हिस्सा बन गया।

पुरस्कार/उपलब्धियाँ

- विभाग के पूर्व छात्र (2016-2018) ने अल्बानी विश्वविद्यालय, स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क में पीएच.डी. के लिए स्थान प्राप्त किया।
- एम.एससी. प्रथम वर्ष (2019-2021) की छात्रा सुश्री हरिताश्री एस. ने जेआरएफ, सीएसआईआर-यूजीसी नेट, 2019 उत्तीर्ण किया।
- एम.एससी. द्वितीय वर्ष (2018-2020) के चार विद्यार्थियों को टेक्नोकल्चर रिसर्च, बैंगलोर में नियोजन मिला।

चरम गंभीर तूफान और आपदा न्यूनीकरण रणनीतियाँ (ईएसएसडीएमएस -2) पर 27-29, 2020 के दौरान आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन

एशियन प्रेसिपिटेशन एक्सपेरिमेंट (AsiaPEX) साउथ एशिया (SA) पर 1-2 मार्च, 2020 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभागी

पर्यावरण विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष – प्रो. राजेश कुमार

उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत अपने अवसंरचनात्मक विकास के चरम पर है और इसे प्रदूषण की निगरानी और विकासात्मक परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन करने के लिए पर्यावरण विशेषज्ञों तथा प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता है। वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए, विभाग की स्थापना का उद्देश्य है-

- क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर की पर्यावरणीय समस्याओं का ज्ञान प्रदान करना;
- छात्रों को कुशल पर्यावरणीय निर्णय और प्रबंधन हेतु पर्यावरणीय घटकों के वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित करना;
- पर्यावरण अनुसंधान के लिए अंतःविषय सहयोग के लिए शिक्षाविदों और संगठनों के बीच अंतरापफलक के रूप में कार्य करना।

संचालित कार्यक्रम

- पर्यावरण विज्ञान में पीएच.डी.
- पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी. (02 वर्षीय)
- पर्यावरण विज्ञान में इंटीग्रेटेड एम.एससी. (05 वर्षीय)

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. राजेश कुमार	आचार्य	ग्लेशियोलॉजी, ग्लेशियर भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान और वायु प्रदूषण
प्रो. के. के. सत्पथी	आचार्य (अनुबंध)	थर्मल प्रदूषण, क्लोरीनीकरण और जैव विविधता
डॉ. लक्ष्मी कांत शर्मा	सह आचार्य	पर्यावरण रिमोट सेंसिंग, पारिस्थितिक और पर्यावरण प्रबंधन
डॉ. गरिमा कौशिक	सहायक आचार्य	पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी, माइक्रोबियल बायोडीग्रेडेशन ऑफ पीओपी (कीटनाशक, फार्मास्यूटिकल्स और एंटीबायोटिक्स)
डॉ. रितु सिंह	सहायक आचार्य	एनवायर्नमेंटल टॉक्सिकोलॉजी, एनवायर्नमेंटल पॉल्यूशन एंड मैनेजमेंट, ननोरामेडिया
डॉ. आलोक कुमार	सहायक आचार्य	बायोगेकेमिस्ट्री एंड हाइड्रो-जियोकेमिस्ट्री
डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार	सहायक आचार्य	एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलॉजी (एल्गल बायोफ्यूल, कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन, बायोरेमेडिएशन), शैवाल-बैक्टीरिया पारस्परिक क्रिया, इकोफिजियोलॉजी ऑफ कंटेमिनेटिड इन्वार्यमेन्ट
डॉ. निवेदिता चौधरी	सहायक आचार्य	वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन-पौधों पर निगरानी और प्रभाव

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/सेमिनार/दौरा

नाम	कार्यक्रम	तिथि
डॉ के. के. सत्पथी	सेवानिवृत्त वैज्ञानिक अधिकारी (एच+), सेवानिवृत्त प्रमुख पर्यावरण और सुरक्षा प्रभाग, आईजीसीएआर, आचार्य, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, मुंबई ने "इंदिरा गांधी अनुसंधान केंद्र में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण अनुसंधान - एक संक्षिप्त अवलोकन" अतिथि व्याख्यान दिया।	01 अक्टूबर, 2019

प्राप्त बाह्य निधि

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियां जैसे डीएसटी और सैक (इसरो) द्वारा अनुमोदित रु. 114.28 लाख की विभिन्न बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में चल रही हैं।

उपकरण/सॉफ्टवेयर का क्रय/सुविधाएं

- धूआं हुड -एमएसडब्ल्यू -16701
- डबल आसवन इकाई
- अल्ट्रा-उच्च-प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी-1290 इन्फिनिटी-II
- प्रयोगशाला बेंच

पुरस्कार/उप्लाब्धियाँ

- शिवानी भाटिया ने 28 फरवरी 2020 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह पर पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता।
- भूमिका सूद और हिमांशु चौधरी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में 28 फरवरी 2020 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में मॉडल मेकिंग सेगमेंट में दूसरा पुरस्कार जीता।
- यूजीसी नेट / गेट उत्तीर्ण छात्र
- श्री संदीप कुमार, यूजीसी-नेट, 2018
- श्री शशि रंजन, यूजीसी-नेट 2019
- श्री शशि रंजन, यूजीसी-नेट, 2019
- सुश्री प्रीक्षा पलसानिया, यूजीसी-नेट, 2019
- श्री प्रसून कुमारी द्विवेदी, यूजीसी-नेट, 2019
- श्री प्रभात कुमार, यूजीसी-नेट, 2018
- श्री शशि रंजन, गेट, 2018
- श्री हर्षवर्धन राठौड़, यूपीएससी-सीडीएस, 2019
- श्री प्रभात कुमार, यूजीसी-नेट, 2019
- सुश्री दीक्षा कुमारी, यूजीसी-नेट, 2019
- सुश्री के शीतल, यूजीसी-नेट, 2019

पाठ्येत्तर गतिविधियां

- 16 सितंबर 2019 को विश्व ओजोन दिवस मनाया।
- महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए मैराथन आयोजित की।
- पर्यावरण स्वच्छता अभियान के रूप में 2 अक्टूबर 2019 को वृक्षारोपण।
- 16 से 31 जनवरी 2020 तक स्वच्छ पखवाड़ा मनाया।
- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 28 फरवरी 2020 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में भाग लिया।

पृथ्वी विज्ञान स्कूल में 16 सितंबर 2019 को ओजोन दिवस मनाया।

पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा विभिन्न पर्यावरण जागरूकता गतिविधियां (वृक्षारोपण, मैराथन और स्वच्छता)

शिक्षा स्कूल

अधिष्ठाता: डॉ. अंजलि शर्मा

विभाग
• शिक्षा विभाग
• योग विभाग

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा स्कूल की स्थापना 2014 में की गई थी। शिक्षा स्कूल द्वारा गणित, रसायन विज्ञान और भौतिक विज्ञान स्कूल तथा अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से नवोन्मेषी शिक्षा कार्यक्रम - इंटीग्रेटेड एम.एससी.-बी.एड. संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विषय वस्तु एवं अध्यापन के समर्थ ज्ञान से सम्पन्न भावी शिक्षकों में वृद्धि करना है। शिक्षा स्कूल का दृष्टिकोण अध्यापन, पाठ्यक्रम और अनुसंधान में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना के साथ पेशेवर शिक्षकों को विकसित करना है। विश्वविद्यालय ने पूर्व-सेवा शिक्षकों के बीच यथार्थवादी क्षेत्र के अनुभवों के साथ ही पेशेवर मूल्य और नैतिकता को विकसित कर गुणवतापूर्ण शिक्षा मांग को पूरा करने की ओर महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

शिक्षा विभाग

[विभागाध्यक्ष: डॉ. अंजलि शर्मा]

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों/ स्नातकोत्तर शिक्षकों (पी.जी.टी.) को तैयार करने पर स्पष्ट रूप से ध्यान देते हुए राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा किया गया यह प्रथम प्रयास है।

संचालित कार्यक्रम

- इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. रसायन विज्ञान
- इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र
- इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. गणित
- इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. भौतिक विज्ञान

संकाय

नाम	पदनाम	क्षेत्र विशेषज्ञ
डॉ. अंजलि शर्मा	सह-आचार्य	शैक्षणिक प्रशासन एवं प्रबंधन, शैक्षणिक विज्ञान, महिला अध्ययन
डॉ. नरेन्द्र कुमार	सहायक आचार्य	शोध पद्धति, शैक्षणिक एवं योजना नीतियाँ, शिक्षा मनोविज्ञान
डॉ. गोबिंद सिंह	सहायक आचार्य	शिक्षा के मूल आधार, मार्गदर्शन, परामर्श एवं गणित के शिक्षणशास्त्र
डॉ. संगीता यदुवंशी	सहायक आचार्य	शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षा विज्ञान, लैंगिक अध्ययन
डॉ. रीना गोदारा	सहायक आचार्य	शिक्षण प्रबंधन, शिक्षाशास्त्र का वाणिज्य, शिक्षा का अर्थशास्त्र
डॉ. टी. संगीथा त्यागरंजन	सहायक आचार्य	विशेष शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, समावेशी शिक्षा, शिक्षा विज्ञान
डॉ. सीमा गोपीनाथ	सहायक आचार्य	गणितीय शिक्षा, मूल्यांकन की तकनीक एवं परीक्षण निर्माण
डॉ. कनक शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षण तकनीक, रसायन विज्ञान का शिक्षण शास्त्र, शिक्षण मापन एवं मूल्यांकन

शैक्षणिक गतिविधियाँ

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ (शैक्षणिक भ्रमण, शैक्षणिक आयोजन जैसे विज्ञान दिवस)

विषय/ कार्यक्रम का नाम	सयोंजक/ समन्वयक,यदि कोई हो	दिनांक
पूर्व उन्मुखीकरण इंटर्नशिप कार्यक्रम	डॉ. अंजलि शर्मा	08/07/2019 03/08/2019
राष्ट्रीय शिक्षण दिवस समारोह	डॉ. गोबिंद सिंह डॉ. नरेन्द्र कुमार	11/11/2019
"जीवन उत्थान में शिक्षा की भूमिका" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता	डॉ. संगीता यदुवंशी	11/11/2019
स्लोगन के साथ कार्ड बनाना जिसका विषय था - "शिक्षा तथा सतत विकास"	डॉ. गोबिंद सिंह	10/11/2019
"शिक्षा तथा सतत विकास" विषय पर भाषण प्रतियोगिता	डॉ. नरेन्द्र कुमार	11/11/2019

विशेषज्ञ/ अतिथि संकाय/ सेमिनार/ दौरा

नाम	आयोजन	दिनांक
प्रोफेसर राजेन्द्र पाल	आचार्य, केंद्रीय शिक्षक शिक्षा संस्थान, राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली क्रिया शोध एवं एक प्रस्ताव तैयार करना	19-20/07/19
डॉ. राजवीर सिंह	सह-आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय विज्ञान में शिक्षण रणनीतियाँ	20-23/07/19
डॉ. रामबाबू पारीक	सह-प्राचार्य, रसायन विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर शिक्षण कौशल विकास	17-24/07/19

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

(क) **खेल:** विभाग के छात्रों ने विश्वविद्यालय में विभिन्न खेलों में भाग लिया।

(ख) **सांस्कृतिक कार्यक्रम:** विभाग के छात्रों ने विश्वविद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया।

प्रोफेसर राजेन्द्र पाल ने विभाग में भ्रमण किया एवं शोध क्रिया विषय पर विद्यार्थियों के साथ वार्ता की

राष्ट्रीय शिक्षण दिवस समारोह, कार्ड बनाना प्रतियोगिता एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता

योग विभाग

[विभागाध्यक्ष: डॉ. संजीब कुमार पात्र]

वर्तमान में योग विभाग, मानसिक एवं शारीरिक रोगों के उपचार के लिए ज्ञान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ योग थैरेपी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रस्तुत करता है। योग चिकित्सा एक प्रगतिशील क्षेत्र है और असंक्रामक बीमारियों के उपचार के साथ ही बीमारियों की रोकथाम एवं स्वास्थ्य सुधार हेतु इसकी प्रभावशीलता पर जोर देने के लिए वैज्ञानिक प्रयास शुरू किये गये हैं। इसका उद्देश्य बीमारी की रोकथाम करना और स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है, जो एक उत्तम स्वास्थ्य सुनिश्चित करता है। यह कार्यक्रम विभिन्न बीमारियों के लिए उपयुक्त योग चिकित्सा तकनीकों का व्यापक ज्ञान प्रदान करता है। यह योग अभ्यासों के विभिन्न मूल सिद्धांतों, प्रकारों व पहलुओं और विभिन्न बीमारियों में उनके अनुप्रयोगों के पीछे के विज्ञान को उजागर करता है।

संचालित कार्यक्रम

- एम.एससी. योग थेरेपी

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. संजीव कुमार पात्र	सह आचार्य	नींद चिकित्सा, साइकोफिजियोलॉजी, ध्यान और योग चिकित्सा
डॉ. काशीनाथ जी. मैत्री	सहायक आचार्य	योग चिकित्सा, आयुर्वेद एवं हृदय चिकित्सा एवं पुनर्वासन
डॉ. चौबे शिवाजी विलास	सहायक आचार्य (संविदा पर)	योग चिकित्सा, एकीकृत चिकित्सा, आयुर्वेद परामर्श एवं मनोचिकित्सा
डॉ. मीनाक्षी	सहायक आचार्य (संविदा पर)	योग चिकित्सा, एकीकृत चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद परामर्श एवं मनोचिकित्सा

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ व्याख्यान/ सेमिनार/ दौरे

नाम	कार्यक्रम	दिनांक
डॉ. राम जायम	प्रख्यात वैज्ञानिक, मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान राष्ट्रीय संस्थान मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग	14/02/2020

सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी का आयोजन

शिक्षा विभाग, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयुराज) में 400 विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस 3 मार्च, 2020 को सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया।

पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता

विश्वविद्यालय में विज्ञान दिवस समारोह की संध्या पर, हमारे छात्रों के तीन समूहों ने विषय 'विसरा अर्थात दिल, फेफड़े और मस्तिष्क की दक्षता में सुधार के लिए योग उपचार के तरीके' को वैज्ञानिक रूप से समझाने के लिए पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिताओं के दौरान सक्रिय रूप से भाग लिया।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक 21 जून, 2019 को योग विभाग, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूराज) द्वारा "चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस" का आयोजन किया गया।
- योग विभाग सुबह 6.30 से 7.30 बजे तक विभिन्न असंक्रामक रोगों से पीड़ित विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की चिकित्सा के लिए मासिक साक्ष्य आधार पर योग चिकित्सा का संचालन करता है।

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

- **निम्नलिखित विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट/ जेआरएफ अर्हता प्राप्त की।** राजकंवर भाटीयूजीसी नेट, के.एम. मेघा यूजीसी नेट, सुभम सेमवाल यूजीसी नेट, अभिजीत वैश्य यूजीसी नेट (जेआरएफ), तरूणी सारवा यूजीसी नेट

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

योग प्रतियोगिता : हमारे छात्रों ने 04 से 06 जनवरी, 2020 तक राजीव गांधी ज्ञान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित अंतर विश्वविद्यालय योग प्रतियोगिता में भाग लिया।

राजीव गांधी ज्ञान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में हमारे विद्यार्थियों की भागीदारी

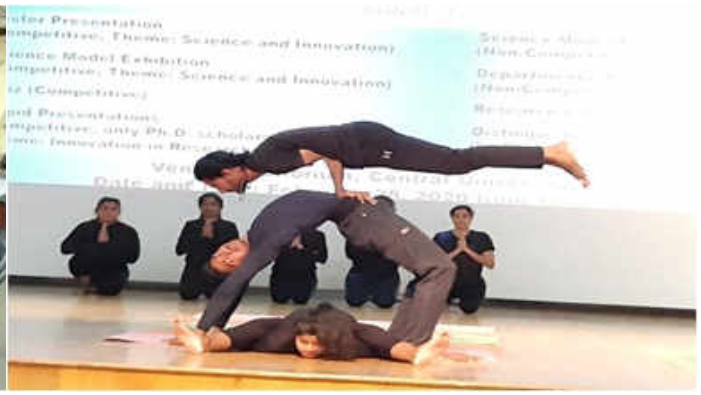

स्थापना पर एम.एस.सी. योग विद्यार्थियों द्वारा रंगमंच प्रदर्शन

अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. मनीष देव श्रीमाली

सतत विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए वर्ष 2010 में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी स्कूल की स्थापना की गई। यह स्कूल अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में स्नातक (बी.टेक.), स्नातकोत्तर (एम.टेक.) और शोध कार्यक्रम (पी.एच.डी.) संचालित करता है। इस स्कूल का उद्देश्य विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण अर्थात सतत विकास के लिए शिक्षा प्रदान करने में एक विलक्षण भूमिका निभाना है। स्कूल का उद्देश्य उच्च क्षमता और नैतिक मूल्यों वाले अभियांत्रिक स्नातक प्रदान करने के लिए छात्रों/ शोधकर्ताओं को उन्नत प्रोद्योगिकियों में उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करना है। स्कूल का लक्ष्य अभियांत्रिकी शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है।

विभाग
• कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
• इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

[विभागाध्यक्ष: प्रो. मैथिली आर.पी. सिंह]

विश्वविद्यालय में वर्ष 2010 में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल के अंतर्गत कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना की गयी। वर्तमान में, विभाग सूचना सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ सीएसई में 2 वर्षीय एम.टेक. पाठ्यक्रम, एक डॉक्टरेट पाठ्यक्रम तथा कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एक 4 वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। सूचना के इस युग में देश की सुरक्षित प्रगति की दिशा में योगदान देने के लिए विभाग सूचना सुरक्षा पेशेवर तैयार करने हेतु कठिन परिश्रम कर रहा है। यह विभाग साइबर भौतिक प्रणाली, सूचना परीक्षण, सुरक्षा लेखा परीक्षा, डिजीटल फॉरेंसिक आदि जैसे नए उभरते हुए क्षेत्रों का अन्वेषण भी कर रहा है। यह विभाग विश्वविद्यालय का लक्ष्य प्राप्त करने में योगदान देता रहा है और निकट भविष्य में और नए कार्यक्रम जोड़ कर इसके विस्तार की योजना बना रहा है।

संचालित कार्यक्रम

- बी.टेक. सीएसई
- एम.टेक. सीएसई
- सीएसई में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. गौरव सोमानी	सहायक आचार्य	वितरित प्रणालियाँ, कम्प्यूटर नेटवर्क्स, एड हॉक नेटवर्क्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग
श्री रवि सहारण	सहायक आचार्य	अल्गोरिद्म, कम्प्यूटर ग्राफिक्स, चित्र प्रसंस्करण, सैद्धांतिक कम्प्यूटर विज्ञान।
डॉ. मुजम्मिल हुसैन	सहायक आचार्य	नेटवर्क सुरक्षा, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, कम्प्यूटर नेटवर्क्स

उपलब्ध उपकरण/ सुविधाएँ

- आईईईई ऑनलाईन

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

- डॉ. गौरव सोमानी, एल्सेविअर जर्नल ऑफ कम्प्यूटर कम्यूनिकेशन्स (कॉमकॉम) से बेस्ट सर्वेक्षण पेपर अवार्ड 2020 (अवार्ड मुद्रा यूएसडी 500), जून 10, 2020.
- डॉ. गौरव सोमानी, कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के लिए आईईआई यंग इंजीनियर अवार्ड 2019-20, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया (आईईआई), कम्प्यूटर इंजीनियर्स की 33वीं राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित, जयपुर, भारत, फरवरी 15-16, 2020.
- डॉ. गौरव सोमानी, निर्णायक प्रतियोगी, आईएसईए-आईएसएपी सम्मेलन में डॉक्टरेट शोध प्रबंध पुरस्कार, आईआईटी गुवाहटी, 27 फरवरी से 1 मार्च, 2020 के दौरान.
- डॉ. गौरव सोमानी, वरिष्ठ सदस्य, आईईईई, ऐलीवेटेड इन अगस्त, 2019.

एम.टेक. सीएसई थीसिस डिफेंस परीक्षा 2019

सीएसई प्रयोगशाला: परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में भाग लेते हुए विद्यार्थीगण (20/01/2020)

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

[विभागाध्यक्ष: प्रो. यू.एस. मिश्रा]

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी स्कूल के तहत 2009 में प्रारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम को शुरू करने का मुख्य लक्ष्य अत्यंत कुशल युवा अभियंता तैयार करना है ताकि वे विभिन्न उद्योगों और शैक्षणिक नौकरियों में अपना योगदान प्रदान कर सकें। हमारे पाठ्यक्रम को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि छात्रों को ईसीई के क्षेत्र में सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप से एक मजबूत आधार मिल सके। वर्तमान में यह विभाग 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (ईसीई में बी.टेक.) एवं साइबर फिजीकल सिस्टम में 2 वर्षीय एम.टेक. कार्यक्रम संचालित करता है। यह विभाग आधुनिक प्रयोगशाला उपकरणों से सुसज्जित है। यह विभाग छात्रों के ज्ञान, कौशल और प्रतिभा को बढ़ाने के लिए समर्पित संकाय सदस्यों की सेवाऐं ले रहा है।

संचालित कार्यक्रम

- बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी)
- एम.टेक. (साइबर फिजीकल सिस्टम)

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. मिलन सासमल	सहायक आचार्य	इलैक्ट्रोनिक डिवाईसेज, नैनोबॉयोसेंसर, एमईएमएस/ एनईएमएस

डॉ. राजन सिंह	सहायक आचार्य	स्पिंट्रोनिक्स डिवाईसेज, इलैक्ट्रोसेरेमिक्स, फेरोइलैक्ट्रिक, एवं पीजोइलैक्ट्रिक डिवाईसेज, पीजोइलैक्ट्रिक एनर्जी हार्वेस्टर्स
डॉ. कपिल सारस्वत	सहायक आचार्य	आरएफ एण्ड माइक्रोवेव इंजीनियरिंग, कम्प्यूटेशन इलैक्ट्रोमैग्नेटिज़्म, हाई इंपीडेंस सरफेस एम्बेडेड सिस्टम्स, न्यूरल नेटवर्क

शैक्षणिक गतिविधियाँ

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

- विभाग ने 28 फरवरी, 2020 को विज्ञान दिवस मनाया।

बाह्य निधि प्राप्ति

- डॉ. मिलन सासमल को लगभग 10 लाख रूपये का यूजीसी स्टॉर्ट-अप अनुदान परियोजना प्राप्त हुआ

उपलब्ध उपकरण/ सुविधाएँ

- बेसिक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग लैब
- इलेक्ट्रॉनिक्स कार्यशाला सुविधाएं

तीन चरण के ट्रांसफार्मर के लिए प्रायोगिक सेटअप इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग लैब में कार्य करते छात्र

मानविकी और भाषा स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. सुप्रिया अग्रवाल

इस स्कूल में तीन प्रगतिशील और अग्रणी विभाग हैं जो साहित्य और भाषा के साथ काम करते हैं ताकि उच्च स्तर का ज्ञान प्राप्त किया जा सके और छात्रों को बहु-विषयक और समग्र शिक्षा से युक्त किया जा सके। इन विभागों में समर्पित और प्रतिभाशाली संकायगण हैं जो मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने में संलग्न हैं। स्कूल के शोधार्थी साहित्य, भाषा, सामाजिक और संस्कृति से संबंधित प्रासंगिक मुद्दों के विभिन्न विषयों पर अनुकरणीय कार्य कर रहे हैं। पाठ्यक्रम को नियमित रूप से अद्यतित किया जाता है और यह छात्र के समग्र विकास और मानवता के सतत विकास के लिए अवसर प्रदान करता है। विभागों द्वारा संचालित कई महत्वपूर्ण और रचनात्मक पाठ्यक्रम अन्य विषयों के छात्रों द्वारा भी चुने जाते हैं और यह स्कूल शिक्षण में नवाचार के वातावरण को बढ़ावा देने पर निरंतर कार्य कर रहा है।

विभाग
• अंग्रेजी विभाग
• हिन्दी विभाग
• भाषा विज्ञान विभाग

अंग्रेजी विभाग

[विभागाध्यक्ष: डॉ. संजय अरोड़ा]

अंग्रेजी विभाग की स्थापना शैक्षिक सत्र 2010-11 में हुई। इसका उद्देश्य व्यापक समग्र विकास के लिए छात्रों को कक्षा के भीतर एवं बाहर, दोनों स्थानों पर परामर्श देना है। इसके अलावा, यह व्याख्यान, संचार कार्यों और गतिविधियों, फिल्म स्क्रीनिंग, बहस, चर्चा, लेखन अभ्यास, संगोष्ठियों, सेमिनारों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों (राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय) के माध्यम से गहन प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसका पाठ्यक्रम भाषा, साहित्य, संस्कृति अध्ययन, दृश्य प्रतिनिधित्व और बहु-अनुशासनात्मक अध्ययन का एक स्वस्थ मिश्रण है। यह कार्यक्रम न केवल इस क्षेत्र में आवश्यक और अतिरिक्त ज्ञान का प्रसार करता है बल्कि शिक्षण, रचनात्मक लेखन, अनुसंधान, सामग्री लेखन, अनुवाद और अन्य संबंधित क्षेत्रों में आजीविका के लिए छात्रों को शिक्षित और प्रशिक्षित भी करता है।

संचालित कार्यक्रम

- अंग्रेजी में पीएच.डी.
- अंग्रेजी में स्नातकोत्तर

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. सुप्रिया अग्रवाल	आचार्य	लिंग और सांस्कृतिक अध्ययन, विश्व साहित्य
डॉ. संजय अरोड़ा	सह-आचार्य	अंग्रेजी भाषा शिक्षण, अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, सीएलटी
डॉ. भूमिका शर्मा	सहायक -आचार्य	पोस्टकोलोनियल स्टडीज, अफ्रीकी अमेरिकी लेखन, लैंगिक अध्ययन
डॉ. नेहा अरोड़ा	सहायक -आचार्य	दलित साहित्य, तुलनात्मक साहित्य
डॉ. देवेन्द्र रांकावत	सहायक -आचार्य	पोस्टकोलोनियल स्टडीज, क्रिएटिव राइटिंग
डॉ. वेद प्रकाश	सहायक -आचार्य	विभाजन साहित्य, अफ्रीकी अमेरिकी साहित्य एवं कैरेबियन साहित्य

शैक्षणिक गतिविधियाँ

➢ **विशेषज्ञ/ अतिथि व्याख्यान/ संगोष्ठी/ दौरे**

प्रोफेसर रजनीश अरोड़ा (निदेशक, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर), ने शोधार्थियों के लिए "शाब्दिक विश्लेषण" विषय पर 12 दिसम्बर, 2019 को एक व्याख्यान दिया।

➢ **सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी का आयोजन**

एक कार्यशाला "दि यूज ऑफ डिजीटल टूल्स फॉर लर्नर ऑटोनोमी" विषय पर 29 नवम्बर, 2019 को आयोजित की गयी। उक्त कार्यशाला में डॉ. शैला महान और डॉ. अंशु शर्मा (अंग्रेजी भाषा शिक्षक संघ और भारत के अंतरराष्ट्रीय शिक्षक संघ विदेशी भाषा, यूके के प्रशिक्षक के रूप में) विशेषज्ञ थे।

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

- बिबिन सेबास्टिन मैथ्यूस (2012-14) नेट अर्हता प्राप्त
- रमेश (2015-17) नेट-जेआरएफ अर्हता प्राप्त
- ममता मेहरानिया (2016-18) नेट-जेआरएफ अर्हता प्राप्त
- मेरिन जॉन, अवधेश (2017-19) नेट अर्हता प्राप्त
- प्रखर, मोनिका, निशा (2018-19) नेट अर्हता प्राप्त

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

क्र.सं.	गतिविधियाँ	दिनांक
1.	दि क्लाउड कैप्ड स्टार/ मेघे ढाका	17/10/2019
2.	प्लीज वोट फॉर मी बाय वीजुन चेन (फिल्म स्क्रीनिंग)	23/01/2020
3.	पैरासाइड बाय बोंग जून-हो (फिल्म स्क्रीनिंग)	06/02/2020
4.	दि पियानिस्ट बाय रोमन पोलेंस्की (फिल्म स्क्रीनिंग)	12/02/2020
5.	विभागीय वाद-विवाद	10, 17 व 24/10/2020
6.	रचनात्मक लेखन पर चर्चा	7, 14 व 11/11/2020

"हाउ टू इंटरप्रेट ए टैक्स्ट" विषय पर प्रोफेसर रजनीश अरोड़ा द्वारा विस्तार व्याख्यान (निदेशक, ईएफएलयू, लखनऊ)

डॉ. अंशु शर्मा और डॉ. शैला महान द्वारा 'वॉकेबलरी एन्हेन्समेण्ट' पर कार्यशाला (सह-आचार्य, कॉलेज शिक्षा निदेशालय, जयपुर)